उत्तर प्रदेश में पेराई सत्र के लिए गन्ना सट्टा व आपूर्ति नीति जारी
- 12

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा- जीएसटी सुधार से पारदर्शी बनेगी अर्थव्यवस्था
- 12

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता का दो तानाशाहों के साथ आना शर्म की बात
- 13

मिचेल स्टार्क ने टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा
- 14

आज का मौसम

29.0° अधिकतम तापमान

26.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.52

सूर्यास्त 06.31

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

भाद्रपद शुक्ल पक्ष एकादशी 04:22 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 3 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 284, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

नागपुर में इंडिगो के विमान से पक्षी टकराया

नागपुर। नागपुर से कोलकाता जा रहा इंडिगो का एक विमान मंगलवार की सुबह उड़ान भरने के पश्चात पक्षी के टकराने के बाद हवाई अड्डे पर लौट आया। हवाई अड्डे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 160 से 165 यात्रियों को ले जा रहे विमान को नागपुर हवाई अड्डे पर एहतियात के तौर पर लौटना पड़ा। अधिकारी ने बताया कि उड़ान रद्द कर दी गई है।

विदेशी वित्तपोषण मामले की ईडी जांच शुरू

बेंगलुरु। ईडी ने कर्नाटक के धर्मस्थल में कथित सांप्रदायिक साजिशों को अमली जामा पहनाने के लिए विदेश से वित्तपोषण के आरोपों की जांच शुरू की है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि एजेंसी उन सभी संस्थाओं और हितधारकों से संबंधित तथ्य और दस्तावेज एकत्र कर रही है, जिनमें कुछ गैर सरकारी संगठन भी शामिल हैं। इनपर धर्मस्थल में विवाद पैदा करने के लिए उक्त धन का इस्तेमाल करने का आरोप है।

अभिनेत्री रान्या राव पर 102 करोड़ का जुर्माना

बेंगलुरु। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने सोने की तस्करी के एक मामले में कन्नड़ फिल्म अभिनेत्री रान्या राव पर 102 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। उनके साथ, तीन अन्य पर भी 50 करोड़ रुपये से अधिक का भारी जुर्माना लगाया गया है। डीआरआई ने मंगलवार को अभिनेत्री और बेंगलुरु सेंट्रल जेल में बंद अन्य आरोपियों को 2,500 पृष्ठों का जुर्माना नोटिस दिया। अभिनेत्री को तीन मार्च को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 14.8 किग्रा सोने के साथ पकड़ा गया था।

विधायक के. कविता बीआरएस से निलंबित

हैदराबाद। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने विधान परिषद सदस्य के. कविता को पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण मंगलवार को पार्टी से निलंबित कर दिया। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब कविता ने चचेरे भाइयों एवं भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेताओं टी हरीश राव और जे संतोष कुमार पर कालेश्वरम परियोजना को लेकर अपने पिता के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की छवि खराब करने का आरोप लगाकर पार्टी में तूफान खड़ा कर दिया था।

नई दिल्ली में सेमीकॉन इंडिया 2025 के उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव। ● एजेंसी

भारत की छोटी चिप दुनिया में लाएगी बड़ा बदलाव : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि 18 अरब डॉलर से अधिक की 10 सेमीकंडक्टर परियोजनाएं जारी हैं और देश अब भारत सेमीकंडक्टर मिशन के अगले चरण की ओर बढ़ रहा है। साथ ही कहा कि 1,000 अरब डॉलर के वैश्विक चिप बाजार का दोहन करने के लिए उसको (चिप) तैयार करने से जुड़ी प्रोत्साहन (डीएलआई) योजना के अगले चरण पर सरकार काम कर रही है। मोदी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब भारत में बनी सबसे छोटी चिप दुनिया में सबसे बड़ा बदलाव लाएगी। वह दिन दूर नहीं जब दुनिया कहेगी भारत में तैयार, भारत में निर्मित, दुनिया के लिए विश्वसनीय। सेमीकॉन इंडिया-2025

सेमीकॉन इंडिया-2025

- **प्रधानमंत्री बोले, देश सेमीकंडक्टर मिशन के अगले चरण की ओर अग्रसर**
- **कहा-दुनिया भारत के साथ सेमीकंडक्टर का भविष्य बनाने के लिए तैयार**

के उद्घाटन के अवसर पर मोदी ने यह बात कही। इसमें दुनिया भर से करीब 50 देशों के सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विशेषज्ञों ने शिरकत की।

मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत की नवाचार और युवा शक्ति भी इस कार्यक्रम में स्पष्ट रूप से मौजूद है। उन्होंने कहा कि यह अनूठा संयोजन एक स्पष्ट संदेश देता है कि दुनिया, भारत पर भरोसा करती है। दुनिया, भारत में विश्वास करती है और दुनिया, भारत के साथ सेमीकंडक्टर का भविष्य बनाने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सेमीकंडक्टर की दुनिया में अक्सर कहा जाता है कि तेल काला सोना था लेकिन चिप डिजिटल हीरा है। उन्होंने कहा कि जहां तेल ने पिछली सदी को आकार दिया, वहीं 21वीं सदी की शक्ति अब छोटी चिप में केंद्रित है। आकार में छोटा होने के बावजूद इन चिप में वैश्विक प्रगति को तेजी से बढ़ाने की क्षमता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार पहले ही 600 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच चुका है और आने वाले वर्ष में इसके 1,000 अरब डॉलर को पार करने की उम्मीद है।

चुनौतियों के बावजूद दर्ज की 7.8 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को 'बेजान अर्थव्यवस्था' के कटाक्ष का परोक्ष रूप से खंडन करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी और वैश्विक अनिश्चितताओं एवं आर्थिक स्वार्थ से प्रेरित चुनौतियों के बीच सभी अनुमानों को पार कर गई है। 'सेमीकॉन इंडिया 2025' सम्मेलन में उन्होंने कहा कि अप्रैल-जून में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि हर उम्मीद, आशा एवं अनुमान से बेहतर रही। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने यह आर्थिक प्रदर्शन वैश्विक अनिश्चितताओं और आर्थिक स्वार्थ से उपजी चुनौतियों के बीच किया है।

प्रदेश में बनेगा आउटसोर्स सेवा निगम

कैबिनेट ने दी मंजूरी, वेतन-पीएफ और ईएसआई का पैसा सीधे खातों में जाएगा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में मंगलवार को 15 प्रस्तावों को हरी झंडी दिखाई गई। इनमें कम्पनीज एक्ट-2013 के सेक्शन-8 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम लिमिटेड के गठन को मंजूरी देना भी अहम रहा। यह एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी होगी, जिसे नान-प्रॉफिटेबल संस्था के रूप में संचालित किया जाएगा। इसके माध्यम से अब आउटसोर्सिंग एजेंसियों का चयन सीधे विभाग नहीं करेंगे, बल्कि निगम जेम पोर्टल के माध्यम से निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया से एजेंसी का चयन करेगा।

आउटसोर्स कर्मचारियों का चयन तीन वर्ष के लिए किया जाएगा। कर्मचारियों को 16 से 20 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। इस फैसले से सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि प्रत्येक कर्मचारी को उसका पूरा हक मिले और भविष्य सुरक्षित रहे। यह निर्णय लाखों युवाओं को बेहतर अवसर देगा, प्रदेश में रोजगार एवं सुशासन का नया मॉडल भी स्थापित करेगा।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि विभिन्न विभागों और संस्थाओं में लंबे समय से आउटसोर्सिंग एजेंसियों के माध्यम से बड़ी संख्या में कार्मिक सेवाएं प्रदान कर रहे थे। लेकिन, लगातार यह शिकायतें सामने आ रही थीं कि उन्हें सरकार द्वारा स्वीकृत पूरा मानदेय नहीं मिल रहा। ईपीएफ, ईएसआई जैसी अनिवार्य सुविधाओं का नियमित अंशदान भी कई बार एजेंसियों द्वारा नहीं किया जाता था। इन अनियमितताओं को खत्म करने और कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए यह निगम गठित किया गया है।

लखनऊ स्थित लोकभवन में कैबिनेट सहयोगियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

ऐसी होगी नई व्यवस्था और सुविधाएं

लखनऊ। आउटसोर्सिंग एजेंसियों का चयन निगम जेम पोर्टल से करेगा। कर्मचारियों का मानदेय 16 से 20 हजार रु. प्रतिमाह निर्धारित है और महीने में 26 दिन सेवा ली जा सकेगी। कर्मचारी तीन वर्षों के लिए अपनी सेवाएं दे सकेंगे और उनका वेतन 1 से 5 तारीख तक सीधे उनके खातों में जाएगा। ईपीएफ और ईएसआई का अंशदान भी सीधे कर्मचारियों के खाते में जाएगा। चयन लिखित परीक्षा और साक्षात्कार से होना है। नियमानुसार आरक्षण मिलेगा। सेवा के दौरान मृत्यु होने पर 15 हजार रुपये अंतिम संस्कार सहायता के रूप में दिए जाएंगे।

पारिवारिक संपत्ति का बंटवारा होगा आसान और सस्ता

लखनऊ। कैबिनेट ने पारिवारिक संपत्ति के बंटवारे के लिए विभाजन विलेख पर स्टाम्प शुल्क और रजिस्ट्रेशन फीस को अधिकतम 5,000 रुपये तक सीमित करने का फैसला लिया। वर्तमान में विभाजन विलेख पर 4 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क और 1 प्रतिशत रजिस्ट्रेशन फीस लागू है, जो संपत्ति के मूल्य पर आधारित है। नई व्यवस्था से पारिवारिक विवाद कम होंगे और संपत्ति का सौहार्दपूर्ण बंटवारा संभव होगा। हालांकि, इस छूट से अनुमानित 5.58 करोड़ का स्टाम्प शुल्क और 80.67 लाख का रजिस्ट्रेशन शुल्क राजस्व नुकसान हो सकता है।

ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनेगा यूपी, मंत्रिमंडल ने की नीति मंजूर

लखनऊ। कैबिनेट बैठक में उप्र. इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण नीति-2025 (यूपी ईसीएमपी-2025) को मंजूरी दी, जो अगले 6 वर्षों तक प्रदेश में डिस्प्ले, कैमरा मॉड्यूल, मल्टीलेयर पीसीबी जैसे 11 महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक कॉम्पोनेन्ट्स के निर्माण को बढ़ावा देगी। सरकार की इस नीति से 5,000 करोड़ रुपये के निवेश और लाखों रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इस नीति के तहत उद्यमियों को केंद्र की योजना के समतुल्य अतिरिक्त प्रोत्साहन दिए जाएंगे, जिससे यूपी का मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में उभरेगा। नीति का क्रियान्वयन शासन स्तर पर गठित नीति कार्यान्वयन इकाई और सशक्त समिति की देखरेख में नोडल संस्था द्वारा किया जाएगा। प्रमुख सचिव अनुराग यादव ने बताया कि नीति के तहत 5,000 करोड़ रुपये का अनुमानित व्यय होगा, जिससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के लाखों अवसर सृजित होंगे।

अफगानिस्तान में मृतकों की संख्या 1400 के पार 3000 से अधिक घायल

शक्तिशाली भूकंप से एक घर में बना बड़ा गड्ढा और टूटी सीढ़ियां।

जलालाबाद, एजेंसी

- **पूर्वी अफगानिस्तान में रविवार की रात आया था शक्तिशाली भूकंप**
- **जीवित लोगों की तलाश में प्रभावित इलाके में बचाव अभियान जारी**

अफगानिस्तान के पूर्वी हिस्से में आए 6.0 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1400 से ज्यादा हो गई है और 3,000 लोग घायल हुए हैं। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक्स पर बताया कि पूर्वी अफगानिस्तान में आए भीषण भूकंप में मरने वालों की संख्या 1,400 से अधिक हो गई है। 3,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं। जीवित लोगों की तलाश में इलाके में तलाश अभियान जारी है।

रविवार देर रात को पर्वतीय क्षेत्र में आए 6.0 तीव्रता के भूकंप से गांव तबाह हो गए और लोग घंटों मलबे में फंसे रहे। इससे पहले, अफगानिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता यूसुफ हम्माद ने बताया कि घायलों को निकाला जा रहा है, इसलिए ये आंकड़े बदल सकते हैं। भूकंप के कारण कुछ इलाकों में भूस्खलन हुआ, जिससे सड़कें अवरुद्ध हो गईं।

सूडान में भूस्खलन से 1000 से अधिक नागरिकों की मौत

खारतूम/नई दिल्ली। मध्य अफ्रीकी देश सूडान के मार्रा पर्वतीय क्षेत्र में भारी बारिश के बाद हुए भूस्खलन में एक हजार लोगों की मौत हो गई है। सशस्त्र समूह सूडान लिबरेशन मूवमेंट/आर्मी ने एक बयान में कहा है कि कई दिनों की भारी बारिश के कारण रविवार को भूस्खलन हुआ, जिसमें केवल एक व्यक्ति ही जीवित बचा है और तरासिन गांव का अधिकांश हिस्सा जमींदोज़ हो गया है। सैन्य प्रशासन ने संयुक्त राष्ट्र और अन्य क्षेत्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से मानवीय आधार पर सहायता की अपील की है।

सीओ-कोतवाल नपे चौकी लाइन हाजिर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/बाराबंकी

अमृत विचार : श्री रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय बाराबंकी में एबीवीपी के छात्रों की पिटाई मामले में मंगलवार को विरोध प्रदर्शन के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त एक्शन लिया है। उनके आदेश पर अयोध्या के कमिश्नर और आईजी ने मौके पर जांच के बाद रिपोर्ट भेज दी है। मामले में सीओ सिटी बाराबंकी और नगर कोतवाल को हटाने के साथ ही विभागीय जांच और निलंबन की कार्रवाई शुरू हो गई है, जबकि गदिया चौकी प्रभारी समेत सभी पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया गया है।

विश्वविद्यालय में एलएलबी की मान्यता को लेकर सोमवार को प्रदर्शन कर रहे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से जुड़े छात्रों पुलिस कर्मियों के साथ मिलकर कुछ अराजकतत्वों ने पिटाई की थी। इसमें 22 छात्र घायल हुए। मामले को लेकर एबीवीपी ने मंगलवार को बाराबंकी समेत लखनऊ विश्वविद्यालय और विधानसभा के पास प्रदर्शन किया। शीर्ष भाजपा नेताओं के हस्तक्षेप से मामला मुख्यमंत्री के संज्ञान में आते ही एक्शन शुरू हो गया। अयोध्या के कमिश्नर राजेश कुमार व आईजी प्रवीण कुमार ने विवि पहुंचकर पूरे प्रकरण की जांच कर कोर्स की वैधता, पुलिस की भूमिका और बाहरी लोगों की ओर से छात्रों की पिटाई के आरोपों पर सीएम कार्यालय को देर शाम रिपोर्ट दी। सूत्रों के अनुसार मामले में सीओ सिटी हर्षित चौहान और कोतवाली प्रभारी आरके राणा को तत्काल प्रभाव से हटाते हुए विभागीय जांच के साथ निलंबन की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इसकी एडीजी लखनऊ कार्यालय ने भी पुष्टि की है।

छात्रों की पिटाई

- **मुख्यमंत्री का एक्शन, कमिश्नर आईजी ने भेजी जांच रिपोर्ट**
- **बाराबंकी के एसआरएम विवि के मामले ने तूल पकड़ा**

विवि प्रशासन पर एफआईआर के निर्देश

प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि श्री रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय, माती में एलएलबी पाठ्यक्रम की मान्यता का समय से नवीनीकरण न कराए जाने के कारण छात्रों के भविष्य में अनिश्चितता की स्थिति उत्पन्न हुई है। प्रवेश के समय अवैध वसूली और छात्रों की न्यायोचित मांगों को दबाने के लिए बाहरी तत्वों का सहयोग लेना अत्यंत गंभीर हैं। विवि के जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं।

गुरु जम्भेश्वर सहित 3 विवि में 948 नए पदों को मंजूरी

लखनऊ। राज्य सरकार ने तीन नवगठित विश्वविद्यालयों गुरु जम्भेश्वर विवि मुरादाबाद, मां विंध्यवासिनी विवि मिर्जापुर और मां पाटेश्वरी विवि बलरामपुर में कुल 948 नए पदों के सृजन को मंजूरी दी है। इसमें 468 अस्थायी शिक्षणेतर और 480 आउटसोर्सिंग पद हैं। इन पदों पर नियुक्ति होते ही इन विश्वविद्यालयों की प्रशासनिक और कार्यात्मक व्यवस्था मजबूत होगी। उच्च शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि प्रत्येक विवि में 156 अस्थायी शिक्षणेतर पद सृजित किए गए हैं, जो 28 फरवरी 2026 तक प्रभावी रहेंगे। प्रत्येक विवि में 160 पद आउटसोर्सिंग से भरे जाएंगे।

- **468 अस्थायी शिक्षणेतर और 480 आउटसोर्सिंग पदों पर भर्ती**

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को निर्वाचन आयोग का नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली चुनाव प्रशासन ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने को लेकर नोटिस जारी किया है।

नई दिल्ली के जिला निर्वाचन अधिकारी ने खेड़ा को भेजे नोटिस में कांग्रेस नेता को आठ सितंबर को सुबह 11 बजे तक जवाब देने का निर्देश दिया है। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि मेरे संज्ञान में लाया गया है कि आपने अपना नाम एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची में पंजीकृत कराया है। खेड़ा नई दिल्ली और जंगपुरा विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं।

- **दिल्ली में दो जगह से मतदाता होने का मामला**

काबुल पहुंची भारत की सहायता सामग्री

नई दिल्ली। भारत की ओर से भूकंप प्रभावितों के लिए भेजी गई सहायता सामग्री मंगवार को काबुल पहुंच गई। हवाई मार्ग से भेजी गई 21 टन सहायता सामग्री में कंबल, टेंट, स्वच्छता किट, जल भंडारण टैंक, जनरेटर, बर्तन, पोर्टेबल वाटर प्यूरीफायर, स्लीपिंग बैग, दवाइयां, व्हीलचेयर, हैंड सैनिटाइज़र, जल शोधन गोलियां, ओआरएस घोल और चिकित्सा सामग्री हैं। केंद्र सरकार ने कहा है कि भारत आने वाले दिनों में और अधिक मानवीय सहायता भेजेगा।

शरजील इमाम सहित 8 की बेल अर्जी खारिज

दिल्ली दंगा मामला

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने फरवरी 2020 के दंगों के पीछे की कथित साजिश से जुड़े यूएपीए मामले में उमर खालिद, शरजील इमाम और सात अन्य को जमानत (बेल) देने से मंगलवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति शलिंदर कौर की पीठ ने शरजील इमाम, उमर खालिद, मोहम्मद सलीम खान, शिफा उर रहमान, अतहर खान, मीरान हैदर, अब्दुल खालिद सैफी और गुलफिशा फातिमा और शादाब अहमद की जमानत याचिकाओं पर फैसला सुनाया। नौ जुलाई को अपना आदेश सुरक्षित रखने के बाद मंगलवार को पीठ ने कहा कि सभी अपीलें खारिज की जाती हैं। विस्तृत आदेश का इंतज़ार है।

सुप्रीम टिप्पणी | सीजेआई बोले-हम आंध्र प्रदेश, तेलंगाना या कर्नाटक से संबंधित मामले पर गौर नहीं कर रहे

राष्ट्रपति के मामले में केवल संविधान की करेंगे व्याख्या

नई दिल्ली, एजेंसी

- **प्रेसीडेंट रिफरेंस मामले में शीर्ष अदालत ने सरकार को दिया भरोसा**

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि वह विधेयकों को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति को भेजे जाने (प्रेसीडेंट रेफरेंस) पर विचार करते समय केवल संविधान की व्याख्या करेगा कि क्या न्यायालय राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों से निपटने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए समयसीमा निर्धारित कर सकता है।

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ ने यह टिप्पणी उस समय की जब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यदि इस संदर्भ का विरोध करने वाले पक्षों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी अन्य के अलावा आंध्र प्रदेश से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों के उदाहरणों का हवाला देंगे, तो उन्हें जवाब दाखिल करने की आवश्यकता है क्योंकि उन्होंने उन पहलुओं पर दलील नहीं दी है। पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर भी शामिल हैं।

मेहता ने पीठ से कहा कि अगर वे (तमिलनाडु और केरल सरकारें) आंध्र प्रदेश आदि के उदाहरणों पर भरोसा करने जा रही हैं... तो हम चाहेंगे कि इस पर जवाब दाखिल हो। क्योंकि हमें यह दिखाना होगा कि संविधान के साथ उसकी स्थापना से ही किस तरह खिलवाड़ किया गया...। सीजेआई गवई ने मेहता से कहा कि हम अलग-अलग मामलों पर गौर नहीं कर रहे हैं, चाहे वह आंध्र प्रदेश हो, तेलंगाना हो या कर्नाटक, लेकिन हम केवल संविधान के प्रावधानों की व्याख्या करेंगे। और कुछ नहीं।

सिंघवी ने राष्ट्रपति संदर्भ पर सुनवाई के छठे दिन अपनी दलीलें पुनः शुरू कीं और संक्षेप में बताया कि विधेयकों के विफल होने का क्या अर्थ है।

शीर्ष अदालत ने राज्यपाल की शक्तियों को लेकर उठाए हैं कई सवाल

अनुच्छेद 200 राज्य विधानमंडल द्वारा पारित विधेयकों के संबंध में राज्यपाल को शक्तियां प्रदान करता है, जिसके तहत वह विधेयक पर अपनी सहमति दे सकते हैं, अपनी सहमति रोक सकते हैं, विधेयक को पुनर्विचार के लिए लौटा सकते हैं या विधेयक को राष्ट्रपति के विचारार्थ सुरक्षित रख सकते हैं। अनुच्छेद 200 के एक प्रावधान में कहा गया है कि राज्यपाल, विधेयक को स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किए जाने के बाद यथाशीघ्र, विधेयक को, यदि वह धन विधेयक नहीं है, सदन में पुनर्विचार के लिए लौटा सकते हैं और विधानसभा द्वारा पुनर्विचार करने तथा उसे वापस भेजने के बाद वह अपनी सहमति नहीं रोकेंगे। शीर्ष अदालत ने 26 अगस्त को कहा था कि यदि राज्यपाल विधेयकों को मंजूरी देने में अनिश्चितकाल तक देरी करते हैं तो क्या अदालत को शक्तिहीन होकर बैठना चाहिए और क्या संवैधानिक पदाधिकारी की विधेयक को रोकने की स्वतंत्र शक्ति का अर्थ यह होगा कि धन विधेयक को भी रोका जा सकता है।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 3 सितंबर 2025

शाहजहांपुर

न्यूज ब्रीफ

बेगमपुरा एक्सप्रेस नौ घंटे देरी से आई

शाहजहांपुर, अमृत विचार : कानपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस को 30 सितंबर तक के लिए निरस्त कर दिया गया है। ट्रेन के रद्द होने से यात्री अपना रिजर्वेशन टिकट काउंटर पर वापस कर रहे है। डाउन व अप लाइन की सियालदहा एक्सप्रेस मंगलवार को रद्द रही है। इधर डाउन लाइन की बेगमपुरा एक्सप्रेस नौ घंटे विलंब से आई।

टैंपो में व्यक्ति के 70 हजार रुपये चुराए

निगोही, अमृत विचार : मीरानपुर कटरा थाना क्षेत्र के गांव फतेपुर निवासी श्रीपाल ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया वह पतराजपुर गांव में लगने वाली नखाशा की बाजार में भैंस बेचने के लिए गया था। उसने भैंस को बेचकर 70 हजार रुपये जेब में रख लिए। वह टेंपो से निगोही से कटरा लौट रहा था। हमजापुर गांव के सामने उसे जेब में देखा कि रुपये गायब है। चालक के अलावा तीन लोग सवार थे। उसने टेंपो में सवार लोगों से पूछताछ की तो गाली देने लगे। प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है।

3 माह बाद भी नकबजनी का नहीं हुआ खुलासा

पुवायां, अमृत विचार : घर में नकब लगाकर चोरी किए जाने के मामले में तीन माह बाद भी पुलिस खुलासा नहीं कर पाई। पीड़ित परिवार ने मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर खुलासा किए जाने की मांग की है। गांव बेला छेदा निवासी प्रदीप कुमार मिश्रा ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में बताया उनके घर में 27 मई को चोरों ने दीवार में नकब लगाकर चोरी की थी। उन्होंने चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़ित ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज होने को तीन माह से अधिक का समय हो गया है लेकिन अब तक पुलिस ने चोरों का सुराग लगाना जरूरी नहीं समझा। पीड़ित ने शिकायत करते हुए उनके घर में हुई घटना का खुलासा कराए जाने की मांग की है।

फंदे से लटका मिला वृद्ध का शव

कलान, अमृत विचार : नगर पंचायत के मोहल्ला ब्रह्मदेव नगर (भर्राभई) निवासी अप्पो (60) पत्नी स्वर्गीय लाला ने सोमवार रात दुपट्टे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मंगलवार सुबह उसका शव फंदे से लटका मिला। लोगों ने पीआरवी पुलिस 112 को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने घटना की जानकारी ली। ग्रामीणों के मुताबिक वृद्धा नगर में भीख मांग कर गुजर बसर करती थी। उसके पति की 10 साल पहले एक सड़क दुर्घटना में मौत हो चुकी है।

एसएस कॉलेज के यूनीवर्सिटी बनने से खुलेंगे उच्च शिक्षा के द्वार

जिले के युवाओं के लिए पैदा होंगे शोध के नए अवसर ,रोजगार और क्षेत्रीय विकास को मिलेगा बढ़ावा , छात्रों को नहीं जाना होगा बाहर

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश सरकार ने शाहजहांपुर के लिए ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज को राज्य विश्वविद्यालय बनाने की मंजूरी दे दी। कैबिनेट की हरी झंडी मिलने के बाद अब यह कॉलेज स्वामी शुकदेवानंद विश्वविद्यालय के रूप में जाना जाएगा। इस फैसले से न सिर्फ जिले बल्कि आसपास के क्षेत्रों के हजारों विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा।

विश्वविद्यालय बनने के बाद यहां पर स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के साथ-साथ शोध व प्रोफेशनल कोर्स बड़े स्तर पर शुरू किए जाएंगे। इससे छात्रों को इंजीनियरिंग, प्रबंधन, विज्ञान, वाणिज्य और मानविकी विषयों में उच्च शिक्षा शाहजहांपुर में मिलेगी। अब छात्रों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के लिए लखनऊ, कानपुर, दिल्ली या अन्य बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

विश्वविद्यालय के रूप में उच्च शिक्षा संस्थानों की संख्या बढ़ने से शिक्षकों, शोधार्थियों और कर्मचारियों के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। यहां रिसर्च लैब, पुस्तकालय और डिजिटल संसाधनों का विस्तार होगा, जिससे छात्रों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के अवसर मिलेंगे। विवि बनने से जिले में शैक्षिक माहौल के साथ-साथ आर्थिक गतिविधियों में भी इजाफा होगा। बाहर से आने वाले छात्रों और स्टाफ के कारण शहर की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी। शाहजहांपुर को शिक्षा का हब बनाने की दिशा में यह कदम मील का पत्थर साबित होगा। एक राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना से न केवल शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ेगी बल्कि जिले के युवाओं को अपने ही क्षेत्र में ही उन्नति का अवसर मिलेगा। इससे पलायन रुकेगा और स्थानीय प्रतिभाएं यहीं से विकसित होकर देश-विदेश में नाम रोशन करेंगी। कालेज प्रबंधन और शिक्षकों का कहना है कि यह फैसला शाहजहांपुर के लिए ऐतिहासिक है। इससे जिले के छात्रों का भविष्य संवरने के साथ ही जनपद की पहचान शिक्षा के क्षेत्र में एक नए मुकाम पर पहुंचेगी।

बरेली की दौड़ से मिलेगी मुक्ति: स्वामी शुकदेवानंद राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा बदलाव आएगा। अब तक जिले के सभी विद्यालय बरेली स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय से संबद्ध थे। ऐसे में डिग्री में विषय परिवर्तन, त्रुटि सुधार अथवा अन्य कार्यों के लिए छात्रों और शिक्षकों को बरेली बार-बार जाना पड़ता था। विश्वविद्यालय बनने से यह समस्या समाप्त हो जाएगी। इसके अलावा उच्च शिक्षा और शोध के लिए छात्रों को दूसरे जिलों के विश्वविद्यालयों पर निर्भर रहना पड़ता था। राजकीय विश्वविद्यालयों में सीमित सीटें होने के कारण अनेक छात्र-छात्राओं को निजी विश्वविद्यालयों में ऊंची फीस देकर प्रवेश लेना पड़ता था। जिले में राजकीय विश्वविद्यालय खुलने से युवाओं को न केवल सस्ते और गुणवत्तापूर्ण संस्थान का विकल्प मिलेगा, बल्कि शिक्षकों द्वारा किए गए शोध कार्य भी अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच सकेंगे। वहीं स्वामी शुकदेवानंद महाविद्यालय में अध्ययन कर रहे प्रदीप, शशीकांत और दीपक सिंह ने बताया अब शाहजहांपुर में विश्वविद्यालय बनने से छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए बड़े शहरों की भागदौड़ नहीं करनी पड़ेगी, उन्हें घर के करीब मौका मिलेगा।

विश्वविद्यालय की मंजूरी मिलने पर खुशी जाहिर करते स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज के शिक्षक व कर्मचारी। ● अमृत विचार

एसएस कॉलेज गेट पर विवि बनने की खुशी मनाती छात्राएं। ● अमृत विचार

स्वामी शुकदेवानंद विश्वविद्यालय बनने की खुशी में बंटी मिठाई

शाहजहांपुर, अमृत विचार : कैबिनेट बैठक में शाहजहांपुर के लिए ऐतिहासिक निर्णय में स्वामी शुकदेवानंद विश्वविद्यालय की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इस प्रस्ताव के अंतर्गत मुमुक्षु आश्रम ट्रस्ट की चार शिक्षण संस्थाओं को उच्चीकृत करते हुए राज्य विश्वविद्यालय में परिवर्तित किया जाएगा। इसकी खबर मिलते ही स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज सहित मुमुक्षु शिक्षा संकुल की सभी शिक्षण संस्थाओं में खुशी की लहर दौड़ गई। शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारी उल्लास से भर उठे। कॉलेज के सचिव डॉ. अवनीश मिश्रा ने कहा शासन का यह कदम शाहजहांपुर के युवाओं के लिए शिक्षा और विकास के नए द्वार खोलेगा। वहीं प्राचार्य प्रो. आरके आजाद ने कहा कि यह उपलब्धि मुमुक्षु शिक्षा संकुल के मुख्य अधिष्ठाता स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती जी के अथक प्रयासों और समर्पण का परिणाम है। उपप्राचार्य प्रो. अनुराग अग्रवाल ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि जनपद शाहजहांपुर में उच्च शिक्षा को लेकर लिया गया यह निर्णय अपने आप में ऐतिहासिक कदम है। इस अवसर पर प्रो. प्रभात शुक्ला, प्रो. मीना शर्मा, प्रो. अजीत सिंह चारग, प्रो. आलोक मिश्रा, प्रो. आदित्य कुमार सिंह, डॉ. आलोक सिंह, डॉ. शालीन कुमार सिंह, डॉ. नीलू कुमार, डॉ. कमलेश गौतम, डॉ. जयशंकर ओझा, डॉ. शिशिर शुक्ला, डॉ. आदर्श पांडेय, डॉ. अरुण कुमार यादव, डॉ. प्रमोद यादव, डॉ. संदीप अवस्थी, चंद्रभान त्रिपाठी, डॉ. मनोज अग्रवाल, अवनीश चौहान, राहुल तिवारी सहित कॉलेज का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

इतिहास के आईने में मुमुक्षु शिक्षा संकुल

शाहजहांपुर का मुमुक्षु शिक्षा संकुल 85 साल से जिले के शैक्षणिक उत्थान का आधार स्तंभ है। इसकी नींव वर्ष 1941 में पूज्य स्वामी शुकदेवानंद महाराज ने रखी थी। उन्होंने अपने गुरु स्वामी एकरसानंद के साथ शाहजहांपुर आकर एक बाग को तपोभूमि बनाया, जो आगे चलकर शिक्षा और संस्कृति का केंद्र बन गया। 1942 में स्वामीजी ने वेद-उपनिषदों और भारतीय दर्शन के अध्ययन के लिए इस महाविद्यालय की स्थापना की। यह सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी से संबद्ध है। 8 मार्च 1964 को उच्च शिक्षा के प्रसार के उद्देश्य से कॉलेज की स्थापना हुई। यहां विज्ञान, कला, वाणिज्य, चित्रकला, संगीत, शिक्षा शास्त्र और परास्नातक तक की पढ़ाई होती है। कॉलेज में इंडोर स्टेडियम, सभागार, प्रयोगशालाएं और 7000 से अधिक छात्र-छात्राएं हैं। 25 फरवरी 2003 को स्वामी चिन्मयानंद जी की प्रेरणा से लॉ कॉलेज शुरू हुआ। यहां त्रिवर्षीय, पंचवर्षीय और एलएलएम की पढ़ाई होती है। कॉलेज को एनएएसी से बी प्लस ग्रेड मिला है।

स्वामी धर्मानंद सरस्वती इंटर कॉलेज

1942 में शुरू हुआ यह संस्थान आज आधुनिक भवन और खेलकूद सुविधाओं से सुसज्जित है। यहां हजार से अधिक छात्र पढ़ते हैं। 1989 में स्थापित यह अंग्रेजी माध्यम स्कूल आज 1500 से अधिक विद्यार्थियों और 100 शिक्षकों के साथ आधुनिक शिक्षा का केंद्र है। यहां विज्ञान, कला, वाणिज्य, कंप्यूटर साइंस और बायोटेक्नोलॉजी तक की पढ़ाई होती है। 1942 में स्थापित आश्रम 50 एकड़ भूमि पर फैला है। यहां मंदिरों के साथ ही कई शिक्षण संस्थान संचालित होते हैं। आश्रम में राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद, सर्वपल्ली राधाकृष्णन, लालकृष्ण आडवाणी, डॉ. मुरली मनोहर जोशी सहित अनेक महान विभूतियां आ चुकी हैं। वर्तमान में इसके अधिष्ठाता पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती जी हैं।

अप्रैल में मुख्यमंत्री ने दिए थे सभी अड़चनों को दूर करने के निर्देश

शाहजहांपुर, अमृत विचार : यूं तो एसएस कॉलेज को विश्वविद्यालय बनाने की प्रक्रिया काफी समय से चल रही थी, लेकिन अप्रैल माह में यह लग गया था कि अब जल्द ही विवि की सौगात जिले को मिल जाएगी। क्योंकि उस समय मुमुक्ष आश्रम के मुख्य अधिष्ठाता स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती सीएम योगी आदित्यनाथ से मिले थे। उस दौरान सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि एसएस कॉलेज के विवि बनने की राह में जो भी रुकावटें आ रही हैं उन्हें जल्द दूर करते हुए प्रकरण को कैबिनेट की बैठक में रखा जाए। अब जिलेवासियों के लंबे इंतजार के बाद स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज को राज्य विश्वविद्यालय बनाने का रास्ता साफ हो गया है। मंगलवार को कैबिनेट की बैठक में स्वामी शुकदेवानंद राज्य विश्वविद्यालय को मंजूरी दे दी गई। यह फैसला जिले के शैक्षिक विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

- **स्वामी चिन्मयानंद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की थी वार्ता**

मुख्यमंत्री से मिलकर प्रतीक चिह्न भेंट करते स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती (फाइल फोटो)।

स्थानीय शिक्षाविदों की राय

विवि को स्वामी शुकदेवानंद विश्वविद्यालय कहा जाएगा। इससे तमाम नए कॉलेज जुड़ेंगे और जिले में शिक्षा का विकास होगा।

-डॉ. शिशिर शुक्ल, शिक्षाविद् व मीडिया प्रभारी एसएस कॉलेज

यह जिले की शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण फैसला है। इससे छात्रों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के लिए बरेली व अन्य बड़े शहरों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। **-डॉ. विकास खुराना,** एचओडी इतिहास विभाग, एसएस कॉलेज।

उच्च शिक्षा के लिए पलायन करने वाले छात्र-छात्राओं को अब स्थानीय स्तर पर ही बेहतर अवसर मिलेंगे जिससे आर्थिक बोझ भी घटेगा।

-प्रो. प्रभात शुक्ला, वरिष्ठ शिक्षाविद

इस फैसले से न केवल शिक्षा का स्तर ऊंचा होगा बल्कि महिलाओं की शिक्षा में भी तेजी आएगी क्योंकि अब जिले की छात्राओं को बाहर जाने की मजबूरी नहीं होगी। **-डॉ. मीना शर्मा,** प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग

शाहजहांपुर में विश्वविद्यालय बनने से यहां रिसर्च को नई दिशा मिलेगी और युवाओं को अपने ही जिले में शोध कार्य करने का मौका मिलेगा।

-प्रो. अनुराग अग्रवाल, उपप्राचार्य

राज्य विश्वविद्यालय का दर्जा मिलने से शाहजहांपुर शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी जिलों में शामिल होगा। यह छात्रों के लिए दूरगामी लाभ देने वाला निर्णय है। **-प्रो. आरके आजाद,** प्राचार्य स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज

विवि का दर्जा मिलने पर ददरौल विधायक ने जताया आभार

अरविंद सिंह।

शाहजहांपुर, अमृत विचार : स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज को विवि का दर्जा मिलने पर ददरौल विधायक अरविंद कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री और प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह शाहजहांपुर के शिक्षा जगत की ऐतिहासिक उपलब्धि है। विधायक ने बताया कि उनके बाबा, पिता स्व. मानवेन्द्र सिंह और स्वयं उन्होंने इसी संस्थान से शिक्षा ग्रहण की है। स्मृति शेष मानवेन्द्र सिंह यहां छात्रसंघ अध्यक्ष और प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष रहे। उन्होंने कहा कि स्वामी चिन्मयानंद ने इस महाविद्यालय को विश्वविद्यालय बनाने का सपना देखा था, जो अब पूरा हो गया है। उन्होंने कहा कि महानगर का दर्जा मिलने और विकास प्राधिकरण बनने के बाद अब विश्वविद्यालय की स्थापना से शाहजहांपुर शिक्षा और विकास दोनों में नई ऊंचाइयां छुएगा।

केंद्र पर बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज हो:डीएम

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : डीएम धर्मेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा पीईटी 2025 को सकुशल संपन्न करने के संबंध में जोनल, सेक्टर, स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं केंद्र व्यवस्थापकों के साथ बैठक कलेक्ट्रेट में हुई। जिले में 21 केंद्रों पर 6 और 7 सितंबर को परीक्षा दो पालियों में कराई जाएगी। प्रथम पाली सुबह 10 से 12 बजे तक और द्वितीय पाली 3 से 5बजे तक चलेगी। प्रत्येक पाली में 9504 परीक्षार्थी और कुल 38016 परीक्षार्थी शामिल होंगे।

डीएम ने निर्देश दिए कि केंद्रों पर परीक्षार्थियों सहित सभी की बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज की जाए। लड़कियों की तलाशी के लिए अलग से व्यवस्था की जाए। केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे, विद्युत आपूर्ति के लिए अतिरिक्त वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। जनपद में आने वाले परीक्षार्थियों की सुविधा को रेलवे स्टेशन एवं रोडवेज बस अड्डे पर जानकारी के लिए हेल्प डेस्क बनाई जाए और पुलिस भ्रमणशील रहे। शेल्टर होम को तैयार करा लिया जाए। डीएम ने कहा कि प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा की सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं सभी ड्यूटी में लगे अधिकारी कर्मचारी समय से पहुंचे। परीक्षा को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना है। नगर आयुक्त डा. विपिन कुमार मिश्र, एसपी सिटी देवेंद्र कुमार, एडीएम प्रशासन रजनीश कुमार मिश्र, एडीएम वित्त अरविंद कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट प्रवेन्द्र कुमार, डीआईओएस हरिवंश कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

- **डीएम की अध्यक्षता में प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा पीईटी के संबंध बैठक संपन्न**

पीईटी की तैयारियों को लेकर बैठक करते डीएम डीएम धर्मेन्द्र प्रताप सिंह। ● अमृत विचार

जुलूस के दौरान लोगों को कोई असुविधा नहीं हो

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: बराबफात जुलूस की तैयारियों को लेकर डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने नगर आयुक्त डॉ.बिपिन कुमार मिश्रा, एडीएम प्रशासन रजनीश कुमार मिश्रा, एडीएम वित्त अरविंद कुमार तथा सिटी मजिस्ट्रेट प्रवेंद्र कुमार के साथ जुलूस मार्ग का निरीक्षण किया। डीएम रेलवे स्टेशन के पास स्थित नूरी मस्जिद पहुंचे, जहां उन्होंने जुलूस की तैयारियों के संबंध में अनीस अत्तारी से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने एमंज़ई जलालनगर से बजरिया होते हुए जुलूस रूट का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

डीएम ने साफ-सफाई की स्थिति, सड़कों पर बने गड्ढों और मार्ग के ऊपर लटक रहे विद्युत तारों को देखा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विद्युत तारों को तत्काल दुरुस्त कराया जाए, मार्ग पर बने गड्ढों को समय से भरवाकर सड़क को सुगम बनाया जाए तथा संपूर्ण रूट पर साफ-सफाई का बेहतर प्रबंध सुनिश्चित किया जाए। जुलूस के दिन प्रकाश व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और शांति व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि जुलूस के दौरान आम नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। प्रशासन की ओर से सभी तैयारियां गंभीरता और तत्परता के साथ की जा रही हैं, जिससे बराबफात का जुलूस शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सकुशल संपन्न हो सके।

- **बराबफात जुलूस के दिन प्रकाश और सफाई कराने के निर्देश**

पारंपरिक खेती तक सीमित न रहें किसान

कार्यालय संवाददाता,शाहजहांपुर

अमृत विचार: कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर (आत्मा) योजना का शासी परिषद (गवर्निंग बोर्ड) एवं जनपदीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन क्रियान्वयन समिति बैठक की गई। बैठक में कृषि विभाग की योजनाओं की प्रगति और आगामी लक्ष्यों की समीक्षा की गई।

सचिव आत्मा और डीडी कृषि पुरुषोत्तम कुमार मिश्र ने आत्मा योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन, त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम, यूपी मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम, नेशनल मिशन ऑन एडिबिल ऑयल, कृषि यंत्रीकरण, प्राकृतिक खेती, परम्परागत कृषि विकास योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं डिजिटल क्रॉप सर्वे जैसी योजनाओं की उपलब्धियां और भविष्य की कार्ययोजना प्रस्तुत की। डीएम ने कहा कि किसानों को केवल पारंपरिक खेती तक सीमित न रखकर व्यावसायिक खेती की ओर बढ़ाना होगा। इससे उनकी आय बढ़ेगी और कृषि अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।

उन्होंने कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन, उद्यानिकी और उद्योग विभागों के बीच बेहतर समन्वय पर बल दिया। किसानों को आधुनिक तकनीक पर आधारित प्रशिक्षण, फील्ड विजिट और नवाचारों के लिए प्रेरित किया जाए, ताकि उत्पादन में गुणात्मक सुधार हो सके। उन्होंने कहा कि बाजार की मांग को ध्यान में रखकर योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें और किसानों को वैज्ञानिक खेती अपनाने के लिए जागरूक करें। बैठक में सचिव आत्मा डीडी कृषि, जिला कृषि अधिकारी, गन्ना अधिकारी, उद्यान अधिकारी, डीडीएम नाबार्ड, अग्रणी बैंक प्रबंधक, प्रगतिशील कृषक समेत कई एनजीओ प्रतिनिधि मौजूद रहे।

- **समन्वित प्रयासों से किसानों को मिले तकनीकी मार्गदर्शन और बाजार की सुविधा**

बैठक में अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह। ● अमृत विचार

टीम विश्वकर्मा शाहजहांपुर एप से सेवा लेने पर मिलेगा ईनाम

कार्यालय संवाददाता,शाहजहांपुर

अमृत विचार: जिला प्रशासन की ओर से आम नागरिकों को सुगम सेवाएं उपलब्ध कराने और प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित कारीगरों को रोजगार दिलाने के उद्देश्य से टीम विश्वकर्मा शाहजहांपुर मोबाइल एप तैयार किया गया है। जिसे गूगल प्ले-स्टोर से निःशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है।

इस एप से नागरिक अपनी आवश्यकता के अनुसार विभिन्न ट्रेड जैसे-नाई, बढ़ई, ब्यूटिशियन, कुम्हार आदि कारीगरों की सेवाएं हायर मी विकल्प के जरिए ले सकते हैं। सेवा मिलने के बाद नागरिक को कार्य कराते समय का जीपीएस युक्त फोटो व्हॉट्सएप नंबर 9452529053 पर भेजना अनिवार्य है। डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने नागरिकों को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार योजना शुरू की है। लॉटरी प्रणाली के आधार पर चयनित विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रथम पुरस्कार रेफ्रिजरेटर, द्वितीय वॉशिंग मशीन, तृतीय मिक्सर मशीन, चतुर्थ इंडक्शन और पंचम पुरस्कार प्रेस रहेगा। योजना में वही नागरिक भाग ले सकते हैं, जिन्होंने 15 नवंबर 2025 तक एप पर पंजीकृत कारीगरों से सेवाएं प्राप्त की हो और भुगतान किया हो। न्यूनतम आयु 18 वर्ष निर्धारित की गई है। एक से अधिक ट्रेड से सेवा लेने पर अलग-अलग पुरस्कार को पात्रता रहेगी, लेकिन एक ही ट्रेड से बार-बार सेवा लेने पर केवल एक ही बार मान्य होगा।

- **लाटरी प्रणाली से होगा चयन, पांच स्तर के पुरस्कार निर्धारित**

शिक्षकों को भी मिले कैशलेस इलाज

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: टीचर्स सेल्फ केयर टीम (टीएससीटी) उत्तर प्रदेश ने शिक्षक दिवस के मौके पर बड़ा कदम उठाते हुए मांग की है कि बेसिक शिक्षा परिषद के अंतर्गत कार्यरत शिक्षकों, शिक्षामित्रों व अनुदेशकों को भी राज्यकर्मियों की तरह निःशुल्क कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। संगठन ने महानिदेशक स्कूल शिक्षा व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को पत्र भेजकर इस व्यवस्था को तत्काल लागू करने की अपील की है।

प्रदेश अध्यक्ष विवेकानंद और जिला अध्यक्ष सतीश सिंह ने कहा वर्तमान सरकार व शिक्षा विभाग ने विद्यालयों में कायाकल्प से लेकर डीबीटी और अन्य शैक्षणिक सुधारों में सराहनीय कार्य किए हैं। लेकिन स्वास्थ्य सुरक्षा के मामले में शिक्षक अब भी उपेक्षित हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मचारी, पेंशनर और 60 वर्ष से ऊपर के नागरिक आयुष्मान योजना का लाभ पा रहे हैं, मगर शिक्षक आज भी इस सुविधा से वंचित हैं। जिला मीडिया प्रभारी अनूप वर्णवाल ने बताया शिक्षक महंगे इलाज का खर्च वहन नहीं कर पाते और कई बार गंभीर बीमारियों में फंस जाते हैं। अगर सरकार शिक्षक दिवस पर यह सुविधा घोषित करती है तो यह उनके लिए सच्चा सम्मान होगा। टीएससीटी के प्रदेश उपाध्यक्ष विपुल मिश्रा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुमताज खां, उपाध्यक्ष डॉ. रूपेंद्र, संगठन मंत्री शशांक गुप्ता, प्रवक्ता कौशलेश मिश्रा, संयुक्त मंत्री आशीष यादव सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी मांग का समर्थन किया है।

टीएससीटी के जिला पदाधिकारी बीएसए दिव्या गुप्ता को ज्ञापन सौंपते। ● अमृत विचार

- **टीचर्स सेल्फ केयर टीम ने उठाई मांग,शिक्षक दिवस पर शासन से मांग हुई तेज**
- **शाहजहांपुर शाखा ने महानिदेशक स्कूल शिक्षा और बीएसए को भेजा पत्र**

चिलौआ में कृषि मंडी निर्माण के लिए मांगी रिपोर्ट

अल्हागंज, अमृत विचार: ग्राम पंचायत चिलौआ में कृषि मंडी निर्माण के लिए किसान नेता रामवीर सिंह सोमवंशी के मांग पत्र पर राज्य कृषि उपनिदेशक प्रशासन/ विपणन योगेंद्र कुमार ने डिप्टी डायरेक्टर विश्व बिद्रेश कुमार से रिपोर्ट मांगी है।

भारतीय हलदर किसान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव ने बताया उन्होंने गांव चिलौआ में कृषि मंडी के निर्माण के लिए 28 जुलाई को ज्ञापन सौंपा था। जिसके जवाब में उन्होंने कृषि मंडी डिप्टी डायरेक्टर से इसकी रिपोर्ट मांगी है। इस बारे में कृषि मंडी सचिव जलालाबाद ने बताया डिप्टी डायरेक्टर के निर्देश पर उन्होंने मंडी निर्माण से संबंधित पूरी रिपोर्ट दे दी है। इसके लिए निर्धारित मानकों के लिए कम से कम 100 लाइसेंस धारक ट्रेडर्स के साथ-साथ 2.75 करोड़ टैक्स का कलेक्शन होना आवश्यक है।

नगर निगम की लापरवाही से लोदीपुर की जनता परेशान

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : शाहजहांपुर नगर निगम की लापरवाही से लोदीपुर क्षेत्र के लोगों की समस्याएं लगातार बनी हुई हैं। स्थानीय निवासी शाहनवाज खान ने नगर आयुक्त को कई बार प्रार्थना पत्र देकर समस्याओं के समाधान की मांग की, कार्रवाई न होने से लोगों में आक्रोश है।

निवासियों का कहना है कि 6 अगस्त 2025 को नगर आयुक्त को समस्या से अवगत कराया गया था, लेकिन अब तक पूरा नहीं हुआ। नतीजा यह है कि सड़क पर बरसाती और घरेलू पानी भर जाता है, जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। लोगों का कहना है कि नगर निगम की अनदेखी से क्षेत्रवासी नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। उन्होंने नगर आयुक्त से तत्काल हस्तक्षेप कर समस्याओं का निस्तारण कराने की मांग की है।

- **वर्षों से लंबित समस्याओं पर कार्रवाई न होने से बढ़ा आक्रोश**
- **प्रार्थना पत्र देने के बाद भी मौके का सर्वे करने नहीं पहुंचे नगर निगम अधिकारी**

डाला गया। इस कारण लगातार जलभराव की स्थिति बनी रहती है और खतरा बढ़ा रहता है। इसी प्रकार हथौड़ा (सुभाष चंद्र) चौराहे से लोदीपुर पुल तक 1500 मीटर लंबे नाले का निर्माण कई साल पहले शुरू हुआ था, लेकिन अब तक पूरा नहीं

सिटी ब्रीफ

सीएमओ ने किया सीएचसी का निरीक्षण

जैतीपुर, अमृत विचार : मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विवेक मिश्रा ने मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने भर्ती मरीजों का हालचाल लिया और स्वास्थ्य कर्मियों से बैठक की। सीएमओ ने बरसात में गंदे पानी से बचाव और वायरल बुखार से सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को जागरूक करें और घरों के आसपास पानी जमा न होने दें। निरीक्षण के दौरान नवनिर्मित डीपीएनयू भवन की गुणवत्ता भी परखी गई। साथ ही बहगुल नदी के किनारे जाकर हालात देखे। इस मौके पर बीपीएम राशिद खान, फार्मासिस्ट मंजुल कुमार, प्रियंका गंगवार, एएनएम तनु कुमारी, माधुरी देवी आदि मौजूद रहे।

करंट लगने से युवक की मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : निगोही क्षेत्र में सलीम नामक युवक का शव नहर के किनारे मिला था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया, जिसमें पता चला कि उसकी करंट लगने से मौत हुई है। निगोही थाना क्षेत्र के गांव गनपतपुर निवासी सलीम शनिवार की शाम छह बजे घर से निकला था। वह रात में घर नहीं लौटा तो परिवार वालों ने उनकी तलाश की। उसका पता नहीं चला। अगले दिन सुबह निर्मल सिंह के झाले के निकट नहर के किनारे उसका शव मिला था। उसके कान से खून निकल रहा था। परिवार वालों ने हत्या की आशंका जताई। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

थर्मल पावर के मजदूर की बीमारी से मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : रोजा थाना क्षेत्र के गांव पसिया कनेंग निवासी श्रीराम हरदोई रोड पर थर्मल पावर में काम कर रहे मजदूर की मौत हो गई। वह ठेकेदार के अधीन काम करता था। शनिवार की रात नौ बजे थर्मल पावर में काम करने के लिए गया था। रात में एक बजे वह बेहोशी की हालत में ईको पर तीसरी मंजिल पर मिला। ठेकेदार ने उसे मेडिकल कालेज भेज दिया, जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार वालों ने मौत का कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम कराए जाने की मांग की। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया, जिसमें पता चला कि मजदूर की बीमारी से मौत हुई है। प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

चौपहिया वाहन व 25 लाख से ज्यादा टर्नओवर वालों के कटेंगे राशन कार्ड

आधार कार्ड से जुड़े डाटा ने खोली अपात्रों की पोल, जिलापूर्ति विभाग को भेजी गई सूचियां

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : वर्षों से अपात्रता की श्रेणी में आकर भी सस्ते गल्ले का लाभ उठा रहे कार्डधारकों के दिन अब लदने वाले हैं। शासन स्तर से आधार कार्ड के माध्यम से डाटा मिलान कर अपात्र राशनकार्ड धारकों की पहचान की गई है। इनकी सूची तैयार कर जिला पूर्ति कार्यालय को भेज दी गई है।

विभागीय कर्मचारियों का कहना है कि सूची में ऐसे हजारों लोगों के नाम सामने आए हैं, जिनके पास चौपहिया वाहन हैं, करोड़ों का कारोबार करने वाली फर्में हैं और जिनका वार्षिक टर्नओवर 25 लाख रुपये से अधिक है। कई मृतक कार्डधारकों के नाम भी राशनकार्ड पर चल रहे थे। वहीं कुछ ऐसे लोग भी पकड़ में आए हैं, जिनके आधार कार्ड अन्य राज्यों में भी जुड़े हुए हैं और वे वहां भी सस्ते गल्ले का लाभ उठा रहे थे। अब इन सभी श्रेणियों की अलग-अलग सूची बनाकर जिलापूर्ति अधिकारी (डीएसओ) की ओर से तहसीलदार सप्लाई इंस्पेक्टरों को भेजी गई है। इंस्पेक्टर भौतिक सत्यापन करेंगे और इसके बाद अपात्रों के राशनकार्ड काटने की कार्रवाई शुरू होगी। अधिकारियों का कहना है कि इस प्रक्रिया से वास्तविक पात्रों को लाभ मिलेगा, जो भूमिहीन हैं और मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। सूचियों का कोटेदारों के डाटा से भी मिलान कराया जा रहा है ताकि वर्तमान में जो कार्डधारक सस्ते गल्ले की दुकान से राशन ले रहे हैं, उनकी स्थिति स्पष्ट हो सके। विभाग ने अपात्रता संबंधी सभी अभिलेख सुरक्षित रखने की तैयारी की है, जिससे कार्ड कटने के बाद आपत्ति दर्ज कराने वालों को प्रमाण दिखाया जा सके।

कलेक्ट्रेट स्थित जिला पूर्ति कार्यालय। ● अमृत विचार

दफ्तरों की भीड़ होगी कम

जिलापूर्ति विभाग का मानना है कि एक साथ बड़ी संख्या में अपात्र राशन कार्ड कटने से न केवल पात्र परिवारों को राहत मिलेगी, बल्कि सप्लाई कार्यालयों में भीड़ भी घटेगी। इससे नए पात्र कार्ड बनवाने की प्रक्रिया तेज होगी और लोगों को राहत मिलेगी।

> शासन स्तर से आधार कार्ड के माध्यम से अपात्र राशन कार्ड धारकों की अलग-अलग सूची जिलापूर्ति कार्यालय को भेजी गई है। इसमें चौपहिया वाहन, आयकरदाता, मृतक समेत कई श्रेणियां हैं। इनका सप्लाई इंस्पेक्टर सत्यापन कर कार्ड काटने की कार्रवाई करेंगे, ताकि पात्रों के कार्ड बनाए जा सकें।
>
> – **अनिल कुमार**, एआरओ खाद्य

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार: अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे सवार घायल हो गया उसे मेडिकल कॉलेज लाया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी।

कांट थाना क्षेत्र के गांव जमौर निवासी अखिलेश कुमार (26) सोमवार को किसी काम से कस्बा कांट में बाजार में गया था।

वह शाम 8 बजे बाइक से जलालाबाद से कांट आ रहे थे। जलालाबाद-कांट रोड पर पेट्रोल पंप के सामने अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया। कांट पुलिस ने घायल को मेडिकल कॉलेज भेज दिया। इधर सूचना मिलने पर उसके परिवार वाले मेडिकल कॉलेज पहुंच गए। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अखिलेश मजदूरी करता था और पांच भाइयों में छोटा था। परिवार में रोना पीटना मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी

अवैध ट्रैक्टर ट्रालियों से कराई जा रही माल की ढुलाई

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● परिवहन कर चोरी को मिल रहा बढ़ावा, ट्रांसपोर्टरों ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर जताया विरोध

अमृत विचार: शासन के सख्त निर्देश के बावजूद जिले में बिना व्यवसायिक पंजीकरण वाली ट्रैक्टर-ट्रालियों का व्यवसायिक तरीके से माल ढुलाई में प्रयोग किया जा रहा है, जिससे परिवहन कर चोरी कर सरकारी राजस्व को चूना लगाया जा रहा है।

वहीं परिवहन कर देने वाले ट्रक, डीसीएम आदि वाहनों के स्वामियों को क्षति हो रही है, क्योंकि अवैध तरीके से माल ढुलाई में लगी ट्रैक्टर ट्रालियों को परिवहन कर नहीं देना पड़ता है, जिससे इनका माल भाड़ा भी कम है। पुलिस प्रशासन और परिवहन विभाग के अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं, जिससे परेशान ट्रांसपोर्टरों ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर परिवहन कर चोरी की जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

रोजा रैक प्वाइंट में रेल की ओर से खाद्यान्न, सीमेंट व खाद का आवागमन किया जा रहा है। इसमें लगभग 90 प्रतिशत बिना व्यवसायिक पंजीकरण के ट्रैक्टर-ट्रालियों द्वारा रैक प्वाइंट से खाद्यान्न, सीमेंट व खाद की ढुलाई की जा रही है। यह ट्रैक्टर-ट्रालियां परिवहन का रजिस्ट्रेशन नहीं कराती हैं। इनके पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस व बीमा भी नहीं होता है, जिससे सड़क दुर्घटना के समय यह लोग चुपके से ट्रैक्टर ट्राली लेकर मौके से भाग जाते हैं। इससे दुर्घटनाग्रस्त पीड़ितों को बीमा आदि का लाभ नहीं मिल पाता है। ट्रांसपोर्टर हरिओम शुक्ला ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में कहा है कि परिवहन कर चोरी की जांच कराकर उचित कार्रवाई किए जाने से सरकारी आय में वृद्धि होगी और कानून व्यवस्था में सुधार होगा। पत्र में ट्रांसपोर्टर सुबोध कुमार वर्मा, गोपाल सिंह, खुशीराम वैश्य, राजीव कुमार, छोटेलाल शर्मा, मुकेश गुप्ता आदि के हस्ताक्षर हैं।

शाहजहांपुर के युवक की बरेली में ट्रेन से कटकर मौत

संवाददाता, कैंट

● एक दिन पहले बहन के घर से लापता हुआ था युवक

अमृत विचार : लालफाटक और कैंट स्टेशन के बीच मंगलवार तड़के ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची कैंट पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

शाहजहांपुर के थाना कटरा के बड़े गांव खिरिया निवासी सुखदेव (26) अपनी मां को दवा दिलाने रविवार को बरेली आया था। वह मां के साथ थाना कैंट के चनेहटी स्थित बहन अनीता पत्नी यशपाल के यहां रुका था। सुखपाल सोमवार दोपहर करीब 1 बजे बहन के घर से लापता हो गया। परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। लेकिन कहीं उसका पता नहीं लग सका। मंगलवार सुबह कैंट रेलवे स्टेशन के पास घूमने निकले लोगों ने रेलवे ट्रैक के किनारे खंभा न० 1305/14 के पास डाउन लाइन पर शव पड़ा देखा। शव की शिनाख्त सुखदेव के रूप में हुई। जिसकी सूचना ग्राम प्रधान चनेहटी को दी गई। ग्राम प्रधान की सूचना पर घटनास्थल पर सीओ सिटी प्रथम तथा कैंट पुलिस के साथ फील्ड यूनिट टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने पंचनामे की कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद सुखदेव के परिजन शव को उसके पैतृक गांव ले गए।

सुखपाल पांच भाइयों में चौथे नंबर का था। जिनमें दो बड़े भाई शादीशुदा हैं। एक बड़ी बहन भी शादीशुदा है। सुखपाल मजदूरी करता था। उसके पिता महेंद्र पाल खेती करते हैं।

टीईटी आदेश से देश में प्रभावित होंगे 15 लाख शिक्षक

शाहजहांपुर, अमृत विचार: राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिए गए टीईटी आदेश पर चिंता जताते हुए बैठक की, जिसमें इसके प्रभाव पर चर्चा की गई। अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि हालिया आदेश से देश भर में करीब 15 लाख शिक्षक प्रभावित होंगे। संगठन ने इसे अनुभवी शिक्षकों की गरिमा और आत्मसम्मान पर सीधी चोट बताया है। संगठन ने कहा है कि 20 से 30 वर्षों से निष्ठा और समर्पण के साथ शिक्षा दे रहे शिक्षकों की योग्यता को केवल एक परीक्षा के आधार पर नकारना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि शिक्षा व्यवस्था के लिए भी घातक सिद्ध होगा। संगठन ने आरटीई लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से छूट देने और 15 वर्ष से अधिक सेवा करने वाले शिक्षकों को अनुभव आधारित मान्यता प्रदान करने की मांग की है।

श्रीराम कथा में 10वें दिन सुंदरकांड का प्रसंग सुनाया

सुन्दरकाण्ड कांड का वर्णन करते कथा व्यास। ● अमृत विचार

भाव विभोर होकर स्तुति करते श्रद्धालुजन। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● कथा समापन पर रामलीला मैदान पवनसुत के नारों से गूंज उठा

अमृत विचार: खिरनी बाग स्थित रामलीला मैदान में अखिल भारतीय श्रीराम नाम जागरण मंच के तत्वावधान में चल रही श्रीराम कथा के 10वें दिन कथा व्यास रमेश भाई शुक्ल ने रामायण के सुन्दरकांड का भावपूर्ण वर्णन किया।

कथा का केंद्र रहे पवनपुत्र हनुमान की निष्ठा, भक्ति और पराक्रम ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कथा वाचक ने बताया कि जब हनुमान जी सीता माता का पता लगाने लंका पहुंचे तो इस दौरान उनकी भेंट प्रभु श्री राम के अनन्य भक्त विभीषण से हुई। लंका में प्रभु श्री राम की भक्ति करने वाले से हनुमानजी का मिलन और लंका विध्वंस सहित भूख लगने पर अशोक वाटिका को उजाड़ने की लीला का विस्तृत वर्णन करते हुए हनुमान जी की प्रभु श्री राम के प्रति निष्ठा और माता-पिता की विवशता को सुनकर श्रद्धालु भाव विभोर हो गए।

कथा व्यास पंडित रमेश भाई शुक्ल ने हनुमान जी के द्वारा माता-पिता की एक-एक बात सुनने और अपने प्रभु के समक्ष सचित्र वर्णन करने के प्रति उनकी उदारता और निष्ठा के साथ उनके बल और पौरुष का विस्तृत वर्णन किया। कथा के समापन पर पूरा रामलीला मैदान पवनसुत हनुमान की जय और जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा। श्रद्धालु भावविभोर होकर देर तक प्रभु और हनुमान की स्तुति में लीन रहे। पावन कथा में मुख्य रूप से अखिल भारतीय श्री राम नाम जागरण मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित निर्मल शास्त्री जी मोहन मिश्रा, अवधेश मिश्रा, रजनीश दीक्षित, सत्यप्रकाश मिश्रा, संजय मिश्रा, मनोज मिश्रा, आशीष गुप्ता, अनिल द्विवेदी, योगेश शर्मा, श्रीदत्त शुक्ला, निर्विकल्प द्विवेदी, मुनेश्वर सिंह, दीपक शर्मा, सुरेश सिंघल, हरजीत सिंह, जे पी मिश्रा, दीपक मिश्रा, अनिल बॉथम, अजय गुप्ता शामिल रहे।

पीईटी से पहले पुलिस अधीक्षक ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● 21 केंद्रों पर होंगे 38 हजार परीक्षार्थी, सुरक्षा और व्यवस्था की तैयारियां पूर्ण

● परीक्षार्थियों और अभिभावकों से अनुशासन बनाए रखने की एसपी ने की अपील

अमृत विचार: 6 और 7 सितंबर को जिले में होने वाली उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) को लेकर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा और व्यवस्थाओं की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है।

जनपद में परीक्षा के लिए कुल 21 केंद्र निर्धारित किए गए हैं, जहां लगभग 38,000 परीक्षार्थी शामिल होंगे। पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा प्रबंध, आवागमन व्यवस्था और आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने केंद्र प्रभारियों और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि परीक्षा की निष्पक्षता और शांति बनाए रखने के लिए कड़े इंतजाम किए गए हैं। साथ ही परीक्षार्थियों व उनके अभिभावकों से अपील की गई है कि वे परीक्षा के दौरान अनुशासन बनाए रखें और प्रशासन द्वारा बनाए गए नियमों का पालन करें।

परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी। ● अमृत विचार

मजदूरी करने झारखंड गए युवक की हादसे में मौत

संवाददाता, जैतीपुर

● रात में पानी निकालने गया अरुण संतुलन बिगड़ने से कुएं में गिरा

अमृत विचार: गांव लालपुर बड़ागांव निवासी अरुण कुमार (35) की झारखंड में कुएं में गिरने से मौत हो गई। वह गांव के लोगों के साथ झारखंड के धनबाद जिले में बिजली लाइन फिटिंग का काम करने गया था।

रात में प्यास लगने पर कुएं से पानी निकालने के दौरान कुएं में गिर गया। साथ गए लोगों ने खोजबीन की, लेकिन सुराग नहीं मिला। सुबह कुएं से शव बरामद हुआ। जानकारी पाकर परिजन बेसुध हो गए। चार बच्चों की जिम्मेदारी पत्नी आरती के कंधों पर आ गई।

लालपुर बड़ागांव निवासी मोरपाल के बेटे अरुण कुमार कुछ दिन पहले गांव के लोगों के साथ झारखंड के धनबाद में मजदूरी करने गया था। वहां सभी बिजली लाइन फिटिंग का काम करने लगे। परिजनों ने बताया रविवार रात में किसी समय अरुण प्यास लगने पर कुएं से पानी निकालने गया और संतुलन बिगड़ने पर कुएं में ही गिर गया। साथियों ने तलाश की कोई जानकारी नहीं मिली। सुबह फिर से तलाशने के दौरान कुएं से शव बरामद हुआ। मंगलवार को शव जैसे ही गांव पहुंचा तो परिजनों में चीत्कार मच गई।

पत्नी आरती, बेटी पूनम, शबनम बेटे आलोक, प्रवेश सहित पिता मोरपाल, मां मोरकली सहित भाई बहन का हाल-बेहाल हो गया। गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया।

अधिक से अधिक लोग जन सुनवाई में शामिल होकर उठाएं लाभः नगरायुक्त

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: नगर आयुक्त डॉ. बिपिन कुमार मिश्र की अध्यक्षता में मंगलवार को सम्भव के अन्तर्गत नगर निगम कार्यालय में जन सुनवाई कार्यक्रम हुआ, जिसमें साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल की आपूर्ति, प्रकाश बिन्दु, नाली निर्माण एवं कर विभाग से सम्बन्धित शिकायतें आई। प्राप्त शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि शिकायतों को जनसामान्य की संतुष्टि, समदृष्टि को ध्यान में रखते हुये ससमय निस्तारण कराया जाएं। जनसुनवाई दिवस में तीन शिकायतें प्राप्त हुई, जिनके निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। साथ ही नगर आयुक्त ने अपर नगर आयुक्त एसके सिंह, सहायक नगर आयुक्त राजकुमार गुप्ता, सहयक नगर आयुक्त तरुण प्रताप सिंह, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक जल विजय नारायण मौर्य, मुख्य सफाई एवं खाद्य निरीक्षक हरवंश दीक्षित आदि ने प्रतिभाग किया।

नगर आयुक्त डा .बिपिन कुमार मिश्रा शिकायतें सुनते हुए। ● अमृत विचार

● संभव में आई तीन शिकायतों के निस्तारण के दिए निर्देश

महानगर वासियों से अपील की, कि प्रत्येक मंगलवार को नगर निगम कार्यालय में आयोजित होने वाले जन सुनवाई में पहुंचकर अपनी समस्याओं का समाधान कराएं।

सूदखोर शबाब गिरफ्तार पुलिस ने भेजा जेल

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: सूदखोरों से प्रताड़ित होकर डेयरी संचालक मोहम्मद आलम ने जहर खाकर आत्महत्या करने के प्रयास के मामले में पुलिस ने एक सूदखोर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया जहां से जेल भेज दिया गया। पुलिस अन्य सूदखोरों की तलाश कर रही है।

सूदखोर शबाब।

चौक कोतवाली के मोहल्ला बिजलीपुरा निवासी अजरा बानो ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके पति मोहम्मद आलम को सूदखोर पार्षद प्रदीप सक्सेना निवासी मंडी कोतवाली, मोहम्मद शबाब निवासी निकट दुर्गा टॉकिज कोतवाली, नदीम निवासी बिजलीपुरा कोतवाली, सलीम निवासी बाडीगांव थाना रामचंद्र मिशन सुजा, वेदराम, सुमित्रा निवासी बहादुरगंज थाना सदर बाजार व दो अन्य अज्ञात ने कुछ पैसा उधार दिया था। क्योंकि डेयरी में नुकसान हो गया था। उसके पति ने ब्याज समेत रुपये वापस कर दिए थे। आरोप है कि सूदखोर अधिक ब्याज बताकर उसके पति से पैसा वसूलना चाहते थे। पैसा न देने पर सूदखोर उसके पति को जान से मारने की धमकी दिया करते थे। उसके पति ने सूदखोरों की धमकी से परेशान होकर जहरीला पदार्थ खा लिया था। उसका इलाज चल रहा है। उप निरीक्षक भूपेंद्र कुमार ने सूदखोर शबाब अली को गर्रा पुल के पास से गिरफ्तार करके चालान भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि अन्य सूदखोरों की तलाश की जा रही है।

गर्रा-खन्नौत नदी का जलस्तर बढ़ा, बाढ़ का खतरा

अजीजगंज ककरा पुल गर्रा नदी का जलस्तर। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● बाढ़ नियंत्रण कक्ष रातभर करता रहा जलस्तर बढ़ने की रिपोर्टिंग

● प्रशासनिक अधिकारियों ने भी लिया जायजा, शेल्टर होम सक्रिय

अमृत विचार: पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश से बिगड़े हालतों से मैदानी क्षेत्रों में भी बाढ़ जैसे हालात बनते हुए नजर आने लगे हैं। जनपद की गंगा, रामगंगा, गर्रा व खन्नौत नदी का जलस्तर निरंतर बढ़ने से तटीय क्षेत्रों में बसे लोगों को बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। जिसको लेकर लोग चिंतित नजर आ रहे हैं। गर्रा व खन्नौत नदी जो कि शहर से निकलती है, अगर इसका जलस्तर ज्यादा बढ़ा तो एक बार फिर बाढ़ जैसी स्थिति बन सकती है। लोग मंगलवार को नदियों का जलस्तर देखने पुलों किनारे पहुंचे। वहीं जिला प्रशासन की ओर से भी शेल्टर होम, बाढ़ चौकियों आदि को सक्रिय कर दिया गया है। बाढ़ जैसी स्थिति बनने पर कैसे उससे निपटा जाए, इसको लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई है। लोग सोशल मीडिया के माध्यम से जलस्तर की रिपोर्ट पर नजर बनाएं हुए हैं। डीएम ने आपदा प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों व कार्मिकों को दिशा निर्देश दिए हैं कि सारी तैयारियां पूरी रखी जाए। किसी तरह की कोई दिक्कत नागरिक न हो।

गर्रा उफान पर, बाढ़ को लेकर अलर्ट जारी

शारदा नहर खंड के कन्ट्रोल रुम द्वारा जारी पत्र में बताया गया कि मंगलवार को शाम 4 बजे अजीजगंज पुल पर गर्रा नदी का जलस्तर 147 .250 मीटर एवं लोधीपुर पुल पर खन्नौत नदी का जलस्तर 143 .800 मीटर रिकार्ड किया गया है। जनपद में कठना नदी 8500 क्यूसेक डिस्चार्ज के साथ गर्रा नदी में मिल रही है। बीती 1 सितंबर व 2 सितंबर की मध्य रात्रि 2 बजे दियूनी बैराज से 54120 क्यूसेक पानी गर्रा नदी में पास किया गया है। दियूनी बैराज से गर्रा नदी में 49790 क्यूसेक पानी पास हो रहा है। इस पानी का प्रभाव जनपद में 5 सितंबर तक आने की सम्भावना है, जिससे गर्रा नदी का जलस्तर लगभग एक मीटर और बढ़ सकता है, जोकि खतरे के निशान 148 .800 मीटर से लगभग आधा मीटर नीचे रहने की संभावना है। इसके अतिरिक्त खन्नौत नदी के कैचमेंट एरिया में लगातार वर्षा होने के कारण लोधीपुर पुल पर खन्नौत नदी का जलस्तर लगभग एक मीटर बढ़ने की संभावना है। पत्र के माध्यम से जिला प्रशासन एवं अन्य सम्बंधित विभागों को अलर्ट किया गया है कि गर्रा व खन्नौत नदी में बढ़ते जलस्तर के अनुसार सभी तैयारियों पूर्व में पूरी करें, जिससे कोई अप्रिय घटना न घटित हो सके।

> बाढ़ की आशंका है, नदियों के बढ़ते जलस्तर पर प्रशासन की निगरानी जारी है। बाढ़ शरणालय, बाढ़ चौकियों को सक्रिय कर दिया गया है। तटीय इलाकों में बसे लोगों को सुरक्षित स्थान पर जाने के लिए कहा जा रहा है। आपदा प्रबंधन की ओर से भी तैयारियां की गई है। – **अरविंद कुमार**, एडीएम वित्त

सड़क दुघटनाओं में दो की मौत, एक घायल

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: अलग-अलग स्थानों पर हुई सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक घायल हो गया।

सेहरामऊ दक्षिणी थाना क्षेत्र के गांव कहेलिया निवासी विजेंद्र (45) की रिश्तेदारी हरदोई जिले के शाहाबाद थाना क्षेत्र में है। वह साले राहुल के साथ रिश्तेदारी में दावत खाने के लिए रविवार को गए थे। रात 9 बजे बाइक से शाहाबाद से गांव लौट रहे थे। हरदोई रोड पर एक ढाबे के सामने अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे विजेंद्र गंभीर रुप से घायल हो गया। उसके साले राहुल के मामूली चोट आई है। चालक ट्रक लेकर भाग गया। राहुल बहनोई विजेंद्र को लेकर वाहन से मेडिकल कॉलेज आया। उसने परिवार वालों को सूचना दी। परिवार वाले मेडिकल कॉलेज पहुंचे। सोमवार की रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिवार में उसकी पत्नी रामदेवी और छह बच्चे है। मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इधर कांट थाना क्षेत्र के गांव जौरा वरहा निवासी बड़काई (40) के रिश्तेदार जैतीपुर में है। सोमवार को वह जैतीपुर बाइक से रिश्तेदारी में गया था। वह रात में 9 बजे बाइक से जैतीपुर से कांट लौट रहा था। रास्ते में गैस एजेंसी के सामने अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने घायल को जैतीपुर सीएचसी भेज दिया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर परिवार वाले पहुंच गए। परिवार में रोना पीटना मच गया।

सिटी ब्रीफ

बाजार गई महिला लापता, गुमशुदगी दर्ज

रोजा, अमृत विचार : घर से बाजार गई महिला लापता हो गई, तलाश करने पर भी पता नहीं चला तो परिजनों ने गुमशुदगी दर्ज कराई। रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के मोहल्ला तारीन गाड़ीपुरा निवासी फरमान ने बताया 29 अगस्त को उनकी पत्नी फूलबानो दोपहर 2 बजे दवा लेने के लिए घर से गई थी। इसके बाद वह घर नहीं। उसने रिश्तेदारी में तलाश किया और पता नहीं चला है। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर ली है।

पेरियार ललई सिंह की जयंती मनाई गई

शाहजहांपुर, अमृत विचार : द बुद्धिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया के तत्वाधान में पेरियार ललई सिंह यादव की जयंती शहबाजनगर में मनाई गई। सोसायटी के जिलाध्यक्ष महेश चंद्र गौतम ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सोसायटी के पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष रामसेवक गौतम ने ललई सिंह द्वारा समाज को पाखंडवाद से हटकर जीवन की वास्तविकता से परिचित कराया। शिक्षा के बल पर अपने जीवन को सफल बनाने और स्वाभिमान के साथ जीने का पाठ पढ़ाया। इस अवसर पर प्यारी लाल, जयेंद्र कुमार, योगेश कुमार, जगदीश चंद्र, रामासरे गौतम, सुखपाल सिंह अर्जुन सिंह, कमलेश कुमार, रामऔतार, श्याम बहादुर सिंह, बंशी लाल समेत अन्य रहे।

बच्चों के विवाद में महिला का कान काटा, केस

जलालाबाद, अमृत विचार : गांव रायपुरा में बच्चों के विवाद को लेकर हुए झगड़े में महिला को गंभीर चोट आई। मधु पत्नी सुखवीर ने बताया कि पड़ोसी रामप्यारी व मोरपाल ने मारपीट कर उसे जमीन पर पटक दिया और गर्दन दबोचकर कान का हिस्सा काट लिया। महिला खून से लथपथ हो गई। पुलिस ने मेडिकल परीक्षण के बाद आरोपियों के खिलाफ आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली

युवक पर हमला, तीन लोगों पर रिपोर्ट दर्ज

तिलहर, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला खलील कटरा निवासी रामलखन कुशवाहा ने पुलिस को दी तहरीर में तीन लोगों पर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित का कहना है कि 30 अगस्त को दोस्त के घर से लौटते समय डभौरा निवासी कुर्बान, वसीम व रवि ने रटा गांव के पास घेरकर हमला किया। मारपीट में युवक घायल हो गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीनों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रताड़ना से आहत युवती ने की खुदकुशी

बंडा, अमृत विचार : बिराहिमपुर झंझरिया निवासी 22 वर्षीय आकांक्षा शुक्ला ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की मां बेबी शुक्ला ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि उनकी बहू निशा आए दिन आकांक्षा को गालियां देकर अपमानित करती थी। 26 अगस्त को विवाद के बाद आकांक्षा ने कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी। परिजनों ने बताया कि किताबों के बीच से एक सुसाइड नोट मिला जिसमें युवती ने अपनी भाभी की प्रताड़ना को मौत का कारण बताया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर बहू निशा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मूसलाधार बारिश से किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें

धान की फसल समेत अन्य फसलों में बीमारियों की भरमार, किसान परेशान

संवाददाता, पुवायां

अमृत विचारः भारी बारिश से फसलों को बड़ा नुकसान होने की आशंका से किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें पड़ गई हैं। धान समेत कई अन्य फसलों में तमाम बीमारियां और फंगस पैर जमा रहा है। जिसे लेकर किसान चिंतित हैं।

धान की पीआर-26 और बांसवती किस्म पकने के लिए खेतों में धूप का इंतजार कर रही है, वहीं इस समय बारिश के चलते सूर्य नहीं निकल रहे है। धूप न मिलने, लगातार बारिश होने और हवाओं के चलते धान की दोनों किस्में खेतों में ही गिरने लगी है साथ ही इनमें हल्दी रोग व महीन कीड़े (भुनका) भी अपने पैर पसार रहे हैं, जिससे फसल का पैदावार प्रभावित होने का खतरा बना हुआ है। मौसम सही नहीं होने से किसान दवाओं का छिड़काव तक नहीं कर पा रहे है। इन सभी समस्याओं के चलते किसानों के माथे पर बल आना लाजमी है, किसान भगवान का आसरा लगाए बैठा है और लगातार धूप निकलने का रास्ता देख रहा है। बता दें कि क्षेत्र में तीन दिन से लगातार बारिश हो रही है। जिसके चलते फसलों को नुकसान हुआ है। मंगलवार शाम तक पुवायां क्षेत्र में बारिश का दौर जारी रहा। क्षेत्र में ज्यादातर रात के समय बारिश होती है। ऐसे में किसान चिंता में दिखाई दिए। कहा कि अब बारिश रुक जाए इसी में भलाई है। वरना फसलों को नुकसान हो सकता है।

धान की बाली में आई सफेदी।

मेरा खेत गोमती के किनारे पर ही है, ऐसे ही बारिश होती रही तो नदी में पानी बढ़ने से फसल बिल्कुल खराब हो जाएगी। -**इकबाल सिंह**, किसान नत्थापुर

इस बार बारिश अधिक हो रही है, जिससे धान में फफूंद लग रही है, दवा का छिड़काव भी नहीं हो पा रहा है। पैदावार कम होने की आशंका है। -**पर्वत सिंह**, किसान बिलसिया दौलतपुर

बारिश के चलते धान की बाली सफेद होती जा रही है, इस बाली में पैदावार शून्य हो जाएगी। जिसके चलते परेशानी उठानी होगी। -**कर्मजीत सिंह**, किसान दलेलापुर

इस बार अधिक पैदावार के चलते किसान को आलू की फसल का बाजिव दाम नहीं मिल सका और धान की फसल भी खराब होती है तो किसान की कमर टूट जाएगी। -**सोनू वाजपेई**, किसान नाहिल

तिरंगा यात्रा को भव्य बनाने में सहयोग करने वालों को किया गया सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः उप्र उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने भारत सरकार की पहल "हर घर तिरंगा" के आह्वान पर 15 अगस्त को हुई भव्य तिरंगा यात्रा बाइक रैली के उपलक्ष्य में मंगलवार को पुलिस लाइन सभागार में सम्मान समारोह आयोजित किया। महानगर अध्यक्ष /संयोजक तिरंगा यात्रा सचिन बाथम के संयोजन में कार्यक्रम हुआ।

जिलाध्यक्ष वेद प्रकाश गुप्ता ने मुख्य अतिथि एसपी राजेश द्विवेदी को पटका पहनाकर स्वागत किया। महानगर अध्यक्ष सचिन बाथम ने विशिष्ट अतिथि नगर आयुक्त डॉ. बिपिन मिश्र को सम्मान पटका माला पहनाया।

प्रान्तीय मंत्री सुरेंद्र सिंह सेठ ने विशिष्ठ अतिथि अपर जिला अधिकारी प्रशासन रजनीश मिश्र को और जिला महामंत्री आकाशदीप गुप्ता ने एसपी ग्रामीण दीक्षा भावरे अरुण को आभार पत्र के साथ सम्मान पटका पहनाकर आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि ने कहा इस संगठन ने जिस प्रकार से भव्य बाइक रैली के रूप में नगरवासियों को 15 अगस्त की जो देशभक्तिमई शाम प्रदान की वो अविस्मरणीय है। अतः मैं शीर्ष नेतृत्व के साथ साथ समस्त टीम का आभार प्रकट करता हूं। साथ ही अगले वर्ष आपसे इससे भी उत्तम श्रेणी के कार्यक्रम की अभिलाषा रखता हूं। मुख्य अतिथि ने रैली के रूट संचालक जिला महामंत्री आकाश दीप गुप्ता एवं रैली प्रभारी महानगर महामंत्री अमित शर्मा को आभार पत्र देकर सम्मानित किया। विशिष्ट अतिथि नगर आयुक्त विपिन मिश्र ने कोर कमेटी सदस्य रेहान मिर्जा एवं इकबाल खान "लकी" को आभार पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान सरताज अली, मुश्ताक़, अक्षय कदम, निगोही रोड इकाई प्रभारी, हनी सिंह, शैंकी चावला, शादान खां, राजीव खन्ना, महेंद्र दुबे, सुहेल, अमित गर्ग, प्रमोद मल्होत्रा, अशरफ, नमन दीप, शब्बन, आसिफ, अजमल, ज्ञान चंद्र समेत अन्य मौजूद रहे।

पुलिस लाइन में पुलिस कर्मियों को सम्मानित करते जिलाध्यक्ष वेद प्रकाश गुप्ता।

स्कूल में बच्चों को बांटे गए पौधे

जेपी पब्लिक स्कूल के बच्चों को पौधे वितरित करते प्रबंधक अनिल गुप्ता। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर।

अमृत विचारः मॉडल ग्राम पंचायत भटपुरा रसूलपुर स्थित जेपी पब्लिक स्कूल के बच्चों को प्रबंधक अनिल गुप्ता ने पौधे बांटे और कहा सभी बच्चे पौधों को ले जाकर अपने घर में या आसपास की जगह में रोपित करेंगे और उसका फोटो स्कूल के नंबर पर भेजेंगे। अनिल गुप्ता ने सभी बच्चों को पेड़ पौधों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी कि हमारे जीवन में पेड़ पौधों का कितना महत्व है। इनके द्वारा दी जा रही आक्सीजन को ही हम लोग प्राण वायु के रूप में प्रयोग करते हैं, इनके बिना तो हमारा जीवन ही नहीं है। उन्होंने बच्चों को बताया कि पौधों से ही हमें आक्सीजन के साथ-साथ छाया, फल, लकड़ी, औषधि आदि बहुत सारे तत्व प्राप्त होते हैं। इस समय बहुत ही उपयुक्त मौसम है। लगातार बारिश हो रही है, जिससे यह पौधे जल्द तैयार होते हैं। कार्यक्रम में लक्ष्मी गुप्ता मंजू, देवीना गुप्ता, निदा नाज, रोली द्विवेदी, माला द्विवेदी, प्रीति, मौजूद रहीं।

गंगा-रामगंगा का बढ़ा जलस्तर, क्षेत्र में फिर संकट

संवाददाता, मिर्जापुर/परौर

अमृत विचारः गंगा नदी का लगातार चढ़ता-उतरता जलस्तर खादर क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ा रहा है। पहाड़ों पर हो रही भारी बारिश और बैराजों से छोड़े गए पानी ने एक महीने से क्षेत्र को बाढ़ग्रस्त बना रखा है।

सैकड़ों हेक्टेयर फसलें डूबकर बर्बाद हो चुकी हैं, वहीं दर्जनों गांवों में घरों में पानी घुस गया है। ग्रामीण खाने-पीने के सामान और ईंधन की समस्या से जूझ रहे हैं। पशुओं के चारे की भी भारी किल्लत है। स्टेट हाईवे और संपर्क मार्गों पर बाढ़ का पानी भरा है, जिससे आवागमन खतरे में है। कई जगह लोग बैलगाड़ियों के सहारे रास्ता पार कर रहे हैं। कुछ दिन पहले चौरा-बसोला मार्ग पर ट्रैक्टर-ट्राली पलटने से बड़ा हादसा होते-होते टल गया। रामगंगा का जलस्तर भी आंशिक रूप से बढ़ने से ग्रामीणों की चिंता और बढ़ गई है। बाढ़ का पानी उतरने के बाद कुण्डरी, जरौली, ककोड़ा और परौर गांवों में लोग खांसी-बुखार से जूझ रहे हैं। लेकिन स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोई भी उपचार उपलब्ध नहीं कराया गया है। नाराज ग्रामीण झोलाछापों पर निर्भर हैं, जो मनमाने ढंग से पैसे वसूल रहे हैं।

● **सैकड़ों हेक्टेयर फसलें बर्बाद घरों में घुसा पानी**

तीन दिन से अंधेरे में डूबे गांव

परौर, अमृत विचार : परौर क्षेत्र के दर्जनों गांवों में रविवार दोपहर से गुल हुई बिजली तीन दिन बीतने के बाद भी नहीं आई। हालत यह है कि कुंडरी आश्रम, गहवरा, दमुलिया, दहिलिया, सोहड़ समेत गांवों में अंधेरा पसरा है और पानी की भारी समस्या खड़ी हो गई है। घरों में लगी टंकियां खाली हो चुकी हैं और इन्वर्टर भी जवाब दे चुके हैं। लोग बूंद-बूंद पानी को तरस रहे हैं। इस बीच बरसाती अंधेरी रातों में ग्रामीण जहरीले कीड़े-मकोड़ों के बीच रहने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली विभाग के कर्मचारी फोन नहीं उठाते। ग्रुप में "लाइन खराब" लिखकर इति श्री कर लेते हैं, लेकिन अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे। संविदा कर्मियों ने बताया कि आकाशीय बिजली गिरने से लाइन के इंसुलेटर टूट गए हैं, मरम्मत जारी है।

गंगा का पानी उतरा लेकिन जलभराव की समस्या जस की तस

जैतीपुर, अमृत विचार : विकासखंड के नौगवा गोविंदपुर गांव में वर्षों से जलभराव की समस्या से ग्रामीण बेहाल हैं। मुख्य मार्ग पर पानी भरा रहने से लोगों का आना-जाना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने बार-बार शिकायतें कीं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी केवल कागजों पर निस्तारण कर देते हैं। पंचायत सचिव ने तीन माह पुरानी रिपोर्ट अपलोड कर दी, वहीं खंड विकास अधिकारी ने बिना जांच के फाइल बंद कर दी। निस्तारण में लिखा गया कि जलभराव दो पक्षों के विवाद के कारण है। ग्रामीणों का सवाल है कि आखिर कब तक वे इसी जलभराव में जीवन यापन करते रहेंगे।

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज का स्वास्थ्य मेला

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● **437 मरीजों ने कराई जांच, 12 मरीजों में मिला मोतियाबिंद, ऑपरेशन होंगे मुफ्त**

● **नि :शुल्क दवा वितरण, ब्लड शुगर व ब्लड प्रेशर जांच समेत कई सुविधाएं दी गईं**

अमृत विचारः वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल, बंथरा की ओर से मंगलवार को जैतीपुर क्षेत्र के ग्राम मरेना में एक निःशुल्क स्वास्थ्य मेला आयोजित किया गया। स्वास्थ्य शिविर में कुल 437 मरीजों का पंजीकरण हुआ। इनमें से 12 मरीजों में मोतियाबिंद की पुष्टि हुई जिनका ऑपरेशन अस्पताल में निःशुल्क किया जाएगा।

शिविर में 59 मरीजों की ब्लड शुगर जांच व 87 मरीजों की ब्लड प्रेशर जांच की गई। साथ ही 395 मरीजों को निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। अस्पताल की ओर से एमआरआई, सीटी स्कैन और अन्य जांचों के लिए छूट कूपन भी दिए गए। पीआरओ अतुल कुमार गंगवार ने लोगों को परिवार स्वास्थ्य कार्ड के फायदे बताए। उन्होंने कहा कि 200 रुपए में मिलने वाला यह कार्ड एक वर्ष के लिए मान्य है। कार्डधारकों को ओपीडी पर्चा निशुल्क, दवाओं व जांचों पर 20 प्रतिशत की छूट, भर्ती फाइल मुफ्त, सामान्य ऑपरेशन पर 25 प्रतिशत छूट और रक्त पर 10 प्रतिशत छूट दी जाएगी। अस्पताल में मरीजों के लिए मुफ्त भर्ती, पलंग, नर्सिंग केयर व चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा भी उपलब्ध है। निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में समाजसेवी ब्रजेश मिश्रा व आशुतोष मिश्रा का विशेष योगदान रहा।

कार्यक्रम में सामान्य रोग, नेत्र रोग, हड्डी रोग, दंत रोग व बाल रोग विभाग के विशेषज्ञ डॉक्टर डॉ. सूरज, डॉ. शुभांगी, डॉ. विपिन खंडेलवाल, डॉ. चिराग कुंडू, डॉ. पूजा भल्ला सहित पैरामेडिकल स्टाफ मौजूद रहा।

नि :शुल्क स्वास्थ्य शिविर में जांच कराते मरीज व दवा वितरण करते चिकित्सक।

खबरें www.amrit vichar.com पर भी पढ़ें

सचिव ने जेल की परखीं व्यवस्थाएं

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः जिला जज एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विष्णु कुमार शर्मा के निर्देशानुसार सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं अपर जिला जज ओम प्रकाश मिश्र-तृतीय द्वारा मंगलवार को जेल का निरीक्षण किया गया।

साफ सफाई की व्यवस्था समुचित पाई। सचिव को जेल में बंदी विनीत, सनोवर ने बताया उसकी जमानत हो चुकी है, उसके पास जमानतदार नहीं है। इस संबंध में सचिव ने जेलर को निर्देशित किया कि बंदी का प्रार्थना पत्र कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में भेजे। जेल में पाकशाला का निरीक्षण करने के दौरान खाने की गुणवत्ता अच्छी पाई। अस्पताल का निरीक्षण किया, जहां बन्दियों से दवा व इलाज के बारे में पूछा गया।

इस दौरान असिस्टेन्ट लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल विवेक शर्मा जिला कारागार जेलर कृष्ण कुमार मुरारी, डिप्टी जेलर अनिल, लिपिक मोहम्मद अफजल आदि मौजूद रहे।

जेल का निरीक्षण करते अधिकारी। ● अमृत विचार

● **एक कैदी ने अधिकारियों से जमानतदार दिलाने की मांग की**

तिलहर में अधिक वाद लंबित होने पर डीएम ने मांगा जवाब

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में राजस्व वादों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में हुई, जिसमें डीएम ने धारा 144 के पांच वर्ष से अधिक लंबित वादों की समीक्षा करते हुए सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि सभी लंबित वादों का इस महीने निस्तारण पूर्ण कर लिया जाए।

तीन से पांच वर्ष के लंबित वादों में नियमित सुनवाई कर जल्द से जल्द निस्तारण करना सुनिश्चित करें। धारा 24 के लंबित वादों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की तीन माह से ऊपर के सभी लंबित वादों को 30 सितंबर तक निस्तारण करना सुनिश्चित किया जाए। तीन महीने से कम वादों में इस माह में पैमाइश का कार्य पूर्ण कर लिया जाए, यह कार्य प्राथमिकता पर कराया जाए। तहसील तिलहर में अधिक वाद लंबित होने पर डीएम ने एसडीएम के स्पष्टीकरण मांग लिया। धारा 38 (2) के एक वर्ष अधिक लंबित मामले नहीं रहना चाहिए। धारा 116 में तीन से पांच वर्ष के लंबित मामलों निस्तारण करते हुए यह सुनिश्चित किया जाए की छह माह से अधिक कोई भी लंबित मामले नहीं रहना चाहिए। डीएम ने तहसीलदार कोर्ट में लंबित धारा 67 के वादों में निस्तार में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने धारा 34 में निर्देश दिए कि अविवादित विरासत 45 दिनों से अधिक लंबित नहीं रहना चाहिए यदि इससे अधिक लंबित मिलने पर संबंधित नायब तहसीलदार को प्रतिकूल प्रविष्टि दी जाएगी। सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि विवादित मामलों में नियमित साप्ताहिक समीक्षा बैठक कर समय से निस्तारण करना सुनिश्चित करें। डीएम ने समस्त उप जिलाधिकारी, तहसीलदार सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि रणनीति बनाकर लंबित वादों का समय से निस्तारण करना सुनिश्चित करें।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने को किया प्रेरित

संवाददाता, शाहजहांपुर

● **10 दिवसीय विशेष जागरूकता कार्यक्रम में किया जागरूक**

अमृत विचारः महिला कल्याण विभाग की ओर से संचालित संकल्प हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन योजना में 10 दिवसीय विशेष जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत मंगलवार को वन स्टाप सेंटर में कार्मिको को विशेष अभियान चलाकर जागरूक किया गया।

जिला मिशन कोऑर्डिनेटर अमृता दीक्षित ने महिलाओं और बालिकाओं में जागरूकता, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास में वृद्धि के लिए विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में नमिता यादव केंद्र प्रशासक, वन स्टाप सेन्टर की ओर से अभियान के प्रमुख उद्देश्य के बारे में बताया गया। निकेत सिंह बाल संरक्षण अधिकारी ने महिला हेल्पलाइन व महिलाओं व बालिकाओं से संबंधित कानून और योजनाओं में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना आदि के बारे में बताया गया। केस वर्कर योगेंद्र प्रताप सिंह द्वारा बाल श्रम, बाल विवाह, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर, घरेलू हिंसा, बाल संरक्षण आदि विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में जिला मिशन कोऑर्डिनेटर अमृता दीक्षित, केंद्र प्रशासक नमिता यादव, बाल संरक्षण अधिकारी निकेत सिंह, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर विनय शर्मा, जेंडर स्पेशलिस्ट रश्मि देवी, काउंसलर प्रतिभा मिश्रा, सुपरवाइजर ज्ञान स्वरुप, सुधीर कुमार, केसवर्कर योगेंद्र प्रताप, शिवम, सामाजिक कार्यकर्ता सुप्रिया अवस्थी, आउटरीच वर्कर अनुभव मिश्रा, अवनीश कुमार, रानी देवी, ऋषिपाल, रंजीत आदि मौजूद रहे।

शोभायात्रा में उमड़े श्रद्धालु

संवाददाता, मिर्जापुर

अमृत विचार : गणेश महोत्सव के समापन के अवसर पर मंगलवार को गणेश विसर्जन से पूर्व गाजे-बाजे और भक्तिमय माहौल में भगवान गणेश की भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

शोभायात्रा में हजारों भक्तजन उमड़े और पूरा नगर गणपति बप्पा मोरिया, अगले बरस तू जल्दी आ के जयघोष से गूंज उठा। सात दिनों से चल रहे गणेश महोत्सव का समापन विशेष पूजा-अर्चना व हवन के साथ हुआ। इसके उपरांत गणेशजी को रथ पर विराजमान कर शोभायात्रा निकाली गई, जो हनुमानगढ़ी, काली मंदिर, दुर्गा मंदिर व हनुमान मंदिर से होते हुए नगर भ्रमण करती रही। भक्तजन अबीर-गुलाल उड़ाते, नृत्य करते और प्रसाद वितरण करते हुए आगे बढ़ते रहे। शोभायात्रा में देव स्वरूपों की झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं।

बप्पा की प्रतिमा की विसर्जित

अल्हागंज, अमृत विचारः गणेश चतुर्थी पर स्थापित गणेश प्रतिमाओं का मंगलवार को धूमधाम के साथ विसर्जन किया गया।

भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीकृष्ण चंद्र मिश्रा, विभाग संघचालक रवि मिश्रा व जिला महामंत्री महेंद्र पाल ने पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इससे पहले भजन-कीर्तन व हवन-पूजन का आयोजन हुआ। विसर्जन जुलूस में महिलाएं, बच्चे और युवा एक-दूसरे पर गुलाल उड़ाए।

कांट चैयरमैन मुनारा बेगम ने ग्रहण किया कार्यभार

● **डीएम के आदेश पर ईओ ने कराया कार्यभार ग्रहण**

शाहजहांपुर, अमृत विचारः नगर पंचायत कांट की चैयरमैन मुनारा बेगम का शासन की ओर से 15 जुलाई 2025 को पावर सीज कर दिया गया था। हाईकोर्ट इलाहाबाद ने 11 अगस्त 2025 को उनका पावर बहाल कर दिया है। मंगलवार को डीएम धर्मेन्द्र प्रताप सिंह के आदेश पर ईओ कांट नूरजहां ने नगर पंचायत कार्यालय पहुंची अध्यक्ष मुनारा बेगम को विधिवत कार्यभार ग्रहण कराया। इस दौरान सभासद मौजूद रहे।

कार्यभार संभालने के बाद अध्यक्ष ने भरोसा जताया कि वह विकास कार्यों में किसी तरह की कोताही नहीं बरतेंगी और पंचायत को विकसित करेगी। एडीएम प्रशासन रजनीश कुमार मिश्रा ने बताया कि हाईकोर्ट द्वारा इनकी पावर बहाल कर दी गई है। जिसके परिप्रेक्ष्य में ईओ द्वारा चैयरमैन को पुनः कार्यभार ग्रहण कया दिया गया है।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन - 8979252222, 9457663289

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

न्यूज ब्रीफ

महिला से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

बदायूं, अमृत विचार : सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र में मानसिक मंदित महिला के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार करके जेल भेजा गया है। एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को एक सितंबर को तहरीर देकर बताया था कि उसकी पत्नी मानसिक मंदित है। पत्नी 29 अगस्त की शाम घर से बर्तन लेकर पानी लेने के लिए गई थी। कोतवाली उझानी क्षेत्र के मोहल्ला कुरैशी नाले की पुलिया निवासी परवेज पुत्र यासीन उसकी पत्नी को बहला फुसलाकर भूसे की कोठरी में ले गया। जहां उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी परवेज के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

दो वारंटियों को दबोचा कोर्ट में किया पेश

बिल्सी, अमृत विचार : वांछित और वारंटियों की गिरफ्तारी अभियान के तहत कोतवाली बिल्सी पुलिस ने मंगलवार को दो वारंटियों को गिरफ्तार करके जेल भेजा है। सीओ गौरव उपाध्याय ने अभियुक्त बन्टी निवासी ग्राम हरगनपुर और गांव बधौल निवासी एक किशोर पर चल रहे विभिन्न मुकदमें की तिथि पर कोर्ट में पेश न होने पर वारंट जारी कर दिया गया। जिन्हे पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है।

बाइक से गिरकर महिला गंभीर रूप से घायल

म्याऊ, अमृत विचार : दातागंज कोतवाली क्षेत्र के गांव भटौली निवासी मोनू अपनी पत्नी रीना बाइक से अपनी ससुराल उसावां क्षेत्र के गांव सिकंदराबाद जा रहे थे। बाइक की गति ज्यादा होने से गांव हड़ौरा के पास रीना बाइक से उछलकर सड़क पर जा गिरीं और घायल हो गईं। घटनास्थल पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। एम्बुलेंस से घायल को म्याऊं के स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद महिला को जिला अस्पताल भेजा गया। जहां रीना का इलाज चल रहा है।

दीवार में नकब लगाकर हजारों की चोरी

बदायूं, अमृत विचार : चोरों ने अलापुर थाना क्षेत्र के गांव सुड़ेमई निवासी महेंद्र राजपूत के घर को निशाना बना लिया। घर के कमरे की दीवार पीछे से काटकर भीतर घुसे। एक लाख रुपये नगदी और महेंद्र राजपूत के बेटे की पत्नी की सोने की चेन, टीका, मंगलसूत्र और अन्य सामान चोरी कर लिया। सुबह होने पर परिवार के लोगों को चोरी की जानकारी हुई। सूचना मिलने पर शिव तांडव सनातन कल्याण संस्था के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल त्रिवेदी मौके पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

हाथ तोड़े फिर गोली मारकर हत्या

उघैती के गांव रघुनाथपुर पिपरी में चारा लेने गया था सुरेश, घात लगाए बैठे थे हमलावर

संवाददाता, उघैती

सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों से की जानकारी। ● अमृत विचार

सुरेश उर्फ नन्नुकी

- चुनावी रंजिश में हमलावरों ने दिया वारदात को अंजाम
- पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज, गांव में तीन थानों की पुलिस तैनात

अमृत विचार : प्रधान पद के चुनाव से चली आ रही रंजिश में उघैती थाना क्षेत्र के गांव रघुनाथपुर पिपरी में एक युवक की हत्या कर दी गई। मंगलवार सुबह खेत पर चारा काटने के दौरान हमलावरों ने युवक पर हमला हाथ तोड़ दिए। इसके बाद पैर में गोली मार दी। इससे युवक घायल हो गया। अस्पताल में इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। मृतक के भाई ने पांच लोगों पर हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। एसपी देहात डॉ. ह्रदेश कठेरिया और सीओ बिल्सी संजीव कुमार ने मौका मुआयना किया। गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है।

गांव में चुनाव से लेकर अब तक कुछ लोगों में रंजिश चल रही है। ग्राम प्रधान के गांव में सीसीटीवी कैमरे लगवाने पर कुछ दिन पहले दूसरे पक्ष ने विरोध किया था और सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिए थे। गांव निवासी सुरेश उर्फ नन्नुकी (47) पुत्र नारायन सिंह ने मंगलवार सुबह गांव के मंदिर पर पूजा की। इसके बाद सुबह लगभग 7 बजे पशुओं के लिए चारा लेने गांव से लगभग 20 मीटर दूर खेत पर गए। गांव के कुछ लोग खेत पर पहुंचे और चारा काटते समय सुरेश को पीटने लगे। सुरेश के दोनों हाथ तोड़ दिए। सूचना मिलने पर सुरेश के भाई शंकर सिंह गांव के अरुण को लेकर खेत पर पहुंचे। यहां वह लोग सुरेश को पीट रहे थे। हमलावरों ने सुरेश के पैर में गोली मारी, जबकि दूसरी गोली पास से निकली।

उसे मरा समझकर हवाई फायर की। जाते समय धमकाया कि अगर उनके खिलाफ कार्रवाई की तो शिकायत करने वाले को भी जान से मार देंगे। ग्रामीणों ने घायल सुरेश का वीडियो बनाया। इसमें उन्होंने पांच लोगों पर मारपीट करने और गोली मारने का आरोप लगाया। शंकर सिंह ने पुलिस को फोन किया। प्रभारी निरीक्षक अवधेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घायल को जिला अस्पताल आया गया। हालत नाजुक होने पर चिकित्सक के रेफर करने पर घायल को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

इनके खिलाफ लगाया हत्या का आरोप : मृतक के भाई ने गांव निवासी सतीश चंद्र उर्फ हप्पू, निखिल व सगुन, महेश चौधरी, रोबिन पर लाठी-डंडे से पीटने और गोली मारकर हत्या करने का आरोप लगाया। कहा कि उनके भाई की हत्या षड्यंत्र रचकर की गई है। जिसमें ग्राम प्रधान ब्रह्मादेवी, सत्यवीर, आर्येंद्र और ब्रजपाल भी शामिल हैं। शंकर सिंह की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी सतीश चंद्र उर्फ हप्पू, निखिल, सगुन, महेश चौधरी, रोबिन, आर्येंद्र और ब्रजपाल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। थाना प्रभारी अवधेश कुमार ने बताया कि परिजन की तहरीर पर सात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेजा जाएगा। गांव में तीन थाने उघैती, बिल्सी, इस्लामनगर की पुलिस तैनात की गई है।

इसी खेत में हमलावरों ने की वारदात।

प्रधान पति समेत चार लोगों पर रिपोर्ट

बदायूं, अमृत विचार : चुनाव के बाद से गांव में दो गुट बन गए थे। एक गुट में वर्तमान प्रधान और दूसरे में राजेंद्र का गुट था। दोनों पक्ष के लोग अक्सर ही आमने-सामने आ जाते थे। पिछले दिनों सीसीटीवी कैमरे तोड़ने के मामले की मुकदमाबाजी के बाद सोमवार को प्रधान पति समेत चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई। इसके अगले दिन युवक की हत्या कर दी गई।

गांव निवासी रामसेवक ने उघैती पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि 28 अगस्त को उन्होंने ग्राम प्रधान ब्रह्मादेवी और उनके पति सतीश चंद्र के खिलाफ शिकायत पत्र दिया था। शाम को साइकिल से वापस गांव लौट रहे थे। शाम लगभग साढ़े 7 बजे खाटू श्याम मंदिर से पहले कार सवार लोगों ने उनकी साइकिल को टक्कर मार दी। रामसेवक साइकिल से सड़क पर गिर गए। कार से आरेंद्र, सतीश, निखिल और कृष्णा बाहर आए और उन्हें घेर लिया। जान से मारने की नीयत से लोहे की रॉड से हमला किया। जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करके लाठी-डंडों से पीटा। किसी ने डायल 112 पुलिस को फोन किया। पुलिस के आने की सूचना पर आरोपी भाग गए। पुलिस मौके पर पहुंची और रामसेवक को थाने ले गई। अस्पताल ले जाकर मेडिकल परीक्षण कराया। उनका हाथ टूट गया था और सिर में भी चोट आई थी। आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान और उनके पति हत्या कराना चाहते हैं। पुलिस ने चारों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

बिजली कटौती जारी हजारों उपभोक्ता परेशान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- बिनावर बिजली घर से दूसरे दिन भी ठप रही सप्लाई

अमृत विचार : बारिश के दौरान गुल हुई बिजली कटौती मंगलवार को तीसरे दिन भी जारी रही। जिससे शहर से लेकर देहात तक में समस्याओं का सामना करना पड़ा। बिजली घरों में पानी भर जाने से सप्लाई ठप रही जिससे सैकड़ों गांवों में अंधेरा छाया रहा।

रविवार को हुई बारिश के दौरान जिले भर की बिजली सप्लाई ठप हो गयी थी। जो सोमवार को भी जारी रही। कुछ क्षेत्रों में देर शाम सप्लाई शुरू कर दी गयी जबकि कुछ बिजली घरों से तीसरे दिन भी सप्लाई ठप रही। इसमें सबसे अधिक समस्या बिनावर बिजली घर पर रहती है। बिनावर बिजली घर में बारिश का पानी भर गया है जिससे तीसरे दिन भी सप्लाई ठप है। सप्लाई ठप होने से करीब 108 गांवों में अंधेरा बना हुआ है। लोग पानी को भी तरस रहे हैं।

करोलिया फीडर से आज सुबह आठ से दस बजे तक बिजली सप्लाई ठप रही जिससे दर्जनों गांवों में पानी का संकट बना रहा। बिजली सप्लाई ठप होने से लोग परेशान रहे। नवादा फीडर से दिन में दो से चार बजे तक सप्लाई ठप रही जिससे शहर के कई मोहल्लों में लोगों को परेशानी हुई। बिजली गुल रहने से पुलिस लाइन, कचहरी रोड, जिला अस्पताल, मझिया रोड, दातागंज चौराहा सहित अन्य मोहल्लों में उपभोक्ताओं को परेशानी हुयी।

> जनपद में बारिश के कारण कुछ बिजली घरों पर तकनीकी समस्या बनी रही, लेकिन मंगलवार को अधिकांश बिजली घरों से सप्लाई दी गई है। कुछ जगहों पर कुछ समय के लिए बिजली ठप रही है। अब पूरे जनपद में सप्लाई सुचारू है। लाइनों में कमियों के चलते अक्सर बिजली सप्लाई बाधित रहती है। बारिश के बाद कहीं से भी शिकायत नहीं मिली है।
>
> – **संजीव कुमार**, अधिशासी अभियंता प्रथम

इस्लामनगर और उघैती क्षेत्र में बिजली कटौती दो दिन से जारी है। उघैती बिजली घर पर भी तकनीकी समस्या के चलते बिजली गुल रही। उधर सहसवान के नाधा क्षेत्र में आज सुबह से दोपहर तक बिजली सप्लाई ठप रही। करीब एक बजे सप्लाई शुरू हुई तो उपभोक्ताओं ने राहत की सांस ली।

टीम के आने से पहले खोला रास्ता

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

कब्जाधारियों ने बंद रास्ते की तोड़ी दीवार। ● अमृत विचार

- ग्रामीणों ने रास्ता बंद करने की डीएम से की थी शिकाय

अमृत विचार: गांव बौंदरी में कुछ लोगों के द्वारा दलित व्यक्ति का रास्ता बंद कर दिया था। उस पर दीवार खड़ी कर दी थी। जिसकी शिकायत पीड़ित ने कांग्रेस जिला अध्यक्ष के साथ डीएम के समक्ष प्रस्तुत होकर की। जिस पर डीएम ने एसडीएम को कार्रवाई किए जाने के आदेश कर दिए। मंगलवार को राजस्व विभाग की टीम के पहुंचने से पूर्व ही कब्जे करने वाले लोगों ने स्वयं ही दीवार तोड़कर रास्ता खोल दिया।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष अजीत यादव ने बताया कि गांव निवासी राजाराम जाटव के रास्ते पर गांव निवासी कुछ लोगों ने कब्जा कर लिया था। उस पर दीवार खड़ी कर दी थी। जिसकी शिकायत उनके द्वारा डीएम से सोमवार को की गई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने एसडीएम सदर को सार्वजनिक रास्ता खुलवाने का निर्देश जारी कर दिए थे। मंगलवार को राजस्व विभाग की टीम के पहुंचने से पूर्व ही उक्त लोगों ने राजाराम जाटव के दरवाजे के समीप लगाई गई दीवार खुद ही तोड़ दी और रास्ता खोल दिया। कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने राजाराम जाटव के घर के दरवाजे तक 15 मीटर खड़ंजा व नाली को दबंगो द्वारा उखाड़ा गया था। उसका निर्माण कराने की मांग प्रशासन से की है।

बारिश में गिरी दीवार, मलबे में दबकर महिला की मौत

संवाददाता, इस्लामनगर

दुलारो देवी।

महिला की मौत पर गमगीन बैठी महिलाएं। ● अमृत विचार

- थाना इस्लामनगर क्षेत्र के गांव नसरोल में मंगलवार सुबह हुआ हादसा, पति घायल

अमृत विचार : पिछले दो दिन से हुई बारिश की वजह से हादसे हो रहे हैं। कच्ची दीवारें और मकान गिर रहे हैं। रविवार को आकाशीय बिजली से किशोर की मौत हुई। सोमवार को बिसौली क्षेत्र में मकान गिरने से महिला की मौत के बाद मंगलवार सुबह इस्लामनगर क्षेत्र के गांव में दीवार गिर गई। बुजुर्ग दंपती मलबा में दब गए। हादसे में महिला की मौत हो गई जबकि उनके पति की हालत गंभीर है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। राजस्व विभाग की टीम ने मौका मुआयना किया।

इस्लामनगर थाना क्षेत्र के गांव नसरोल निवासी किशन लाल (75) के तीन बेटे गांव में मकान में रहते हैं। वह झोपड़ी डालकर अलग रह रहे थे। झोपड़ी की दीवारें गारे की थी जबकि दीवार के ऊपरी हिस्से में सिर्फ ईंटे ही लगी थीं। सोमवार रात वह अपनी पत्नी दुलारो देवी (70) के साथ झोपड़ी में चारपाई डालकर सो रहे थे। मंगलवार सुबह बारिश हो रही थी। इसी दौरान झोपड़ी की दीवार की ईंटें उनके ऊपर गिर गईं। तेज आवाज सुनकर परिजन और ग्रामीण पहुंचे। मलबा हटाया गया। दुलारो देवी की मौके पर ही मौत हो चुकी थी जबकि किशन लाल गंभीर रूप से घायल थे। दोनों को अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने महिला की मौत की पुष्टि कर दी। घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। महिला की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंचे थाना प्रभारी नरेश पाल सिंह ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। तहसील की टीम ने मौका मुआयना किया।

हत्या के प्रयास और बलवा के तीन आरोपी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- जमीन का निरीक्षण करने पहुंची टीम पर गांव दूंदी नगला में हुआ था हमला

अमृत विचार : हजरतपुर थाना क्षेत्र के गांव दूंदी नगला में जमीन का निरीक्षण करने गई राजस्व विभाग की टीम पर हमला करने वाले 52 आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास और बलवा आदि की रिपोर्ट दर्ज करने के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी तेज की गई है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेजा है। अन्य की तलाश की जा रही है।

टीम पर हमला करने के बाद हल्का लेखपाल की तहरीर हमलावरों पर गाली-गलौज करने, ईंटों से सरकारी गाड़ी के शीशे तोड़े, मारपीट, जानलेवा हमला, सरकारी कार्य में बाधा डालने, सरकारी अभिलेख फाड़ने, सड़क पर जाम लगाने आदि आरोप में 17 नामजद समेत 52 आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। पुलिस ने मंगलवार को आरोपी रामसरन, लालाराम पुत्र गंगा सिंह और मनोज पुत्र लालाराम को गांव उल्लहैता नगला से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक मुनेश कुमार के साथ सिपाही कृष्ण कुमार, सनी चौधरी, आरिफ चौधरी व अनुज कुमार रहे।

जेठ पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप

बदायूं, अमृत विचार : उघैती क्षेत्र निवासी एक महिला ने अपने जेठ पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

महिला ने बताया कि शादी के कुछ दिनों के बाद उसकी तबीयत खराब हो गई थी। ससुरालीजनों ने उसे मायके ले जाकर छोड़ दिया था। जिसके दो साल के बाद तक वह महिला को वापस लेने नहीं आए। इसी बीच पति ने दूसरी शादी कर ली। आरोप है कि जेठ ने शादी का झांसा देकर दो साल तक उसे अपने साथ पत्नी की तरह रखा। शादी करने को बोला तो आरोपी जेठ ने मारपीट करके महिला को घर से निकाल दिया।

जिला पूर्ति कार्यालय पर प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अधिकारी को ज्ञापन देते किसान नेता।

अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन असली गैर राजनीति ने भ्रष्टाचार को लेकर जिला पूर्ति कार्यालय पर जिला पूर्ति अधिकारी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। भाकियू नेताओं ने कहा कि राशन वितरण प्रणाली में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार है जिससे राशनकार्ड धारकों का हक छीना जा रहा है। किसानों ने अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

मंगलवार को भाकियू असली गैर राजनीतिक ने जिला पूर्ति कार्यालय पर समस्याओं को लेकर धरना प्रदर्शन किया। धरने की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष केपी एस राठौर ने कहा कि आज राशन वितरण प्रणाली भ्रष्टाचार के दलदल में फंसी हुयी है। सप्लाई इंस्पेक्टर कोटेदारों से तीन से साढ़े तीन हजार रुपए प्रतिमाह वसूलते हैं इसलिए कोटेदार राशन कार्ड धारकों को कम राशन देता है। राशन कार्ड धारकों के अनाज पर डाका डाला जा रहा है।

नगर पंचायत ककराला, सखानू असिस वरखिन, सिकरोड़ी रमजानपुर लबरी कठुलिया जोरी नगला, गंगी नगला, काना नगला एवं शिवाय हामिदपुर आदि गांवों की राशन की दुकानों पर प्रति यूनिट 1 किलो राशन कम और अंत्योदय कार्डों पर 35 किलो की जगह से 30 किलो दिया जाता है, इन सबसे इंस्पेक्टर को मोटी कमाई होती है। जसवीर यादव तहसील अध्यक्ष ने कहा जब तक राशन वितरण वाली मशीन महीने के अंत तक बंद नहीं हो जाती तब तक राशन का वितरण होना चाहिए। सूर्य प्रताप यादव ने कहा कि गोदाम से राशन सीधे कोटेदार तक नहीं पहुंचाया जाता है। बीच में दूसरी गाड़ी में भर कर अनाज कोटेदार तक भेजा जाता है इसमें कोटेदार से मोटा पैसा लिया जाता है। किसानों को खाद की किल्लत है। खाद नहीं मिलने से फसलें बेकार हो रही हैं। उक्त समस्याओं को लेकर किसानों ने प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

बिना अनुमति अभिलेख निकाले, बाबू निलंबित

संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : कार्यालय से बिना अनुमति अभिलेख निकालने के आरोप में डीडीओ म्याऊं ब्लॉक के बाबू को निलंबित कर दिया।

डीडीओ अखिलेश चौबे ने बताया कि कार्यालय में लंबे समय से कार्यरत रहे लिपिक अरविंद कुमार को स्थानांतरण म्याऊं ब्लॉक में किया गया था। स्थानांतरण होने के बाद भी बाबू का विकास भवन में आना जाना बना रहा। तीन अगस्त को रविवार की छुट्टी के दिन लिपिक ने शाम को कार्यालय पहुंचकर उच्चाधिकारियों की अनुमति के बिना शासकीय अभिलेख निकाल लिए। जिसकी जानकारी होने पर बाबू को निलंबित कर दिया गया है। डीडीओ ने अन्य कर्मचारियों को भी चेतावनी दी है कि सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना अभिलेख ले जाने या कार्यालय की गोपनीयता भंग किए जाने का मामला संज्ञान में आता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पेट्रोल पंपों पर उड़ रहीं शासन के आदेश की धज्जियां

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

पेट्रोल पंप पर बिना हेलमेट लगाए फ्यूल लेते दो पहिया वाहन स्वामी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : सड़क सुरक्षा को लेकर शासन की ओर से नो हेलमेट नो फ्यूल के निर्देश दिए हुए हैं। इस नियम का पालन करने के लिए प्रशासन को भी आदेशित किया गया है। लेकिन शासन के नियम की शहर से लेकर देहात क्षेत्र में संचालित पैट्रोल पंपों पर धज्जियां उड़ रही हैं। पंपों पर बिना रोक टोक बिना हेलमेट वाले वाहनों को पेट्रोल दिया जा रहा है। शासन प्रशासन के आदेशों की पैट्रोल पंपों पर हो रही अवहेलना से नो हेलमेट नो फ्यूल अभियान जमीनी हकीकत में बुरी तरह फेल होता दिख रहा है।

शहर के बीचों बीच तीन पेट्रोल पंप संचालित हैं। शहर बाहरी हिस्से में करीब बाधा दर्जन से अधिक पेट्रोल हैं। इन सभी पर अभियान के दूसरे दिन सुबह से लेकर देर शाम तक बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चालकों को पेट्रोल दिया जाता रहा। मंडी समिति स्थिति पेट्रोल पंप पर बिना हेलमेट वाले दो पहिया वाहनों की लाइन लगी थी। वाहनों में पंप स्टाप पेट्रोल दे रहा था। इसी तरह शहर के बीचों बीच स्थिति पेट्रोल पंप पर देखने को मिली। ऐसी ही स्थिति सभी अन्य पेट्रोल पंप पर देखने को मिली। यहां तक कि पेट्रोल पंपों पर जागरूकता का कोई बोर्ड भी नहीं दिखाई दिया। और नहीं किसी प्रकार की चेतावनी दी जा रही थी।

पेट्रोल पंप कर्मचारी बोले- हमें नहीं मिले हैं निर्देश

नो हेलमेट, नो पेट्रोल अभियान शुरू हुए दो दिन हो गए हैं। पेट्रोल पंपों पर बिना हेलमेट धड़ल्ले से पेट्रोल दिया जा रहा है। एक पेट्रोल पंप पर बिना हेलमेट पेट्रोल दे रहे कर्मचारी से अभियान के बारे में पूछा उसने बताया कि हमें कोई आदेश नहीं मिला है। किसी ने नहीं कहा कि बिना हेलमेट पेट्रोल न दें। बोर्ड लगाने की भी कोई जानकारी नहीं है। हम तो रोज की तरह काम कर रहे हैं। किसने कहा कि बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं मिलेगा।

नहीं हो रही निगरानी

शासन के आदेश पर अभियान पर निगरानी रखने के आदेश भी शासन की ओर से प्रशासन और परिवहन विभाग को दिए हुए हैं। अभियान को शुरू हुए दो दिन हो गए। पहले दिन जरूर यातायात प्रभारी द्वारा पेट्रोल पंपों पर पहुंचकर निगरानी की गई। साथ ही प्रचार प्रसार के आदेश पंप संचालकों को दिए। लेकिन दूसरे दिन पेट्रोल पंपों पर प्रशासनिक निगरानी का भी कोई अता-पता नहीं था। न कोई मुआयना टीम, न निर्देशों की जांच हुई। सवाल उठता है कि जब शासन की ओर से इस अभियान इस अभियान को शुरू किया गया है तो इसक निगरानी कौन करेगा।

मोबाइल हैक करके खाते से निकाले 90288 रुपये

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- शिकायत पर बैंक अधिकारियों ने नहीं की कार्रवाई तो पुलिस को दिया शिकायत पत्र

अमृत विचार : कोतवाली बिसौली क्षेत्र नगर निवासी एक युवक के पास व्हाट्सएप आई थी। इसके बाद मोबाइल हैक हो गया और उनके खाते से ऑनलाइन रुपये ट्रांसफर किए गए। पीड़ित ने रात में ही नेट बैंकिंग व 1930 साइबर क्राइम के टोल फ्री नंबर पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ता ने लिखित शिकायत पत्र दिया, लेकिन पुलिस ने अभी तक कार्रवाई नहीं की है।

नगर बिसौली के पिंदारा मार्ग स्थित मोहल्ला रामबाग के वार्ड दो निवासी सोनदीप ने प्रभारी निरीक्षक को तहरीर देकर बताया कि वह अपने क्रेडिट कार्ड का फोटो मोबाइल में रखते हैं। एक सितंबर रात लगभग नौ बजे उनके पास व्हाट्सएप कॉल आई थी। जिसके बाद उनका मोबाइल नंबर हैक कर लिया गया था। जिसके बाद उनके क्रेडिट कार्ड से पहली बार 25692 रुपये और दूसरी बार 65596 रुपये का ट्रांजेक्शन कर लिया। उन्होंने रात में ही शिकायत ऑनलाइन की। उनके मोबाइल नंबर पर अभी भी ओटीपी आ रहे हैं। प्रार्थना पत्र देने के बाद भी बैंक के अधिकारी या कर्मचारी ने कोई कार्रवाई नहीं की और न ही संतोषजनक उत्तर दिया। उन्होंने क्रेडिट कार्ड से निकाले गए 90288 रुपये वापस कराने की मांग की है।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 3 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

राधा रानी के रूप में भक्तों ने किया महाकाल का श्रृंगार

बिल्सी, अमृत विचार : नगर के मुख्य बाजार स्थित कुटी मंदिर सोमवार की रात भोलेनाथ के भक्तों ने यहां महाकाल का भव्य श्रृंगार राधा रानी के स्वरूप में किया। जिनके दर्शन करने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। यहां सबसे पहले मंदिर में भक्तों ने रुद्राभिषेक किया। बाद में महाकाल की आरती कर सभी को प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर मुन्नालाल, उमेश चंद्र हनी, सौरभ वार्ष्णेय, कुलदीप वार्ष्णेय, रंजन माहेश्वरी, अर्पित, सुमित, कुणाल, वाशु आदि का विशेष सहयोग रहा। इधर बंबा चौराहे के निकट स्थित शिव शक्ति भवन मंदिर में भी बाबा महाकाल का भव्य श्रृंगार किया गया। उसके बाद बाबा महाकाल की आरती करके प्रसाद वितरण किया गया।

कॉलेज में हुआ विद्यारंभ ओरिएंटेशन कार्यक्रम

बदायूं, अमृत विचार : राजकीय महाविद्यालय में विद्यारंभ ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बीएससी बायो एवं मैथ तथा बीकॉम में प्रवेश लेने वाले छात्र छात्राओं को कॉलेज के नियमों की जानकारी दी गई। प्राचार्य ने डॉ. श्रद्धा गुप्ता कहा कि महाविद्यालय की प्राथमिकता छात्र छात्राओं का सर्वांगीण विकास करना है। प्राचार्य ने छात्राओं की सुरक्षा और उनके मान सम्मान की रक्षा के लिए सतत प्रयास करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर डॉ. अनिल कुमार, डॉ. संजय कुमार, डॉ. दिलीप कुमार वर्मा, डॉ. गौरव कुमार सिंह, डॉ. जुनेद आलम, डॉ. सारिका शर्मा, डॉ. सचिन कुमार, डॉ. प्रियंका सिंह आदि ने छात्र-छात्राओं को मार्गदर्शन प्रदान किया।

प्रतियोगिता में पांच सौ बच्चो ने किया प्रतिभाग

बदायूं, अमृत विचार : बदायूं शरीफ में 1500 साल जश्ने ईद मिलाद उन नबी के मौके पर जामिया इमदादिया असुन्निया में सीरत ए मुस्तफा प्रतियोगिता का सय्यद जीया अशरफ अल अशरफ उल जिलानी की सरपरसती में आयोजन किया। इसमें 500 बच्चों ने हिस्सा लेकर इसकी शान बढ़ाई। यह कंपटीशन तहरीक के अध्यक्ष हाफिज वा कारी गुलाम दस्तगीर कादरी की निगरानी में हुआ। इसमें शहर व इतराफ के बच्चों ने भी हिस्सा लिया। कंपटीशन में शहर के अल्माया केराम व मुअज्जाजीन ने शामिल होकर इस कंपटीशन की रौनक को बढ़ाया। हाफिज यामीन गाजी, मोहतरम शहादत अंसारी, मौलाना सैफ, मौलाना जीशान, हाफिज अजहर, मौलाना अमीर, हाफिज फैजान चिश्ती ने मेहनतों का इजहार किया।

गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ

कछला गंगा घाट पर श्रद्धालुओं ने श्री गणेश की प्रतिमाओं का किया विसर्जन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : सप्ताह भर से जारी गणेश महोत्सव का मंगलवार को समापन हो गया। महोत्सव के आखिरी दिन गणेश यात्रा निकाली गई। शहर और देहात क्षेत्र में पंडाल में स्थापित भगवान गणेश की प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए कछला गंगा घाट ले जाया गया। श्रद्धालु भगवान गणेश की प्रतिमाओं के साथ गुलाल उड़ाते हुए नाचते-गाते निकले। ढोल नगाड़ों के साथ श्रद्धालु गणपति बप्पा मोरया..अगले बरस तो तू जल्दी आ का जयघोष करते हुए चल रहे थे। विसर्जन यात्रा के चलते कछला मार्ग पर दोपहर के बाद शाम तक जाम की स्थिति बनी रही। व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी जगह-जगह मुस्तैद रहे।

शहर के भोला धाम में 27 अगस्त से गणेश महोत्सव मनाया जा रहा था। जिसका मंगलवार को समापन हो गया। समापन पर हवन पूजन किया गया। इसके बाद भगवान गणेश को 11 हजार लड्डूओं का भोग लगाया गया। इसके बाद विसर्जन यात्रा का शुभारंभ किया गया। विर्सजन यात्रा भोलाधाम, चूना मंडी, लालपुल, काली सड़क समेत विभिन्न स्थानों से निकली। जिसमें श्रद्धालु नाचते-गाते हुए निकले। हर कोई गणपति की भक्ति की में लीन रहा। श्रद्धालु भगवान गणेश की स्तुति करते हुए मस्ती में झूम रहे थे। उनके द्वारा जमकर गुलाल उड़ा उड़ाया गया। देर शाम कछला में गणेश प्रतिमाओं का भूविसर्जन किया। भोला धाम में चल रहे गणेश उत्सव के दौरान समापन पर वृंदावन से आये कलाकारों द्वारा भगवान श्री कृष्ण एवं राधा रानी की महारास लीला रचाई गई। उनके द्वारा मयूर नृत्य, लट्ठमार होली, फूलों की होली खेलकर कलाकारों ने भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं का सुंदर चित्रण किया। शोभा यात्रा में श्री गणेश सेवा मंडल के वीरेंद्र वार्ष्णेय, सुनील गुप्ता, सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता राहुल राठौर, सुनील वार्ष्णेय, केशव नाथ वैश्य, विकास सपरा, दीपामाला गोयल, सीमा राठौर शामिल रहे।

विसर्जन यात्रा मार्ग पर बाधित रही विद्युत बिजली सप्लाई : दो दिनों से बारिश की वजह से पोल में करंट आने की संभावना बनी रहती है। मंगलवार गणेश उत्सव के बाद विसर्जन यात्रा निकाली गई। जिस मार्ग से विसर्जन यात्रा निकाली गई, उस मार्ग की विद्युत सप्लाई को बंद कर दिया गया। जिससे विसर्जन यात्रा के दौरान कोई अनहोनी घटना घटित न होने पाए।

विसर्जन यात्रा के साथ अबीर गुलाल की होली खेलते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

विसर्जन को जाती श्री गणेश की प्रतिमा।

विसर्जन यात्रा के साथ नाचते गाते जाते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

विसर्जन यात्रा के साथ सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता व अन्य। ● अमृत विचार

22 सितंबर तक क्रमिक अनशन जारी रखने का लिया निर्णय

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- दूषित पानी से छुटकारा दिलाने की मांग

अमृत विचार : उझानी नगर पालिका का दूषित पानी रोकने को नरुउ हाईवे के पास ग्राम वासियों व कांग्रेसियों का क्रमिक अनशन 73वें दिन भी जारी रहा। इस दौरान तय किया कि 22 सितंबर तक सत्याग्रह, आंदोलन और क्रमिक अनशन दूषित पानी के डायवर्जन का प्लान उच्च न्यायालय में दाखिल होने तक शांतिपूर्वक जारी रहेगा।

मंगलवार को मोतीराम कश्यप, छोटेलाल जाटव, सुखराम जाटव, वेदपाल जाटव और मुन्ना लाल जाटव क्रमिक अनशन पर बैठे। कांग्रेस नेता ओमकार सिंह समेत कुछ पदाधिकारियों ने क्रमिक अनशन कारियों को जूस पिलाकर अनशन समाप्त कराया। ओमकार सिंह ने कहा कि आंदोलनकारियों ने उच्च न्यायालय का आदेश नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी विनय कुमार मणि त्रिपाठी को सौंपा दिया है। संघर्ष समिति की बैठक के बाद निर्णय लिया गया कि जब तक शासन और नगर पालिका प्रशासन द्वारा उच्च न्यायालय में 22 सितंबर तक एसटीपी की जमीन खरीदने के क्रय पत्र और और उझानी नगर पालिका द्वारा आ रहे दूषित नाले का डायवर्जन का प्लान दाखिल नहीं हो जाता तब तक हम लोग भी गांधीवादी तरीके से सत्याग्रह 22 सितंबर तक जारी रखेंगे। मुन्ना लाल सागर, इगलास हुसैन, अशोक कश्यप, वीरपाल सिंह यादव, अरुण पाराशर, मुजाहिद रजा, लोकेश गौड, संघर्ष समिति के कमल प्रताप सिंह, योगेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि अब आंदोलन 22 सितंबर तक यथावत चलता रहेगा। धरना स्थल पर राजाराम ,राघवेंद्र सिंह देवेंद्र सिंह, अमर सिंह, कृष्ण पाल, वैभव सोलंकी, पूरनलाल, चंगेलाल, पातीराम, मनोज मिश्रा, शैलेंद्र कुमार सिंह, रामकुमार, फूल सिंह, गुलशन आदि ग्रामीण उपस्थित रहे।

क्रमिक अनशन स्थल पर मौजूद कांग्रेस नेता व ग्रामीण। ● अमृत विचार

स्टांप पर 10 रुपये अतिरिक्त हो रही वसूली

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जिले में ई स्टांप व्यवस्था लागू हो चुकी है, लेकिन ई स्टाम्प की कालाबाजारी लगातार जारी है। स्टांप के लिए लोग दोगुनी कीमत चुका रहे हैं। 10 रुपये वाला स्टाम्प पेपर 20 रुपये में बिक रहा है। वहीं 50 और 100 रुपये वाले स्टाम्प पर भी वेंडर 20 से 30 रुपये अधिक वसूली कर रहे हैं।

शपथ पत्र स्टांप पेपर की जरूरत रहती है। इस समय छात्रवृत्ति आवेदन के साथ शैक्षिक कार्य के लिए शपथ पत्र की लोगों को आवश्यकता पड़ रही है। लोग शैक्षिक कार्य के साथ ही आय प्रमाण पत्र, मूल निवास व अन्य कार्य के लिए शपथ बनाने को 10 रुपये के शपथ पत्र बनाने के लिए कचहरी या तहसील पहुंच रहे हैं। जिसका ई स्टांप वेंडर लाभ उठा रहे हैं। वेंडर लोगों से स्टांप पर छपी कीमत से ज्यादा धनराशि वसूली कर रहे हैं। शहर में कचहरी पर मंगलवार को मिले कई लोगों ने नाम न छापने की शर्त बताया कि उन्हें छात्रवृत्ति में आवेदन करने के लिए शपथ बनवाना था। इसके लिए उनके द्वारा एक स्टांप वेंडर से 10 रुपये का स्टाम्प लिया, जिस पर वेंडर ने 20 रुपये मांगे। एक व्यक्ति ने बताया कि उन्हें आय प्रमाण पत्र बनवाने के लिए शपथ बनवाना था।

वेंडर ने 10 रुपये के स्टांप के 20 रुपये लिए। वेंडर ने पूछने पर बताया कि 10 रुपये का स्टाम्प 20 रुपये में और 50 से 100 रुपये के स्टांप पर 20 से 30 रुपये दिया जा रहा है। अधिक रुपये लिए जाने पर कुछ लोगों ने विरोध किया तो वेंडर से स्टांप देने से इंकार कर दिया। व्यक्ति ने बताया कि वेंडर कहते हैं स्टांप निकालने में कागज की आवश्यकता पड़ती है। बिजली भी खर्च होती है। यह सब खर्च इसी से निकलता है। मजबूरन लोग अधिक दाम चुकाकर स्टाम्प खरीद रहे हैं। ऐसे में वेंडर खुलेआम लोगों की जेब पर डाका डाल रहे हैं।

स्टांप लेने को लगी लोगों की भीड़।

- 20 रुपये में बेचा जा रहा, लोग कर रहे विरोध

स्टांप पेपर की जरूरत पड़ रही है। वहीं शासन की ओर से संचालित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए लोगों को

> स्टांप पर छपे निर्धारित मूल्य पर ही स्टांप की बिक्री करने का आदेश है। अगर वेंडर द्वारा निर्धारित मूल्य से अधिक पर स्टांप बेचा जा रहा है तो उसकी जांच कराई जाएगी। इसके बाद संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।
> – डॉ. वैभव शर्मा, एडीएम वित्त एवं राजस्व

पृथ्वी पर जब असुरों का अत्याचार बढ़ा, तब ईश्वर ने किसी न किसी रूप में अवतार लिया

संवाददाता, बिल्सी

- बिल्सी के माहेश्वरी भवन में शुरू हुई राम कथा

अमृत विचार : कछला रोड स्थित माहेश्वरी भवन में मंगलवार को श्रीराम-कृष्ण समिति के बैनर तले शुरू हुई रामकथा के पहले दिन ऋषिकेश से आए कथावाचक अयोध्यादास रामायणी महाराज ने भगवान राम के विवाह का विस्तृत वर्णन करते हुए धनुष भंग प्रसंग मार्मिक ढंस से प्रस्तुत किया।

उन्होनें बताया कि विश्वामित्र मुनि राम और लक्ष्मण को लेकर जनकपुरी पहुंचे। वहां शिव धनुष तोड़ने की शर्त पर सीता का विवाह राम से तय हुआ। कथा की शुरुआत त्रेता युग में राक्षसों के अत्याचार और विश्वामित्र मुनि के यज्ञ की रक्षा से हुई। यज्ञ के बाद विश्वामित्र मुनि राम-लक्ष्मण के साथ जनकपुरी की ओर गए। राजा जनक द्वारा रखी गई शिव धनुष तोड़ने की शर्त और भगवान राम द्वारा धनुष भंग कर सीता से विवाह का प्रसंग कथा का मुख्य आकर्षण रहा। कथावाचक ने कहा कि पृथ्वी पर जब-जब असुरों का अत्याचार बढ़ा, तब-तब ईश्वर ने किसी न किसी रूप में अवतार लेकर असुरों का संहार किया है। उसी प्रकार भगवान राम ने भी पृथ्वी लोक पर आकर धर्म की स्थापना की और लोगों का कल्याण किया। उन्होनें अन्य कई प्रसंगों को भी सुनाया। इस मौके पर नरेन्द्र गरल, डा.राजाबाबू वाष्णेय, चन्द्रपाल तोष्णीवाल, सत्यपाल वार्ष्णेय, मनोज वार्ष्णेय, लोकेश बाबू वार्ष्णेय, नीरज माहेश्वरी, संजीव वार्ष्णेय, दुर्गेश बाबू वार्ष्णेय, आशीष वशिष्ठ आदि मौजूद रहे।

कथा वाचक अयोध्यादास रामायणी।

छात्राओं को एड्स की दी जानकारी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : नगर के घंटा घर स्थित राजकीय डिग्री महिला महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में सघन एड्स जागरुकता अभियान के तहत एक गोष्ठी प्राचार्य डॉ. वंदना की अध्यक्षता में किया गया।

इसके बाद जिला कार्यक्रम अधिकारी (एड्स) डॉ. विनेश कुमार द्वारा जनपद में एच आई वी एड्स होने के चार कारण बताए। इसमें मुख्य रूप से असुरक्षित यौन सम्बन्ध, एचआईवी ग्रस्त महिला से होने वाले उसके बच्चे, एचआईवी ग्रस्त व्यक्ति का ब्लड दूसरे को चढ़ाने, एचआईवी से संक्रमित व्यक्ति की सिरिंज से दूसरे को इंजेक्शन लगाने से फैलता है। इसी प्रकार बच्चों को जागरूक किया गया। एवं सुषमा सिंह काउंसलर द्वारा बताया गया कि अगर कोई एड्स संक्रमित महिला है तो उसका प्रसव डॉक्टर की देख रेख में ही होना चाहिए। प्रोग्राम मैनेजर शनि दुवे द्वारा बताया गया कि सही जानकारी ही सही बचाव है । कार्यक्रम का संचालन रोहित सक्सेना और प्रोग्राम मैनेजर ने किया। कार्यक्रम में डॉ. अर्चना पांडे, डॉ. सतीश कुमार, डॉ. बृजेश कुमार, डॉ. भावना सिंह, सरिता गौतम व अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

गोष्ठी में मौजूद छात्राएं। ● अमृत विचार

किशोरी को फुसलाकर ले गया युवक, दो पर रिपोर्ट

बिल्सी, अमृत विचार : कोतवाली बिल्सी क्षेत्र के बिसौली-बिल्सी मार्ग पर स्थित एक गांव की किशोरी की परिजन ने बताया था कि उनकी बेटी घर से दर्जी की दुकान पर जाने की बात कहकर घर से निकली थी। जिसके बाद वह वापस नहीं लौटी है। जानकारी करने पर पता चला कि थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के गांव डामरी निवासी विष्णु अपने साथी कालू की मदद से उनकी बेटी को ले गया है। सीओ गौरव उपाध्याय ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू की गई है।

बारिश होने से तिलहन और बाजरा को नुकसान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : पिछले 48 घंटे तक हुई बारिश ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। सबसे अधिक नुकसान बाजरा और तिलहन की फसल को पहुंचा है। अंकुरित फसल पानी डूब गई है। साथ ही कुछ दिन पूर्व की गई बुवाई के चलते खेत पड़े बीच सड़ने की स्थिति में पहुंच गए हैं। जिसकी वजह से किसान परेशान हैं। मानसून अब भी सक्रिय है। कृषि विभाग बारिश होने की संभावना व्यक्त कर रहा है।

मानसून में सीजन का दूसरी बार अधिक बारिश बीते सोमवार को हुई। 24 घंटे में 57.50 और 48 घंटे 106 एमएम बारिश हुई। इससे पहले इससे अधिक बारिश पांच अगस्त को हुई थी। 48 घंटे में 190 एमएम बारिश दर्ज की गई थी। इसके बाद मानसून निष्क्रय हो गया था। 31 अगस्त से मानसून फिर से सक्रिय है। लगातार बारिश का दौर बना हुआ है। बीते दिन हुई बारिश के बाद मंगलवार की सुबह 11 बजे तक बरसात होती रही। इसके बाद मौसम साफ हो गया। मौसम साफ होने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। मौसम साफ होने के बाद सड़कों और बाजारों में चहल पहल बढ़ गई। जिला कृषि अधिकारी मनोज रावत ने बताया कि अगेती बाजरा की फसल को अधिक नुकसान नहीं पहुंचेगा। अगर किसी किसान द्वारा हाल के दिनों में बुवाई की है। उन्हे नुकसान जरुर हुआ है। अभी बुवाई का समय चल रहा है। किसान दोबारा से बुवाई कर सकते हैं।

बाजरे के खेत में भरा पानी। ● अमृत विचार

खेती किसानी

- बारिश के पानी में डूबी फसलें पौधा सड़ने की बढ़ गई आशंका
- 24 घंटे में 58 एमएम हुई बारिश हर तरफ दिख रहा पानी ही पानी

बाढ़ का दंश | जिला प्रशासन ने बढ़ाई सतर्कता, ग्रामीणों को दिया मदद का आश्वासन

नरौरा से फिर बढ़ा पानी, तटवर्ती इलाकों में धंसने लगे बांध

- मंगलवार को नरौरा बैराज से 1.61 लाख क्यूसेक पानी गंगा में छोड़ा गया

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : नरौरा से अब लगातार अधिक मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है। इससे तटवर्ती इलाकों में बाढ़ ने बिजली के खंभों को भी अपनी चपेट में ले लिया है और कटान तेजी से हो रहा है। रामगंगा का जलस्तर भी लगातार बढ़ रहा है। इससे दातागंज क्षेत्र में स्थिति और चिंताजनक हो रही है। जिला प्रशासन और बाढ़ खंड के अधिकारी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

मंगलवार को नरौरा बैराज से एक लाख 61 हजार 454 क्यूसेक पानी गंगा में डिस्चार्ज किया गया, जबकि सोमवार को करीब डेढ़ लाख क्यूसेक पानी गंगा में छोड़ा गया था। जो गंगा नदी में तबाही मचा रहा है। दातागंज क्षेत्र में बाढ़ के पानी ने बिजली के खंभों को भी अपनी चपेट में ले लिया है। खंभे कटान से गिर चुके हैं उनके तार जमीन पर पड़े हैं जिससे ग्रामीणों को खतरा पैदा हो गया है। इसी तरह उसहैत इलाके के रैपुरा गांव में पानी और बढ़ गया। जिससे कच्चे मकान पानी में लगातार गिर रहे हैं। गांव के बाहर कई पेड़ कटान की जद में आ चुके हैं जो गंगा में बहते चले गए। जबकि कुछ पेड़ बाढ़ में फंसे हुए हैं।

जटा गांव में सोमवार की रात से पानी और बढ़ गया है। गंगा ने इस गांव के करीब आधा दर्जन मकान ढहा दिए हैं। कई ऊंचे टीले कटान की भेंट चढ़ चुके हैं। ग्रामीणों को तहसील प्रशासन ने पहले ही बाहर भेज दिया है। इस क्षेत्र में बांध भी धंसने लगा है। ग्रामीणों ने बताया कि कई जगहों पर बांध बैठ गया है। उसकी मिट्टी और पत्थर धंस रहा है जिससे बांध को खतरा पैदा हो गया है। पानी बढ़ जाने से बांध भी कमजोर पड़ रहा है। जिला प्रशासन ने बाढ़ खंड को निर्देशित किया है कि बांध की निगरानी बढ़ाई जाए और लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जाए। इस क्षेत्र की कई सड़कें सैलाब में बह गयी हैं। सड़कों के कटने से अब लोगों को परेशानी हो रही है।

जसवंत नगर की ओर गंगा ने और विकराल रूप ले लिया है। इस क्षेत्र में खाली जमीन पर पानी ही पानी दिख रहा है जिससे ग्रामीणों में भय बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि अब पशुओं को चारा नहीं है। केवल भूसा खिला कर जिंदा रखा जा रहा है। इसी तरह छोटे बच्चों को बुखार टाइफाइड की दवा नहीं मिल रही है। दर्जनों बच्चे बीमारी से जूझ रहे हैं। इस क्षेत्र में पानी अधिक होने से बाहर से लोग यहां नहीं पहुंच पा रहे हैं।

कटान करती गंगा। ● अमृत विचार

स्वास्थ्य विभाग ने नहीं लगाया शिविर

बाढ़ का दंश झेल रहे हजारों ग्रामीण अब बीमारियों की चपेट में आने लगे हैं। बुखार और टाइफाइड के चलते लोगों को भारी परेशानी हो रही है। गांव छोड़ कर ऊपरी स्थानों पर शरण ले चुके ग्रामीणों को मच्छरों का शिकार होना पड़ रहा है। मच्छरों के कारण संक्रामक बीमारियां फैलने लगी हैं। स्वास्थ्य विभाग ने इस क्षेत्र में अभी तक कहीं भी शिविर नहीं लगाया है जिससे छोटे बच्चों को अधिक परेशानी हो रही है

कछला गंगा में और बढ़ा जलस्तर

सोमवार को छोड़ा गया नरौरा से डेढ़ लाख क्यूसेक पानी के यहां पहुंचते ही कछला गंगा का जलस्तर और ऊपर पहुंच गया है। मंगलवार को गंगा का जलस्तर 162, 57 मापा गया। जो खतरे के निशान से काफी ऊपर है। कछला गंगा अब स्थानीय लोगों को डराने लगी है। दुकानदारों को पहले ही गंगा किनारे से हटा दिया गया है। स्नान घाटों पर रोक लगा दी गयी है। किसी को वहां नहीं जाने दिया जा रहा है। हुसैनपुर और चंदनपुर में बाढ़ का कहर जारी है। लोगों ने गांव छोड़ दिए हैं।

> मंगलवार को नरौरा से और अधिक पानी डिस्चार्ज किया गया जिससे स्थिति और बेकाबू हो रही है। उसहैत क्षेत्र के बांध संवेदनशील हैं लेकिन अभी तक सुरक्षित हैं किसी तरह का खतरा नही है। बाढ़ खंड स्थिति पर नजर बनाए हुए है। दातागंज तहसील प्रशासन भी इस क्षेत्र की निगरानी कर रहा है। ग्रामीणों को सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है। बाढ़ से कइर इलाकों में स्थिति संवेदनशील बनी हुई है।
> – नेशपाल, सहायक अभियंता, बाढ़ खंड

देश और राष्ट्र से बढ़कर कोई नहीं : डॉ. इंद्रेश

सहसवान, अमृत विचार : कस्बे के तूबा मैरिज हॉल में मंगलवार को मुस्लिम राष्ट्रीय मंच और क्षत्रिय समाज का साझा कार्यक्रम आयोजित हुआ।

इसमें मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संरक्षक डॉ. इंद्रेश कुमार मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने राष्ट्र में मुस्लिम और क्षत्रिय समाज के लोगों को जागरूक किया।

इसके बाद वह मीडिया से मुखातिब हुए।

डॉ. इंद्रेश कुमार ने कहा कि देश और राष्ट्र से बढ़कर कोई नहीं है। हम आपस में मिलकर रहे हैं। हमने भले ही पूजा पद्धति बदली है हम सब आपस में भाई-भाई हैं। आपस में हम सभी को प्रेम और स्नेह के साथ रहना चाहिए।

हम सब हिंदुस्तानी हैं, धर्म के नाम पर हो रहे सामाजिक भेदभाव और धर्मांतरण पर रोक लगनी चाहिए। कार्यक्रम अबरार जमाल, विजय बाबू अग्रवाल, शाह आलम, अतुल सक्सेना सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

आधार कार्ड संशोधन में भ्रष्टाचार करने का आरोप

संवाददाता, बिल्सी

- बीएसए ने कंप्यूटर ऑपरेटर को कादरचौक बीआरसी केंद्र पर किया संबद्ध, दो बीईओ की टीम बनाकर दिए जांच करने के आदेश

अमृत विचार : नवीन आधार कार्ड बनाने और संशोधन के नाम पर कंप्यूटर ऑपरेटर द्वारा निर्धारित धनराशि से अधिक वसूली लोगों की जा रही थी। इसके अलावा उनके द्वारा उच्चाधिकारियों की अवहेलना की जा रही थी। इसकी शिकायत होने पर बीएसए ने कंप्यूटर ऑपरेटर को अंबियापुर बीआरसी से हटाकर कादरचौक ब्लॉक की असरासी बीआरसी से संबद्ध कर दिया। साथ ही दो बीईओ की टीम बनाकर जांच के आदेश कर दिए।

कस्बा बिल्सी निवासी सूरज पाल बीएसए से शिकायत की गई थी। इसमें शिकायतकर्ता ने कंप्यूटर ऑपरेटर पर गंभीर आरोप लगाए थे। आरोप था कि कंप्यूटर ऑपरेटर नितिन कुमार के लिए आधार कार्ड बनाने और संशोधन के लिए विभाग से मशीन दी गई है। जिसका संचालन करने के लिए उनके द्वारा एक निजी व्यक्ति को लगा रखा था। बीआरसी पर आधार कार्ड बनवाने या संशोधन कराने आने वाले लोगों से कंप्यूटर ऑपरेटर द्वारा निर्धारित फीस से अधिक धनराशि ली जा रही है। इनके द्वारा अधिक वसूली को लेकर भाकियू सहित अन्य संगठनों के द्वारा धरना प्रदर्शन भी किया था। आरोप है कि कंप्यूटर ऑपरेटर इंटरनेट रिचार्ज में भी घपला किया जाता है। हर माह इंटरनेट पर करीब दो से तीन हजार रुपये का खर्च आता है। लेकिन कंप्यूटर ऑपरेटर फर्जी बिल वाउचर बनाकर लगभग बीस हजार रुपये का खर्च होना दिखाते आ रहे हैं। शिकायत का संज्ञान लेते हुए बीएसए ने कंप्यूटर ऑपरेटर के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अंबियापुर बीआरसी से हटा दिया। उन्हें कादरचौक ब्लॉक की बीआरसी असरासी से संबद्ध कर दिया है। कंप्यूटर ऑपरेटर द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार की जांच उझानी और कादरचौक के बीईओ को सौंपी है।

न्यूज ब्रीफ

तहसील प्रशासन ने ग्राम सभा से हटवाया अवैध कब्जा

उस्मानपुर, अमृत विचार : तहसील सहसवान क्षेत्र के गांव दादरा में राजस्व विभाग की टीम ने ग्राम सभा की जमीन पर अवैध कब्जा। साथ ही दोबारा से कब्जा किए जाने पर कार्रवाई की चेतावनी दी। गांव में ग्राम समाज की जमीन पर कुछ लोगों ने कब्जा कर रखा था। उनके द्वारा उस स्थान पर पशुओं को बांधा जा रहा था। जिससे ग्रामीणों को आने जाने मे परेशानी हो रही थी। जिसकी शिकायत गांव के लोगों ने एसडीएम से की थी। एसडीएम ने जमीन कब्जा मुक्त कराने के आदेश कर दिए। मंगलवार को कानून गो किशनलाल व हल्का लेखपाल जितेन्द्र सिंह पुलिस बल के साथ जेसीबी लेकर पहुंच गये। राजस्व विभाग की टीम ने ग्राम पंचायत की जमीन पर किए गए निर्माण को ढहा दिया गया। साथ ही दोबारा कब्जा किए जाने पर कार्रवाई की चेतावनी दी।

डीएम का निर्देश पुवायां पुलिस पर बेअसर

पुवायां, अमृत विचार : गन्ना किसान डिग्री कालेज में चोरी से पेड़ काटने के मामले में डीएम का आदेश भी पुवायां पुलिस के लिए बेअसर साबित हो रहा है। 13 अगस्त को तहसील के गन्ना किसान डिग्री कालेज के भीतर से दिन दहाड़े पेड़ काट दिए गए थे, जिसमें से कुछ लकड़ी लोड होकर चली गई थी। इस मामले के काफी चर्चित होने के बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर कॉलेज प्रबंधन ने तहरीर देना भी उचित नहीं समझा और एसडीएम की जांच रिपोर्ट को ही आधार बनाकर कॉलेज के प्रवक्ता, संविदाकर्मी व एक अन्य युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके बाद तहसील दिवस में पुवायां पहुंचे जिलाधिकारी ने इस मामले में तत्काल गिरफ्तारी के लिए सीओ को निर्देश दिए थे। 15 दिन बाद भी पुवायां पुलिस ने इस मामले के किसी भी आरोपी को पकड़ना तो दूर गाड़ी में ले जाई गई लकड़ी तक बरामद करने का प्रयास नहीं किया है। पुलिस के इस रवैये से कालेज से जुड़े लोगों में रोष है।

वसूला 2 लाख 56 हजार का जुर्माना

संभल, अमृत विचार : संभल जनपद में मंगलवार को सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी अमिताभ चतुर्वेदी के नेतृत्व में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान ओवरलोडिंग, माल परिवहन और सड़क सुरक्षा नियमों के उल्लंघन को लेकर कार्रवाई की गई। इस दौरान 72 वाहनों में नियमों के उल्लंघन पर 2 लाख 56 हजार का जुर्माना लगाया गया। 80 हजार मौके पर ही जमा करा लिए गए।

मलेरिया और डेंगू की फर्जी रिपोर्ट देने वाले लैब किए जाएंगे चिन्हित

सीएमओ ने बनाई कमेटी, अभियान चलाकर झोलाछापों के खिलाफ होगी कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- गांव-कस्बों में अवैध लैब संचालकों की भरमार

अमृत विचार : मलेरिया और डेंगू की गलत रिपोर्ट देने वाली प्राइवेट पैथोलॉजी लैब के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। गांव कस्बों में चल रही अवैध लैब चिन्हित कराने के लिए सीएमओ ने कमेटी गठित की है। कमेटी अभियान चला कर झोलाछाप और अवैध पैथोलॉजी लैब के खिलाफ कार्रवाई करेगी।

जिले में हर साल अगस्त से लेकर अक्टूबर तक मलेरिया और डेंगू के मरीज सैकड़ों की संख्या में मिलते हैं। अगस्त माह बीत चुका है। अब सितंबर शुरू हो रहा है। ऐसे में गांव देहात और कस्बों में बैठे प्राइवेट पैथोलॉजी लैब संचालक मलेरिया और बुखार डेंगू की जांच करते हैं, जो 90 प्रतिशत लोगों को मलेरिया और डेंगू की पुष्टि करते हैं जिससे मरीजों में भय पैदा होता है, लेकिन अब प्राइवेट पैथोलॉजी लैब के खिलाफ बड़े स्तर पर अभियान चलाने की तैयारी है। इसके लिए सीएमओ ने टीम गठित की है। यह टीम निजी लैब और झोलाछापों के खिलाफ कार्रवाई करेगी।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामेश्वर मिश्रा ने मंगलवार को बताया कि प्राइवेट पैथोलॉजी लैब और झोलाछाप के खिलाफ अभियान की टीम में एसीएमओ डॉ. मोहन झा, पारस बाबू और नितिन को शामिल किया गया है। यह टीम बुधवार से क्षेत्र में कार्य करेगी। सीएमओ के अनुसार ब्लॉक आसफपुर क्षेत्र से काम शुरू किया जाएगा। इस क्षेत्र में करीब 50 से अधिक प्राइवेट पैथोलॉजी लैब हैं और 100 से अधिक झोलाछाप हैं जिनको चिन्हित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद ब्लॉक दातागंज और समरेर में अभियान चलाया जाएगा। ब्लॉक दातागंज और समरेर में मलेरिया और डेंगू के सबसे अधिक मरीज सामने आते हैं। समरेर ब्लॉक में इस समय दो सौ से अधिक मलेरिया के मरीज हैं, जबकि दातागंज मे भी 100 से अधिक मरीज हैं।

ब्लॉक जगत के गांव मचलई में करीब आधा दर्जन लोगों को डेंगू बताया गया इन सभी मरीजों ने प्राइवेट पैथोलॉजी लैब से ब्लड की जांच कराई थी जिसमें डेंगू की पुष्टि हुई थी, जबकि स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि अभी तक किसी मरीज में डेंगू की पुष्टि नहीं हुई है। जिन लोगों को डेंगू की पुष्टि बताई गई है वह रिपोर्ट गलत है। इसके साथ ही गांव खिरिया में बुखार के 50 से अधिक लोग पीड़ित हैं। इनमें से अधिकांश लोगों ने प्राइवेट पैथोलॉजी लैब से ब्लड की जांच करायी है जिनमें से चार लोगों को मलेरिया की पुष्टि हुई है। ऐसी पैथोलॉजी लैब के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इससे लोगों को गलत रिपोर्ट न मिले। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि यदि किसी को मलेरिया या डेंगू की आशंका है तो उसे जिला अस्पताल या राजकीय मेडिकल कॉलेज में ब्लड की जांच करानी चाहिए।

ब्लॉक जगत के कई गांवों में हैं झोलाछाप

ब्लॉक जगत के कई गांवों में झोलाछाप अपनी दुकान चला रहे हैं। लेकिन इनके खिलाफ कभी कोई कार्यवाही नहीं की गयी। इन झोलाछापों की शिकायत भी सीएमओ से की जा चुकी है। इनके खिलाफ अब अभियान के तहत कार्यवाही की जाएगी। कस्बा जगत सखानू में करीब सौ झोलाछाप हैं यह दोनो कस्बे दस दस हजार की आबादी वाले हैं इसलिए झोलाछापों की संख्या भी अधिक है।

सरकारी अस्पतालों के इंडिया मार्का हैंडपंप होंगे ठीक

बदायूं, अमृत विचार : सरकारी अस्पतालों में लगे इंडिया मार्का हैंडपंप खराब होने से मरीजों व तीमारदारों को परेशानी हो रही है। सीएमओ डॉ. रामेश्वर मिश्रा ने मंगलवार को नगर पालिका प्रशासन को पत्र लिख कर हैंडपंप की मरम्मत कराने को कहा है। उधर, जिला अस्पताल में भी दो इंडिया मार्का हैंडपंप लगे हैं जो कई सालों से बंद हैं। कई बार कहने पर भी हैंडपंप ठीक नहीं कराए हैं।

युवती को वन स्टाप सेंटर और प्रेमी को भेजा जेल

नवाबगंज, अमृत विचार : नगर की एक युवती बदायूं के सांडी में किराए पर रहकर प्राइवेट नौकरी कर रही थी । आरोप है कि बीती 24 जून को सहसवान के मोहल्ला काजी वासी नदीम का पुत्र अदीब उसे अपने प्रेमजाल में फांस कर ले गया । युवती के पिता द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराने पर सांड़ी पुलिस ने युवती को बरामद उसके परिजनो को सौंप दिया और वह नगर में अपने परिवार के साथ रह रही थी।

बरामदगी के तीन दिन बाद ही बीती 28 मई को युवती पुनः गायब हो गई । युवती के परिजनों का आरोप है कि पुनः अदीब ही उसे फुसला कर ले गया था । युवती के परिजनों ने धर्म परिवर्तन कराए जाने की आशंका व्यक्त करते हुए दो दिन पूर्व कोतवाली नवाबगंज में आरोपी के विरुद्ध रिपोर्टे दर्ज कराई थी । जिस पर पुलिस ने प्रेमी - प्रेमिका को बरामद कर अदीब को जेल भेजने के साथ ही युवती को वन स्टाप सेन्टर भेज दिया । थानाध्यक्ष ने बताया कि मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान कराने के बाद ही अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

शत-प्रतिशत निर्धारित मात्रा में मिलेगा खाद्यान्न

खाद्य वितरण को लेकर अधिकारियों को निर्देश देते एडीएम प्रशासन।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- बैठक में एडीएम ने संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

अमृत विचार: अपर जिलाधिकारी प्रशासन अरुण कुमार ने खाद्यान्न वितरण को लेकर संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। जिसमें उन्होंने खाद्यान्न की आपूर्ति को लेकर आ रही परिवहन की समस्या का निस्तारण किया।

जिला पूर्ति अधिकारी सतीश चंद्र मिश्रा ने एडीएम को बताया कि सिंगल स्टेज डोर स्टेप डिलीवरी को लेकर आ रही समस्याओं से अवगत कराया। जिस पर एडीएम ने विसंगतियों को दूर करने के आदेश दिए। कहा कि प्रत्येक दशा में लाभार्थियों को शत-प्रतिशत निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न का वितरण किया जाए। खाद्यान्न वितरण व्यवस्था में जहां भी लीकेज की सम्भावना हो उसे खत्म किया जाए। परिवहन ठेकेदारों को निर्देशित किया गया कि वह अनुमन्य वाहनों का उपयोग करते हुये उचित दर दुकानों तक निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न पहुंचवाएं। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। इस मौके पर डा मोहन झा एसीएमओ, वीरेन्द्र कुमार सिंह जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सुशील कुमार, डीपीओ, केबी गुप्ता, अजय पाराशरी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

6 और 7 को 24 केंद्रों पर होगी पीईटी परीक्षा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- बारिश में अभ्यर्थियों का सामान रखने की केंद्रों पर रहेगी अलग से व्यवस्था

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) छह और सात सितंबर को 24 केंद्रों पर होनी है। परीक्षा में लगभग 39,360 अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे। डीएम ने अधिकारियों के साथ बैठक कर परीक्षा संबंधी तैयारी पूरी रखने के आदेश दिए हैं।

कलेक्ट्रेट में हुई बैठक में जिलाधिकारी अवनीश राय ने अधिकारियों से कहा कि परीक्षा के लिए मौसम को दृष्टिगत रखते हुए सभी तैयारियां की जाएं। अभ्यर्थियों को कोई दिक्कत न हो। केंद्रों पर उनके सामान के रखने की उचित व्यवस्था रहे। केन्द्र व्यवस्थापक इसका विशेष ध्यान रखें। परीक्षा केन्द्र में प्रकाश व्यवस्था का खास ख्याल रखा जाए। डीएम ने अधिकारियों को शांतिपूर्वक व व्यवस्थित ढंग से परीक्षा कराने के आदेश दिए। कहा कि समय पर सभी तैयारियां पूर्ण की जाएं। परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई, प्रकाश, सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं की जाए। परीक्षा के दिन केन्द्रों के आस-पास विशेष सफाई अभियान चलाया जाए। डीएम ने रेलवे स्टेशन व रोडवेज बस स्टैण्ड पर अभ्यर्थियों की भारी भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती करने के आदेश दिए हैं।

दवा लेने एक हजार मरीज पहुंचे जिला अस्पताल

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- जिला अस्पताल में एक हजार से अधिक लोगों ने बनवाया पर्चा
- 400 बुखार से और 100 से अधिक निकले वायरल के मरीज

अमृत विचार : सितंबर शुरू होते ही बुखार पीड़ितों की संख्या बढ़ने लगी है। जिला अस्पताल प्रशासन का कहना है कि मलेरिया और डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। मंगलवार को करीब एक हजार से अधिक मरीजों को दवा दी गई।

जिला अस्पताल में बुखार और वायरल के मरीजों की सुबह से ही लाइन लग गयी। सुबह को बारिश होने के बाद भी मरीजों की संख्या दोपहर तक बढ़ती रही। जिला अस्पताल प्रशासन की माने तो करीब एक हजार मरीज जिला अस्पताल पहुंचे। इनमें से 400 मरीज बुखार के थे, जबकि वायरल के मरीजों की संख्या भी 100 से अधिक रही। इनमें दर्जनों मरीज दाद खाज खुजली के आए। डॉक्टरों का कहना है कि हर साल अगस्त और सितम्बर माह में बुखार मलेरिया और डेंगू फैलता है। लेकिन इस बार अगस्त माह में स्थिति सामान्य रही। अब बारिश के बाद जब धूप बढ़ेगी तो बुखार पीड़ितों की संख्या भी बढ़ेगी। बुखार पीड़ितों को आज डॉ. अलंकार सोलंकी सहित चार अन्य चिकित्सकों ने दवा लिखी। सभी चिकित्सकों ने बताया कि आज बुखार के मरीजों की संख्या अधिक रही। कुछ बुखार के मरीजों को ब्लड टेस्ट कराने को लिखा गया। उसकी रिपोर्ट आने के बाद दवा दी जाएगी। जिला अस्पताल में मंगलवार और शुक्रवार को हेपेटाइटिस के मरीजों को देख कर दवा लिखी जाती है। मंगलवार होने के कारण करीब 200 मरीज ओपीडी के बाहर दोपहर तक लाइन में लगे रहे। इनमें से करीब 150 मरीजों को पीलिया की दवा दी गई, जबकि कुछ मरीजों को ब्लड टेस्ट कराने को लिखा गया। फिजीशियन डॉ. एसएम कमल ने बताया कि सुबह से ही मरीजों की लाइन लगी रही। अधिकांश पुराने मरीज देखे गए।

ओपीडी के बाहर बुखार पीड़ितों की लगी लाइन। ● अमृत विचार

दाद खाज के मरीजों को दी दवा

जिला अस्पताल में चर्म रोग विशेषज्ञ डा. ऋषिपाल ने दाद खाज खुजली के करीब पांच दर्जन मरीजों को देख कर दवा लिखी। कहा कि बारिश में भीगने से एवं गीले कपड़े पहनने से दाद होना लाजिमी है। इस मौसम में गीले कपड़ों से दाद बहुत जल्द होता है। इसलिए अब दाद खाज के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। अभी और अधिक संख्या में मरीज आएंगे। धूप निकलने के बाद यह बीमारी गर्मी में अधिक फैलती है।

इलाज के दौरान महिला की मौत, पति समेत छह पर रिपोर्ट

पुवायां, अमृत विचार: बरेली में इलाज के दौरान हुई महिला की मौत के मामले में मायके पक्ष ने पति समेत छह लोगों के खिलाफ प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए गैर इरादतन हत्या की आशंका जताई है। लखीमपुर के थाना मोहम्मदी क्षेत्र के गांव भरसना निवासी मानसिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी बेटी सुधा का विवाह फरवरी 2025 में पुवायां के गांव रघुनाथपुर निवासी सौरभ सिंह के साथ किया था। शादी के बाद से ससुरालीजन उनकी पुत्री को लगातार प्रताड़ित करते रहते थे। सोमवार की रात भी पति, सास, ससुर, जेठ, जेठानी समेत ननद ने उसके साथ एकराय होकर मारपीट की, जिससे उसकी तबियत बिगड़ने लगी। जिसके बाद बिना जानकारी दिए उक्त लोग सुधा को लेकर बरेली के अस्पताल में पहुंचे जहां उसकी मौत हो गई। उन्होंने सभी के खिलाफ पुत्री के साथ मारपीट करने, प्रताड़ित करने के बाद उसकी मौत होने के मामले में परिवार छह लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

रामर्श केंद्र पर चार दंपती में कराया समझौता

शाहजहांपुर, अमृत विचार: पुलिस महिला परामर्श केंद्र पर 20 पत्रावली की सुनवाई की गई, जिसमें चार दंपती का समझौता हुआ। खुदागंज क्षेत्र में एक दंपती जिनकी शादी चार महीने पूर्व हुई थी। दोनों पति-पत्नी में घरेलू विवाद चल रहा था। महिला नाराज होकर मायके चली गई थी। दोनों पक्षों को परामर्श केंद्र पर बुलाया गया और दोनों एक साथ रहने को तैयार हो गए। निगोही थाना क्षेत्र के एक दंपती की शादी को 15 साल हो गए। पारिवारिक विवाद को लेकर महिला अपने मायके में रह रही थी। दोनों पक्षों को बुलाकर वार्ता कराई गई और दोनों पक्ष रहने को तैयार हो गए। सदर बाजार थाना क्षेत्र के एक दंपती जिनकी शादी डेढ़ साल पहले हुई थी। पारिवारिक विवाद को लेकर महिला अपने मायके में रह रही थी। दोनों पक्षों को बुलाया गया और दोनों पक्ष एक साथ रहने को तैयार हो गए। पुवायां थाना क्षेत्र के एक दंपती की शादी को चार साल हो गए है। महिला का पति शराब पीता था, विरोध करने पर दोनों में विवाद चल रहा था। दोनों पक्षों की वार्ता कराई गई और दोनों पक्ष एक साथ रहने को तैयार हो गए। दोनों पक्षों को विदा किया गया। इस अवसर पर महिला आरक्षी मोनिका, करुणा, पिंकी आदि मौजूद रही।

तीन गोवंश की मौत, कई बीमार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जिले की ब्लॉक कादरचौक के खेड़ा जलालपुर की गोशाला में सैकड़ों की संख्या में गोवंश हैं। इसमें से तीन गोवंश की मौत हो गई, जबकि दर्जनों बीमार हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि गायों को चारा भूसा नहीं दिया जाता है जिससे वह भूख के चलते तड़प तड़प कर दम तोड़ रही हैं।

खेड़ा जलालपुर की गोशाला में सैकड़ों गोवंश हैं। इन गोवंश की देखरेख नहीं हो रही है। गौशाला में तमाम गोवंश बीमार हैं, जबकि तीन गोवंश की मौत हो गई। लोगों ने बताया कि कई दिनों से गोवंश मृत पड़े है उनको वहां से उठाने वाला कोई नहीं है। इस लापरवाही का एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में मृत गौवंश दिखाई दे रही है, जबकि कई गोवंश बीमार हैं जो चलने की स्थिति में भी नहीं है। गांव के लोगों ने ग्राम प्रधान व पशु चिकित्सक पर आरोप लगाए हैं कि भूसा चारा के पैसे का बंदरबांट किया जा रहा है। गोवंश का चारा ग्राम प्रधान व संबंधित अधिकारियों की जेब में जा रहा है। बीमार गोवंश का इलाज भी नहीं कराया जा रहा है।

खेड़ा जलालपुर की गौशाला में भूख से तड़पती गाय। ● अमृत विचार

ननिहाल आई ढाई साल की बच्ची की करंट से मौत

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : घर के पास खेलते समय अपनी ननिहाल आई ढाई साल की बच्ची बिजली के खंभे संपर्क में आ गई। करंट लगने से बच्ची क मौत हो गई। परिजनों में चीत्कार मच गया। जिला फर्रुखाबाद के थाना कंपिल क्षेत्र के गांव बहबलपुर निवासी अवधेश की सहसवान कोतवाली क्षेत्र के गांव ज्वालापुर में ससुराल है। चार दिन पहले अवधेश की पत्नी अपने मायके आई थीं। साथ में उनकी ढाई साल की बेटी उन्नति थी। मंगलवार शाम उन्नति ननिहाल में घर के बाहर खेल रही थी। खेलते समय वह घर के बाहर लगे बिजली के खंभे के संपर्क में आ गई। खंभे में करंट आ रहा था।

करंट लगने से उन्नति खंभे से चिपक गईं। आसपास मौजूद ग्रामीण चिल्लाए तो परिजन दौड़कर पहुंचे। सूचना देकर बिजली की सप्लाई बंद कराई। उन्नति को खंभे से अलग किया लेकिन तब तक बच्ची की मौत हो चुकी थी। परिजन बच्ची को चिकित्सक के पास ले गए। चिकित्सक ने बच्ची की मौत की पुष्टि की।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

7906732664, 8445507002

सूचना

मैंने अपने पुत्र अनस को मेरी मर्जी के विरूद्ध दो बच्चों की मां श्रीमती समरीन के साथ रहने, घर में रखे रूपये निकालने एवं गलत संगत एवं गलत आचरण से तंग आकर सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा।
बब्लू पुत्र मो. रजी नि. मोहन तालाब जगतपुर थाना बारादरी, बरेली

सूचना

मैंने अपना नाम सय्यद मोहसिन अली से बदलकर मोहसिन अली रख लिया है। भविष्य में मुझे मोहसिन अली पुत्र श्री अफसर अली, नि.मो. ऊपरपारा रजा कालोनी, बदायूं उ.प्र. 243601 के नाम से जाना जाए।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र मो0 जाहिद व उसकी पत्नी नाजिश को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल- अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **खान बहादुर पुत्र स्व0 मरहूम बाबू निवासी एम.आर. पब्लिक स्कूल के सामने, बिधौलिया थाना सी.बी. गंज तह. व जिला बरेली। मो. 9045917632**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

पांच साल बाद पंजाब से हत्थे चढ़ा 50 हजार का इनामी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: पुलिस अभिरक्षा से फरार 50 हजार रुपये का इनामी बदमाश पांच साल बाद पुलिस के हत्थे चढ़ गया। एसटीएफ नोएडा ने इनामी को पंजाब से गिरफ्तार किया। कोतवाली पुलिस भी इस गुडवर्क में शामिल रही। अधिकारियों ने कोतवाली में प्रेसवार्ता कर खुलासा किया। अब पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

मूल रुप से जनपद बदायूं के सदर कोतवाली क्षेत्र के पनवाड़ी शिव मंदिर क्षेत्र का रहने वाला शशांक बजाज उर्फ शेलू पुत्र देशदीपक जिला कारागार बरेली में हत्या के मुकदमे में बंद था। उसे कोरोना होने पर जिला महिला चिकित्सालय पीलीभीत में संचालित कोरोना वार्ड में 19 सितंबर 2020 को पुलिस अभिरक्षा में भर्ती कराया गया था। वहीं पर उसका इलाज किया जा रहा था। 26 सितंबर 2020 की रात वह अस्पताल की खिड़की से कूदकर भाग गया था। इस मामले में डॉ.लेखराज गंगवार की ओर से सदर कोतवाली में महामारी अधिनियम समेत अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। इसके बाद से पुलिस उसकी गिरफ्तारी का प्रयास कर रही थी। 16 जनवरी 2021 को आरोपी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। अभिरक्षा से फरार हुए आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कोतवाली पुलिस प्रयास कर रही थी। वहीं, एसटीएफ नोएडा को धरपकड़ के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई। पांच साल तक पुलिस उसकी धरपकड़ के प्रयास करती रही। मगर, कोई सफलनता नहीं मिल पा रही थी। एक सितंबर को एक सूचना के आधार पर एसटीएफ नोएडा ने लुधियाना (पंजाब) के कस्बा साहनेवाल में दबिश दी और आरोपी को धर दबोचा। इस दौरान कोतवाली पुलिस भी साथ रही। आरोपी को पकड़कर पुलिस टीम पीलीभीत लेकर आई। जिसके बाद मंगलवार को सदर कोतवाली में एएसपी विक्रम दहिया, सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी ने प्रेसवार्ता की और खुलासा कर गुडवर्क गिनाया।

पुलिस की गिरफ्त में इनामी और प्रेसवार्ता करते एएसपी विक्रम दहिया।

नोएडा एसटीएफ और पीलीभीत पुलिस की संयुक्त टीम ने कोरोना अस्पताल से भागे 50 हजार के ईनामी को पंजाब से गिरफ्तार किया है। उसकी लंबे समय से तलाश की जा रही थी। अग्रिम कार्रवाई कराई जा रही है।

– विक्रम दहिया, एएसपी

- एसडीएफ नोएडा ने पंजाब से की गिरफ्तारी, पीलीभीत पुलिस ने गिनाया गुडवर्क
- एएसपी ने कोतवाली में की प्रेसवार्ता, सीओ सिटी भी रहे मौजूद

पुलिस से बचने को पंजाब में ली थी शरण

पकड़े गए इनामी अपराधी को पुलिस की टीमें कई जगह तलाश कर चुकी थी। मगर उसका कहीं कुछ पता नहीं चल सका था। बताते हैं कि उसके परिचित और करीबियों को भी रडार पर लिया गया, लेकिन उसमें भी सफलता नहीं मिल सकी। आरोपी शशांक बजाज ने पुलिस से बचने के लिए लुधियाना पंजाब के कस्बा साहनेवाल में हाउस नंबर 112 एसटी नंबर एक बजाज एंक्लेव में नया ठिकाना बना लिया था। मगर, पांच साल बाद आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया।

2021 में सदर कोतवाली में लिखी गई थी दूसरी एफआईआर

शशांक बजाज पर बदायूं में हत्या के अलावा दो जानलेवा हमला करने के मुकदमे दर्ज थे। इसके बाद फरार होने पर सदर कोतवाली में उसके खिलाफ पहले महामारी अधिनियम की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। उस पर कुर्की कार्रवाई कर शिकंजा कसने की तैयारी की गई। उसका गैर जमानती वारंट भी जारी किया गया था। मगर, वह नहीं मिला। इसके बाद दूसरा मुकदमा 24 मार्च 2021 को दर्ज किया गया था। ये रिपोर्ट तत्कालीन इंस्पेक्टर क्राइम अवध बिहारी की ओर से दर्ज की गई थी।

कपिल सिंघल के घर कुर्की नोटिस चस्पा

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचार: संभल में भारतीय जनता पार्टी क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजेश सिंघल के भाई कपिल सिंघल की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं । अदालत से वारंट जारी होने के बाद अब उनकी संपत्ति कुर्क करने की चेतावनी का नोटिस घर पर चस्पा किया गया है। मंगलवार को पुलिस ने उनके घर पर ढोल बजवाकर मुनादी कराई कि अदालत में हाजिर नहीं हुए तो कुर्की की कार्रवाई की जायेगी।

कपिल सिंघल के खिलाफ कुछ माह पहले एक के बाद एक आठ मुकदमे दर्ज किए गए थे । एक समय में कारोबारी साझेदार रहे विपुल गुप्ता ने कपिल सिंघल व उनके साथियों पर गंभीर आरोप लगाकर मुकदमा दर्ज कराया था। वहीं पुलिस ने कपिल की स्क्रैप फैक्ट्री में छापेमारी करने के बाद एक मुकदमा दर्ज किया था। जीएसटी चोरी के मामले को लेकर भी एक मुकदमा दर्ज हुआ था। गोरखपुर मठ के नाम पर धमकी देने सहित 8 मुकदमे दर्ज किए गए । विपुल गुप्ता की ओर से दर्ज कराए मुकदमे में सिविल जज जूनियर डिवीजन की अदालत ने 13 जून को कपिल के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। वह हाजिर नहीं हुए तो कुर्की की उद्घोषणा की कार्रवाई की गई है। कोतवाली पुलिस मंगलवार को कपिल सिंघल के मोहल्ला कोट पूर्वी स्थित घर पहुंची और वहां धारा 84 के तहत कुर्की की उद्घोषणा का नोटिस चिपकाने के साथ ही ढोल बजवाकर मुनादी कराई। कपिल सिंघल अदालत में हाजिर नहीं हुए तो उनकी संपत्ति की कुर्की कर ली जाएगी।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 3 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

मंडियों में जल्द खुलेंगी सबरी कैंटीन

अमृत विचार, लखनऊ : शासन से स्वीकृति मिलने के मंडी परिषद ने प्रमुख मंडियों में शबरी कैंटीन खोलने की कवायद शुरू कर दी है। कैंटीन में किसान, मजदूर व व्यापारियों को स्वच्छ व सस्ता भोजन दिया जाएगा। कैंटीन की रुपरेखा निर्धारित करके मेन्यू और दरें निर्धारित की जा रही हैं मंडी परिषद को जिले की प्रमुख मंडी समितियों में शबरी कैंटीन स्थापित करनी हैं। जहां, दूरदराज से आए किसान, मजदूर और व्यापारियों को सस्ता, स्वच्छ, पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्धक भोजन खिलाया जाएगा। हाइजीनिक किचन, बैठने की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय और कूड़ा निस्तारण आदि इंतजाम किए जाने हैं। लगभग प्रमुख मंडियों में स्थल चयन का सर्वे पूर्ण कर लिया गया है। कैंटीन खोली जाएंगी।

नर्सिंग भर्ती के लिए स्क्रीनिंग परीक्षा सात को

अमृत विचार, लखनऊ : लोहिया संस्थान में नर्सिंग की नियमित भर्ती के लिए स्क्रीनिंग परीक्षा सात सितंबर को होगी। स्क्रीनिंग में पास होने वाले अभ्यर्थी को मुख्य परीक्षा में शामिल होने का मौका दिया जाएगा। लोहिया में नर्सिंग के 665 और 200 अन्य पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया चल रही है। नर्सिंग में देश भर से 48 हजार से ज्यादा अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। अभ्यर्थियों की ज्यादा संख्या होने के कारण संस्थान प्रशासन पहले स्क्रीनिंग परीक्षा कराएगा। सात सितंबर को सुबह 9 से 11 बजे के बीच एक पाली में स्क्रीनिंग परीक्षा होगी। सीएमएस डॉ. विक्रम सिंह ने बताया कि अभ्यर्थियों को सुबह 7:30 बजे रिपोर्ट करना होगा। स्क्रीनिंग में सफल अभ्यर्थी ही मुख्य परीक्षा देंगे। परीक्षा के प्रवेश पत्र जारी कर दिए हैं। स्क्रीनिंग परीक्षा प्रदेश भर में कई केंद्रों पर होगी। मुख्य परीक्षा में लखनऊ व आस-पास के जिलों में ही कराई जा सकती है।

सेवा पखवाड़ा को लेकर भाजपा की कार्यशाला आज

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व सदस्य विधान परिषद गोविंद नारायण शुक्ला ने बताया कि सेवा पखवाड़ा की तैयारी को लेकर बुधवार दोपहर 12 बजे से इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितंबर से महात्मा गांधी की जयंती 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनाने की रणनीति तय होगी। कार्यशाला में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह सहित अभियान के राष्ट्रीय सह संयोजक युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या मार्गदर्शन करेंगे।

देव दीपावली के भव्य आयोजन की तैयारी

अमृत विचार, लखनऊ : कैबिनेट मंत्री पर्यटन एवं संस्कृति जयवीर सिंह ने आगामी दीपोत्सव एवं देव दीपावली को आकर्षक एवं भव्य ढंग से आयोजित करने के लिए मंगलवार को पर्यटन निदेशालय के अधिकारियों के साथ समीक्षा की और प्रस्तुतिकरण का अवलोकन किया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि बीते साल की तरह इस वर्ष भी दीपोत्सव एवं देव दीपावली के आयोजन में संस्कृति एवं पर्यटन विभाग की भूमिका खास होनी चाहिए। जयवीर सिंह ने कार्यक्रम के संबंध में विस्तार से समीक्षा की और पर्व की महत्ता को देखते हुए किसी प्रकार की कमी न रहे, यह अधिकारियों को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा धर्मार्थ कार्य मुकेश मेश्राम, विशेष सचिव संस्कृति संजय कुमार सिंह, विशेष सचिव पर्यटन ईशा प्रिया, पर्यटन सलाहकार जेपी सिंह के अलावा प्रीती श्रीवास्तव, अंजू चौधरी आदि मौजूद रहे।

प्रो. पी. के. प्रजापति बनाए गए निदेशक

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ निवासी अंतर्राष्ट्रीय स्तर के आयुर्वेद विशेषज्ञ प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति को केंद्र सरकार ने आल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद, नई दिल्ली का निदेशक नियुक्त किया है। वे अभी डाक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर (राजस्थान) में कुलपति के पद पर तैनात हैं। नियुक्ति मामलों की केंद्रीय कैबिनेट कमेटी के एप्रूवल के बाद केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने प्रो. प्रजापति की नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए हैं। आदेश के अनुसार उनकी नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने से पांच वर्ष या अधिवर्षता आयु (जो भी पहले हो) तक के लिए की गई है। प्रो. प्रदीप इससे पहले गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जामनगर के शोध संस्थान में निदेशक, दिल्ली विश्वविद्यालय में डीन सहित अनेक महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं।

निर्यातकों को मिलेगा 882 करोड़ का वित्तीय प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कैबिनेट ने दी नई निर्यात प्रोत्साहन नीति को मंजूरी, कई प्रावधान किए

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राज्य सरकार ने निर्यातकों को राहत देने के लिए अपनी नई निर्यात प्रोत्साहन नीति को मंजूरी दी है। इसके तहत निर्यातकों 882 करोड़ रुपये के वित्तीय प्रोत्साहन दिए जाएंगे। पांच साल में सरकार निर्यात को 50 अरब डालर तक पहुंचाएगी। इतना ही नहीं निर्यातकों की तादाद में भी 50 प्रतिशत बढ़ोतरी होगी। दरअसल, कैबिनेट की बैठक में मंगलवार को उत्तर प्रदेश निर्यात प्रोत्साहन नीति 2025-30 कई प्रावधान किए गए हैं।

इस कड़ी में सेवा क्षेत्र के प्रमुख हब के तौर पर उभर रहे गौतमबुद्धनगर में एक सर्विस ट्रेड फैसिलिटेशन सेंटर (एसटीएफसी) की स्थापना होगी। इसके लिए 2.5 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। सेवा क्षेत्र के लिए विकास विपणन सहायता यूपी पहला राज्य है जिसने सेवा क्षेत्र के निर्यातकों के लिए विपणन विकास सहायता की नई योजना प्रस्तावित की है। इसमें पात्र निर्यातक इकाइयों को विदेशी मेले में प्रतिभाग पर स्टॉल किराए पर व्यय धनराशि का 75 प्रतिशत, अधिकतम 2 लाख रु. एवं व्यक्ति के लिए इकोनॉमी क्लास में की गयी यात्रा पर हुए व्यय का 75 प्रतिशत, अधिकतम 1 लाख रु. तक वित्तीय सहायता अनमुन्य की जाएगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर के घरेलू मेले में जाने पर स्टॉल किराये पर किये गये व्यय का 75 प्रतिशत, व इकोनॉमी क्लास के एयर फेयर का 75 प्रतिशत वित्तीय सहायता दी जाएगी।

लोकभवन में आयोजित प्रेसवार्ता में केबिनेट बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देखते वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और अन्य मंत्री।

बीमा, बाजार विस्तार, प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण पर विशेष बल

- नई नीति में 2020-25 की निर्यात नीति में सुधार करते हुए डिजिटल तकनीकी, अवसंरचना विकास, वित्तीय सहायता, निर्यात ऋण और बीमा, बाजार विस्तार, प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण पर विशेष बल दिया गया है। नीति का लक्ष्य वर्ष 2030 तक पंजीकृत निर्यातकों की संख्या में 50 प्रतिशत वृद्धि करना और सभी जिलों को निर्यात गतिविधियों से जोड़कर क्षेत्रीय संतुलन सुनिश्चित करना है। इससे प्रदेश को एक सशक्त ग्लोबल एक्सपोर्ट हब के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के निर्माण को बढ़ावा

- इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए बनी नई नीति के तहत डिस्प्ले, कैमरा मॉड्यूल, मल्टीलेयर पीसीबी जैसे 11 प्रमुख कंपोनेंट्स के निर्माण को प्रोत्साहन मिलेगा।

दिव्यांगजनों सशक्तिकरण के लिए नया केंद्र

- दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए वाराणसी के परगना रामनगर में स्थित 3 एकड़ जमीन को दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग को सौंपे जाने का प्रस्ताव मंजूर हो गया है। इस जमीन पर समेकित क्षेत्रीय केंद्र बनाया जाएगा। यह सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत काम करेगा। इसकी जानकारी नगर विकास मंत्री ने दी।

शाहजहांपुर में बनेगा स्वामी शुकदेवानंद विवि

- कैबिनेट ने शाहजहांपुर में स्वामी शुकदेवानंद विवि. की स्थापना के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। इसके लिए मुमुक्ष आश्रम ट्रस्ट की शैक्षणिक इकाइयों को उच्चीकृत किया जाएगा। वर्तमान में ट्रस्ट के अंतर्गत 5 संस्थान संचालित हैं—स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज, स्वामी शुकदेवानंद विधि महाविद्यालय, श्री दैवी सम्पद ब्रह्मचर्य संस्कृत महाविद्यालय, श्री धर्मानन्द सरस्वती इंटर कॉलेज और श्री शंकर मुमुक्ष विद्यापीठ। विश्वविद्यालय बनने के बाद इनका संचालन विश्वविद्यालय करेगा। ट्रस्ट के पास कुल 21.01 एकड़ भूमि है, जिसमें से लगभग 20 एकड़ जमीन विश्वविद्यालय को मिलेगी।

नायब तहसीलदारों को प्रभार देकर वाद निस्तारित कराने की तैयारी

अमृत विचार, लखनऊ : राजस्व वादों को निस्तारित कराने के लिए राजस्व परिषद तहसीलदारों की कमी के मद्देनजर अब नायब तहसीलदारों को प्रभार देकर वाद निस्तारित कराने जा रहा है। दरअसल, उप्र. में 766 तहसीलदार के पद स्वीकृत हैं, लेकिन 328 ही तैनात हैं और 16 प्रतिनियुक्ति पर दूसरे विभागों में हैं। इसलिए नायब तहसीलदारों को प्रभारी तहसीलदार बनाकर मुकदमे निपटाए जाएंगे।

आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद एसवीएस रंगाराव ने इस बाबत मंगलवार को मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को निर्देश भेज दिया है। इसमें कहा गया है कि वर्तमान में 422 तहसीलदार के पद खाली हैं। इसलिए प्रत्येक तहसील में न्यूनतम एक तहसीलदार की तैनाती नहीं हो पा रही है। राज्य के तहसीलदार प्रशासनिक और तहसीलदार न्यायिक के पदों पर शत-प्रतिशत तैनाती न हो पाने के करण सामान्य प्रशासन व न्यायिक काम सुचारू रूप से नहीं हो पा रहे हैं। ऐसे में तहसीलदार संवर्ग के अधिकारियों की कमी से उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों का तात्कालिक समाधान करने के लिए नायब तहसीलदारों को प्रभार देने की सहमति बनी है। सहायक कलक्टर प्रथम श्रेणी के रूप में तहसीलदार के पदनाम से न्यायिक एवं प्रशासनिक दायित्व देते हुए रोस्टर निर्धारित करते हुए काम कराया जाएगा। इसके लिए नायब तहसीलदारों को कोई भत्ता नहीं दिया जाएगा। तहसीलदार का पदीय दायित्वों का निवर्हन किए जाने के आधार पर सेवा संबंधी लाभ के लिए कोई दावा स्वीकार नहीं होगा। डीएम इसके आधार पर दायित्व तय करते हुए काम लेंगे।

1607 करोड़ के निवेश प्रस्ताव को मिली मंजूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- देवरिया, शाहजहांपुर, गौतमबुद्धनगर व फर्रुखाबाद में चार कम्पनियों को जल्द ही जारी होंगे लेटर ऑफ कम्फर्ट

अमृत विचार: कैबिनेट की बैठक में मंगलवार को देवरिया, गौतमबुद्ध नगर, फर्रुखाबाद एवं शाहजहांपुर में 1607 करोड़ रूपए के निवेश प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। जिसके आधार पर जल्द ही सभी कम्पनियों को लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी किया जाएगा।

औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने बताया कि चार प्रस्तावों पर विचार हुआ है। जिनमें मेसर्स फॉरएवर डिस्टिलरी प्राइवेट लिमिटेड-उसका बाजार औद्योगिक क्षेत्र (यूपीसीडा) के 250.12 करोड़, वाईटीटी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड खिमसेपुर औद्योगिक क्षेत्र शाहजहांपुर के 277.86 करोड़, मेसर्स ओकासगंगा एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड दादरी (गौतमबुद्धनगर) के 510.20 करोड़ एवं वुडपेकर ग्रीनएग्री न्यूट्रिएंट्स प्राइवेट लिमिटेड फर्रुखाबाद के 570 करोड़ के निवेश प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

निवेश प्रस्तावों को मंजूरी के बाद जल्द ही लेटर ऑफ कंफर्ट जारी किया जाएगा। मंत्री नन्दी ने कहा कि इन निवेश से प्रदेश को वन ट्रिलियन डालर की इकोनामी की ओर ले जाने में सहायता मिलेगी और वृहद रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

आईआईटी, आईआईएम करेंगे वैश्विक बाजार का अध्ययन

- लखनऊ : सरकार ने नीति में पहली बार मार्केट रिचर्स के लिए आइआइटी व आइआइएम जैसे संस्थानों में निर्यात चेयर की स्थापना का भी प्रविधान किया है। इनके जरिए दुनियाभर के बाजारों का अध्ययन करके उसकी रिपोर्ट सरकार को सौंपी जाएगी। पांच वर्षों में इस कार्य पर पांच करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। नीति में निर्यात प्रधान जिलों में मर्चेडाइज्ड ट्रेड फैसिलिटेशन केंद्र (एमटीएफसी) की स्थापना की जाएगी। इन केंद्रों की स्थापना पर 7.5 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। साथ गी गौतमबुद्ध नगर में सर्विसेस ट्रेड फैसिलिटेशन केंद्र की स्थापना पर 2.5 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रविधान है।

स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन अब सेवारत विभाग में शामिल

- मंत्रिपरिषद बैठक में सरकार ने फैसला लेते हुए स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग को उत्तर प्रदेश सरकार के सेवारत विभाग में सम्मिलित कर दिया गया है। स्टाम्प एवं पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने बताया कि स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग प्रदेश का एक अत्यंत महत्वपूर्ण विभाग है, जो हर वर्ष लगभग 40 लाख विलेखों का पंजीकरण करता है और जिसके माध्यम से दो करोड़ से अधिक लोग प्रत्यक्ष रूप से सेवाएं प्राप्त करते हैं। विभाग किसी प्रकार की वाणिज्यिक गतिविधि नहीं करता, बल्कि सरकार का संवैधानिक दायित्व निभाता है। इसे सेवारत विभाग का दर्जा मिलने से विभागीय कार्यालयों के लिए सरकार की अन्य सेवा विभागों की भांति नि:शुल्क भूमि उपलब्ध हो सकेगी। इससे निजी भवनों के किराये पर होने वाले व्यय में कमी आएगी और जनता के लिए पंजीकरण सेवाएं और सुलभ हो सकेंगी।

पुलिस का गैरकानूनी इस्तेमाल कर रही भाजपा सरकार: सपा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव से मंगलवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में विभिन्न जिलों आए उलेमा-ए-इकराम के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। उलेमा-ए-इकराम ने अखिलेश यादव को दोबारा मुख्यमंत्री बनने की दुआ की।

इस मौके पर उलमा-ए-इकराम में एक स्वर में कहा कि हम सभी लोग पूरी ताकत से सपा के साथ है। अखिलेश ने सभी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि सपा का सभी से एक भावनात्मक रिश्ता है। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा सरकार अपने राजनीतिक फायदे के लिए पुलिस का गैरकानूनी इस्तेमाल कर रही है।

अखिलेश ने कहा कि लोकसभा चुनाव की तरह विधानसभा चुनाव में भी सपा के नेताओं, कार्यकर्ताओं की बड़ी जिम्मेदारी है। लोकतंत्र, संविधान और वोट का अधिकार बचाने के लिए भाजपा से सावधान रहना होगा। इस मौके पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल और तेजंदर विर्क मौजूद रहे।

प्रदेश कार्यालय में उलेमा-ए-इकराम के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ सपा प्रमुख अखिलेश।

- अखिलेश से उलेमा-ए-इकराम के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

कांग्रेस-आरजेडी ने किया लोकतंत्र को भी कलंकित: बेबी रानी

- अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेत्री व बाल विकास पुष्टाहार एवं महिला कल्याण मंत्री बेबीरानी मौर्य ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस की तथाकथित वोट अधिकार यात्रा में बिहार के दरभंगा में जिस तरह से कांग्रेस-आरजेडी के मंच से प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत पूज्य माताजी को गाली दी गई, वह घोर निंदनीय और भर्त्सनीय है। हमारे लोकतंत्र को भी कलंकित करने वाला है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की राजनीति अपने निम्न स्तर पर आ पहुंची है। यह अभद्रता की सारी सीमा लांघ चुके दो शहजादों का बिहार की धरती से बिहार की संस्कृति का अनादर भी है। बेबी रानी मौर्या ने प्रश्न किया कि क्या राहुल गाँधी तू-तड़ाक की भाषा का प्रयोग करके और अपने मंच से ऐसी गालियों को प्रोत्साहित करके, देश की मातृशक्ति को अपमानित करके अपना राजनैतिक स्वार्थ साधना चाहते हैं? उन्होंने कहा कि यह केवल देश के प्रधानमंत्री की माताजी को गाली नहीं दी गई है, बल्कि यह गरीबी में मेहनत की पराकाष्ठा कर, अथक परिश्रम कर अपने बच्चों को पालने वाली, उन्हें अच्छा संस्कार देने वाली हर माँ का अपमान है।

महिला निवेशकों की भागीदारी से औद्योगिक परिदृश्य सशक्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूपीसीडा के आयोजित मेगा ई-नीलामी में औद्योगिक निवेश को नई गति मिली

अमृत विचार: उप्र. राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) के आयोजित मेगा ई-नीलामी में 15 महिला उद्यमियों, निवेशकों ने भागीदारी रही। विभिन्न जिलों के औद्योगिक क्षेत्रों में महिलाओं द्वारा की गई यह निवेश पहल, राज्य में नारी शक्ति मिशन के प्रभाव और आर्थिक सशक्तिकरण का प्रत्यक्ष उदाहरण है। यह दर्शाता है कि महिलाएं अब राज्य के औद्योगिक परिदृश्य में निर्णायक भूमिका निभा रही हैं।

दरअसल, यूपीसीडा द्वारा 29 अगस्त को आयोजित मेगा ई-नीलामी में औद्योगिक निवेश को एक नई गति मिली। इस मेगा ई-नीलामी के अंतर्गत कुल 46 औद्योगिक भूखंड 14 जिलों में आवंटित किए गए हैं। इन जिलों में हाथरस (1), बरेली (2), फिरोजाबाद (1), गाजियाबाद (1), हरदोई (2), अमेठी (4), कानपुर नगर (1), कानपुर देहात (1), हमीरपुर (5), मैनपुरी (3), मथुरा (20), फतेहपुर (2), बांदा (1) तथा झांसी (2) शामिल हैं।

इस नीलामी के माध्यम से राज्य को प्रस्तावित निवेश प्राप्त होगा, जिससे विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में नए उद्योग स्थापित होंगे और राज्य के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में हजारों लोगों के लिए प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। यह परिणाम दर्शाता है कि उत्तर प्रदेश का औद्योगिक माहौल निवेशकों के लिए लगातार आकर्षण का केंद्र बन रहा है।

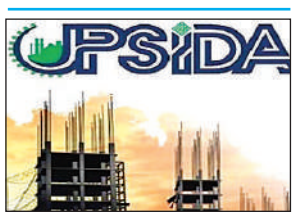

वेयरहाउस, पेट्रोल पंप और एक विद्यालय बनेंगे

- उप्र. राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) औद्योगिक ढांचे को मजबूत और आधुनिक बनाने की दिशा में अग्रसर है। मंशा राज्य को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य साधने की है। इस कड़ी में निवेश और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कुल 4 वाणिज्यिक भूखंड आवंटित किए गए हैं। इन भूखंडों पर 2 अत्याधुनिक वेयरहाउस, एक पेट्रोल पंप और एक विद्यालय की स्थापना की जाएगी।

राजस्व मामलों के निस्तारण में लखनऊ अव्वल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अगस्त माह की रिपोर्ट: प्रयागराज दूसरे, गोरखपुर तीसरे और जौनपुर रहा चौथे स्थान पर
- कलेक्ट्रेट के न्यायालयों से जुड़े मामलों के निस्तारण में जौनपुर रहा सबसे आगे

अमृत विचार: राजस्व न्यायालय कंप्यूटरीकृत प्रबंधन प्रणाली (आरसीसीएमएस) द्वारा अगस्त माह की जारी रिपोर्ट में पूरे प्रदेश में सबसे अधिक राजधानी लखनऊ में मामलों को निस्तारित किया गया है, जबकि जिला स्तरीय न्यायालय में राजस्व के मामले निपटाने में एक बार फिर जौनपुर ने बाजी मारी है।

प्रदेश में राजस्व मामलों के त्वरित निस्तारण की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त मॉनीटरिंग से बड़ा सुधार देखने को मिला है। जिला स्तरीय न्यायालयों में राजस्व वादों के निस्तारण में पिछले 10 माह से जौनपुर टॉप फाइल जिलों में बना हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्पष्ट निर्देश हैं कि राजस्व विवादों के मामलों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाए।

राजस्व परिषद की आरसीसीएमएस की अगस्त माह की रिपोर्ट के अनुसार पूरे प्रदेश में कुल 3,69,293 राजस्व मामलों का निस्तारण किया गया। लखनऊ जिलाधिकारी विशाख जी अय्यर ने बताया कि राज्य में सबसे अधिक राजधानी लखनऊ में 19,178 मामले निस्तारित किए गए। इसके बाद दूसरे स्थान पर प्रयागराज में कुल 10,693 मामले, तीसरे स्थान पर गोरखपुर में 9,560 मामले और चौथे स्थान पर जौनपुर ने 8,779 मामले निस्तारित कर चौथा और बाराबंकी ने 8,615 मामलों का निस्तारण कर पांचवां स्थान प्राप्त किया है।

जौनपुर के डीएम डॉ. दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि जौनपुर की पांच राजस्व न्यायालयों ने बोर्ड के निर्धारित मानक निस्तारण से अधिक मामलों का निस्तारण किया है। जिला न्यायालय में राजस्व मामलों के निस्तारण में प्रदेश में जौनपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

दूसरे स्थान पर लखीमपुर खीरी और तीसरे स्थान पर आजमगढ़ है। भू राजस्व संबंधित मामलों के निस्तारण में भी जौनपुर अव्वल है। इसी तरह अगस्त में मऊ के जिलाधिकारी न्यायालय ने निर्धारित 30 मामलों के मानक के मुकाबले 91 मामलों का निस्तारण कर 303.33 प्रतिशत की उपलब्धि हासिल की, जो की प्रदेश भर में सबसे अधिक है।

आरक्षण शासनादेश रद्द करने पर फैसला 4 को

अमृत विचार, लखनऊ (विधि संवाददाता): अम्बेडकर नगर, कन्नौज, जालौन व सहारनपुर के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में आरक्षण के सम्बंध में पारित शासनादेशों को रद्द करने के एकल पीठ के निर्णय के विरुद्ध राज्य सरकार की विशेष अपील पर मंगलवार को सुनवायी पूरी होने के पश्चात हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने अपना फैसला सुरक्षित कर लिया है। न्यायालय 4 सितम्बर को अपना फैसला सुनाएगी।

न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ के समक्ष मंगलवार को राज्य सरकार की अपील पर सुनवाई हुई।

रिश्वत लेने के आरोप में महोबा के जिला आबकारी अधिकारी सस्पेंड

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आबकारी मंत्री ने की कार्रवाई सोशल मीडिया पर वायरल हुआ का रिश्वत लेने का वीडियो

अमृत विचार : आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सख्त कदम उठाते हुए महोबा के जिला आबकारी अधिकारी राजेंद्र प्रसाद वर्मा को मंगलवार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। वर्मा द्वारा रिश्वत लिए जाने से संबंधित वीडियो 26 अगस्त को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने महोबा के जिलाधिकारी से जांच कराई। इसमें महोबा के जिला आबकारी अधिकारी राजेंद्र प्रसाद वर्मा प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए हैं। आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने निलंबित किए जाने की पुष्टि करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्य कर रही है। योगी सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। भ्रष्टाचारियों के लिए प्रदेश में कोई जगह नहीं है। जो भी भ्रष्टाचार करते हुए पाया जाएगा उसे सख्त से सख्त सजा दी जाएगी।

ई-खसरा पड़ताल | खरीफ सर्वे के लिए 5.49 करोड़ गाटे लंबित, चार दिन शेष, इस बार सर्वे से लेखपालों को मुक्त करने से कार्य प्रभावित

प्रदेश के 65,286 गांवों में अभी शुरू नहीं हुआ क्रॉप सर्वे

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में डिजिटल क्रॉप सर्वे से मुक्त किए गए लेखपालों की कमी से खरीफ फसलों का आकलन संकट में पड़ गया है। ज्यादातर जिलों में कृषि विभाग के कर्मी, पंचायत सहायक व ग्राम रोजगार सेवकों के लिए सर्वे करना मुश्किल बना हुआ है। खासकर ग्राम रोजगार सेवकों ने पहले का बकाया भुगतान, पुराने मोबाइल, राजस्व की जानकारी न होना समेत तमाम समस्याएं बताकर हाथ खड़े कर दिए हैं।

ई-खसरा पड़ताल के तहत 15 अगस्त से शुरू हुए सर्वे में 6 सितंबर तक कुल 92,237 राजस्व ग्रामों के मैप 6,08,68,989 गाटा (प्लाट) में खड़ी फसलों का डिजिटल सर्वे होना है। इसके सापेक्ष 2 सितंबर तक 2,6951 ग्रामों में सर्वे शुरू हुआ है और 2,059 में सर्वे पूर्ण हो पाया है। 65,286 ग्रामों में कर्मियों ने सर्वे शुरू तक नहीं किया है। गाटों की बात करें तो 58,90,515 का सर्वे पूर्ण हुआ है। अभी भी 5,49,78,474 गाटे सर्वे करने के लिए लंबित हैं और चार दिन शेष बचे हैं। कुल प्रगति 2.23 फीसदी है।

मिर्जापुर, औरैया, बरेली टॉप पर, बलिया सबसे पीछे

- किसी भी जिले में 100 फीसदी क्रॉप सर्वे पूर्ण नहीं हो पाया है। सबसे खराब प्रगति गाजीपुर 8.34 फीसद, बस्ती 7.70 फीसदी, हाथरस 6.98 फीसद और बलिया की 6.94 फीसदी है। फिर भी इन हालात में मिर्जापुर 91.22 फीसदी प्रगति से पहले स्थान पर, अंबेडकनगर 90.74 फीसदी से दूसरे स्थान, औरैया 85.70 फीसद से तीसरे, बरेली 72.25 फीसद से चौथे व भदोही 71.75 फीसदी प्रगति से पांचवें स्थान पर है। लखनऊ 16.67 फीसदी प्रगति से 53वें स्थान पर है।

डिजिटल सर्वे ये मुख्य फायदे

- फसल का एरिया पता चलेगा, कौन-कौन सी फसलें होती हैं उसी आधार पर किसान क्रेडिट कार्ड बनेंगे और उसी अनुपात में फसली ऋण दिया जाएगा। बोई गई वास्तविक फसल का बीमा होगा। इसी आधार पर क्षतिपूर्ति मिलेगी। कोई योजना लांच करना, रिसर्ज करना या एफपीओ गठित करने में सही स्थिति का पता चलेगा।

लेखपालों को इस कार्य का अनुभव होता है। उन्हें सर्वे से मुक्त करने की वजह से प्रक्रिया प्रभावित हुई है। फिर भी अन्य कर्मियों से सर्वे कराया करा रहे है। समय बढ़ाया जा सकता है।

-अनिल कुमार सागर, स्टेट नोडल ऑफीसर, डिजिटल एग्रीकल्चर

मनरेगा एक्ट के अनुसार रोजगार सेवकों ने अन्य कार्य नहीं ले सकते हैं। इसे जॉब चार्ट में जोड़कर कराया जाए। अच्छे मोबाइल देकर प्रोत्साहन राशि बढ़ाएं। सुरक्षा की दृष्टि से बीमा भी कराया जाए।

-भूपेश कुमार सिंह, प्रदेश अध्यक्ष, ग्राम रोजगार सेवक संघ

सिटी ब्रीफ

मोबाइल लूट का विरोध करने पर ट्रेन से दिया धक्का

बरेली, अमृत विचार : मुरादाबाद के थाना भगतपुर क्षेत्र के गांव महेशपुर निवासी अंकित का मंगलवार सुबह ट्रेन में कुछ लुटेरों ने मोबाइल छीन लिया। उसके बाद उसे ट्रेन से धक्का दे दिया, जिससे वह घायल हो गया। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल ने बताया कि वह एक फैक्ट्री से काम खत्म कर ट्रेन से घर लौट रहा था। रास्ते में कुछ लुटेरे मिले, जिन्होंने पहले उससे 50 रुपये मांगे, न देने पर उसका मोबाइल छीन लिया। उसने हिम्मत दिखाते हुए पीछा किया। इसी दौरान लुटेरे ने अपने साथियों की मदद से उसे सुभाषनगर स्थित अंधी पुलिया के पास चलती गाड़ी से धक्का दे दिया। जिससे वह घायल हो गया।

पोर्च को गोदाम बता निकाली 1.42 लाख स्टांप शुल्क की कमी

बरेली, अमृत विचार : अपर जिलाधिकारी कोर्ट संतोष कुमार सिंह ने सहायक महानिरीक्षक निबंधन की उस आख्या को निरस्त कर दिया, जिसमें मोहल्ला कटरा चांद खां में खरीदी आवासीय भूमि का कुछ हिस्सा व्यावसायिक भूमि बताते हुए क्रेता पर 1.42 लाख का जुर्माना लगाया था। तहसीलदार सदर की आख्या से स्पष्ट हुआ कि व्यावसायिक भूमि का कोई हिस्सा नहीं है। जिसे गोदाम दर्शाया, वह पोर्च है, उसमें गाड़ियां खड़ी होती हैं।

प्रेमिका से मिलने गए युवक को धारदार हथियारों से किया घायल, हालत गंभीर

लहूलुहान करने के बाद घर के बाहर फेंका, ऋषिकेश एम्स में भर्ती कराया गया

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

- गर्दन पर धारदार हथियार से हमला, हाथ की नसें भी काटीं
- युवक के पिता ने महिला, उसके पति व परिवार के खिलाफ दी तहरीर

अमृत विचार : ग्राम शरीफनगर निवासी युवक अपनी प्रेमिका से मिलने उसके घर पहुंच गया। प्रेमिका के पति ने उसे पकड़ लिया और मार पीटकर गंभीर रूप से घायल कर घर के बाहर सड़क पर फेंक दिया।

घायल युवक को आसपास के लोगों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। गंभीर हालत देख चिकित्सकों के भी हाथ पैर फूल गए। उसकी गर्दन में धारदार हथियार से हमला किया गया था। एक हाथ की नसें भी काटी थीं। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद फायर सेंटर रेफर कर दिया। परिजन काशीपुर निजी चिकित्सालय लेकर पहुंचे जहां से उसे ऋषिकेश एम्स भेज दिया। ठाकुरद्वारा के ग्राम शरीफनगर निवासी शहनवाज पुत्र शमसुल हक नगर के एक अस्पताल में कंपाउंडर है। उसका नगर के मोहल्ला जमुना वाला में एक विवाहिता से काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। महिला का पति सऊदी अरब में काम करता है। इसी दौरान वह महिला से मिलता रहता था। एक-दो दिन पहले ही पति सऊदी अरब से घर आया है। पति को प्रेम प्रसंग की जानकारी हुई तो उसने बहाने से पत्नी से युवक को घर बुलवाया। जैसे ही शहनवाज पहुंचा उस पर प्राण घातक हमला कर दिया। धारदार हथियार से मारपीट में वह गंभीर घायल हो गया। घायल के पिता शमसुल हक ने पुलिस को तहरीर में युवती के परिजनों, पति व अन्य पर षड्यंत्र रचकर हत्या की कोशिश करने के गंभीर आरोप लगाये हैं। पिता ने तहरीर में कहा कि उनका पुत्र सोमवार की सुबह करीब 10 बजे अस्पताल गया था। दोपहर करीब 1 बजे परिजनों को सूचना मिली कि शहनवाज गंभीर हालत में सरकारी अस्पताल ठाकुरद्वारा में भर्ती है। वे पहुंचे तो देखा कि उसकी गर्दन व हाथ की नसें कटी हुई थीं। हालत गंभीर होने पर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। आरोप लगाया कि महिला और उसके पति ने परिवार के सहयोग से षड्यंत्रपूर्वक शहनवाज को घर बुलाकर धारदार हथियारों से हमला कर दिया और घायल हालत में घर के सामने डाल दिया। उसे ऋषिकेश स्थित एम्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है

अस्पताल में भर्ती शहनवाज।

जहां हालत चिंताजनक बनी है। पुलिस ने तहरीर लेकर जांच शुरू कर दी है।

रकम हड़पने में एक वर्ष कैद, 10 लाख का जुर्माना

विधि संवाददाता, बरेली: साले से रकम उधार लेकर हड़पने और गलत हस्ताक्षर कर देने पर दो चेक बाउंस मामले में स्पेशल जज एनआई एक्ट हरिहर प्रसाद यादव ने बहेड़ी के ग्राम जोखनपुर निवासी फजाउल मुस्तफा को परीक्षण में दोषी पाते हुए 10 लाख 10 हजार रुपये जुर्माने और एक वर्ष कैद की सजा सुनायी। 10 लाख वादी मुकदमा को मिलेंगे और 10 हजार रुपये राजकोष में जमा किए जाएंगे।

देवरनियां गिरधरपुर निवासी इब्राहिम ने चेक बाउंस होने पर वर्ष 2022 में स्पेशल कोर्ट में अर्जी देकर बताया था कि फजाउल मुस्तफा उसका बहनोई है। मकान खरीदने के लिए उसने 6 लाख 40 हजार रुपये उससे उधार लिए थे। वायदे के मुताबिक जब पैसे वापस मांगे तो उसके बदले में एक्सिस बैंक शाखा बहेड़ी के दो चैक हस्ताक्षर करके 25 अप्रैल और 30 अप्रैल 2020 को 3 लाख 25 हजार रुपये और 3 लाख 15 हजार रुपये के दिये थे। जब अपने खाते में चेक पेश किये तो हस्ताक्षर भिन्न होने की टिप्पणी के साथ बाउंस हो गए।

दिवाली छठ पर दिसंबर तक चलेगी पूजा स्पेशल ट्रेन

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- मुंबई सेंट्रल-कानपुर अनवरगंज-मुंबई सेंट्रल साप्ताहिक ट्रेन के संचालन की अवधि बढ़ाई

अमृत विचार: पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल ने दशहरा, दीपावली और छठ पूजा के अवसर पर यात्रियों की बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए मुंबई सेंट्रल-कानपुर अनवरगंज-मुंबई सेंट्रल साप्ताहिक पूजा स्पेशल ट्रेन के संचालन की अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया है। अब यह ट्रेन दिसंबर के अंतिम सप्ताह तक चलेगी।

जानकारी के अनुसार 09185 मुंबई सेंट्रल-कानपुर अनवरगंज पूजा स्पेशल 28 दिसम्बर तक प्रत्येक रविवार को मुंबई सेंट्रल से सुबह 11 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन बोरीवली, वापी, वलसाड, सूरत, बड़ोदरा, रतलाम, कोटा, गंगापुर सिटी, भरतपुर, मथुरा जंक्शन, मथुरा कैंट, हाथरस सिटी, कासगंज, फरुखाबाद और कन्नौज होते हुए दूसरे दिन दोपहर 3:35 बजे कानपुर अनवरगंज पहुंचेगी।

वापसी यात्रा में 09186 कानपुर अनवरगंज-मुंबई सेंट्रल पूजा स्पेशल 29 दिसंबर तक प्रत्येक सोमवार को शाम 6:25 बजे कानपुर अनवरगंज से रवाना होगी। यह ट्रेन बिल्हौर, कन्नौज, फर्रुखाबाद, कासगंज, हाथरस सिटी, मथुरा कैंट, मथुरा जंक्शन, भरतपुर, गंगापुर सिटी, कोटा, रतलाम, बड़ोदरा, सूरत, वलसाड और बोरीवली होते हुए अगले दिन रात 8:55 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। इस विशेष ट्रेन में कुल 20 कोच लगाए जाएंगे। इनमें 1 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 3 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 12 स्लीपर, 2 साधारण द्वितीय श्रेणी और 2 एसएलआरडी कोच शामिल होंगे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित करना है कि मैं प्रमोद कुमार S/o श्री स्व जंग बहादुर निवासी मो0 नेहरू नगर पोस्ट/तहसील-ताण्डा जनपद-आंबेडकर नगर (उ0प्र0) का स्थाई निवासी हूँ। माह अप्रैल 2025, से एक फर्म D.P.A. दिवाकर सिंह उर्फ टोनी और प्रमोद कुमार तथा अरूण कुमार सिंह (तीनों लोग) द्वारा पार्टनरशिप में संचालित की जा रही है। फर्म का बैंक खाता का संचालन दिवाकर सिंह तथा प्रमोद कुमार द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा था। मैं प्रमोद कुमार अब इस फर्म D.P.A. से त्याग पत्र दे रहा हूँ क्योंकि मैं बरेली से लगभग 500 किमी0 दूर ताण्डा आम्बेडकर नगर (उ0प्र0) में रहता हूँ तथा अस्वास्थ्य भी रहता हूँ। मेरे द्वारा माह जून से इस फर्म में कोई भी काम नहीं किया गया है। मात्र एक चेक बुक मेरे द्वारा हस्ताक्षर करके श्री दिवाकर सिहं उर्फ टोनी को दे दिया गया था। श्री दिवाकर उक्त खाते का संचालन कर रहे थे। एक चेक बुक के अलावा मेरे द्वारा कोई अन्य चेक बुक पर हस्ताक्षर नहीं किये गए है। अब भविष्य में फर्म के किसी भी कार्य से मेरा कोई लेना-देना नहीं है।

मैं प्रमोद कुमार S/o श्री स्व जंग बहादुर निवासी मो0-नेहरू नगर पोस्ट/तहसील-ताण्डा जनपद-आंबेडकर नगर (उ0प्र0)

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/आर.एस.पी., पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदाएँ आमंत्रित करते हैं : **क्रम सं. : 1, ई-प्रापण निविदा संख्या :** NER-GKP-RSP-2025-17, **कार्य का नाम :** पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के गोण्डा–बाराबंकी खंड में एल.सी. संख्या 317/ए और एल.सी. संख्या 306/ए के स्थान पर दो एंड–टू–एंड लाइट रोड ओवर ब्रिज (एलआरओबी) का निर्माण, जिसमें पहुँच मार्गों में आरई वॉल/कम्पोजिट गर्डर और रेलवे हिस्से में आरडीएसओ के कैमल बैक ट्रस प्रकार के गर्डर का उपयोग शामिल है, **अनुमानित निविदा मूल्य** : रु. 47,29,27,466.48, **बयाना राशि** : रु. 25,14,600.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** रु. 0.00 शून्य, **कार्य पूर्ण करने की अवधि** : 24 महीने। • बिड प्रारम्भ करने की तिथि - **दिनांक 11.09.2025** • उपरोक्त ई-निविदा सबमिशन की अन्तिम तिथि - **दिनांक 25.09.2025, 15:00 बजे तक** • उपरोक्त ई-निविदा खुलने की तिथि - **दिनांक 25.09.2025, 15:00 बजे** • निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट http://ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होंगे।

अधिशासी अभियन्ता/निर्माण/आर.एस.पी.
मुजाधि/डब्ल्यू-242 पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेंडरिंग निविदा सूचना सं. 40/2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (इंजी०) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई–टेंडरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते हैं। **क्र.सं. 1. कार्य का विवरण:** मैण्डू बैलास्ट डिपो पर अद्यतन संशोधित पर्ची सहित, आर.डी.एस.ओ. के लेटेस्ट बैलास्ट स्पेशीफिकेशन के अनुसार मशीन से तोड़ी गई 65 एम.एम. साइज ट्रैक पत्थर गिट्टी (75,000 घन मी.) की आपूर्ति एवं चट्टा लगाई तथा उपरोक्त को सभी तरह के रेलवे वैगनों में लदाई। **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹9,60,74,250/-; **बयाना राशि (₹में):** ₹6,30,400/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्यः** शून्य; **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः** 10 माह। **क्र.सं. 2. कार्य का विवरण:** इज्जतनगर डिवीजन के अन्तर्गत ऑटो कोरिनेटर्स के लिए ए.एम.सी. एवं सोडियम हाइपोक्लोराइड की आपूर्ति (इज्जतनगर, बरेली सिटी, बदायूँ, कासगंज, मथुरा, पीलीभीत, काठगोदाम, फतेहगढ़ एवं कन्नौज में 3 वर्षों के लिए कुल 43 पम्पिंग स्टेशन)। **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹1,07,02,553.20; **बयाना राशि (₹में):** ₹2,03,500/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्यः** शून्य; **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः** 36 माह। **क्र.सं. 3. कार्य का विवरण:** इज्जतनगर डिवीजन में स.मइं/लाइन/इन. के अनुभाग के अन्तर्गत मीडियम लेवल प्लेटफॉर्म को हाई लेवल प्लेटफॉर्म एवं रेल लेवल प्लेटफॉर्म को हाई लेवल प्लेटफॉर्म तक उठाने का कार्य। (घटपुरी, मकरन्दपुर, वितरोइ, सोरो एवं बदायूँ स्टेशनों का)। **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹10,27,49,601.62; **बयाना राशि (₹में):** ₹6,63,800/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्यः** शून्य; **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः** 10 माह। **1.** क्रम सं. 1 व 2 की ई–निविदा दिनांक 22.09.2025 को 15:00 बजे तक आन लाइन जमा कर सकेंगे। **2.** क्रम सं. 3 की ई–निविदा दिनांक 24.09.2025 को 15:00 बजे तक आन लाइन जमा कर सकेंगे। **3.** ई–निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

मण्डल रेल प्रबंधक/(इंजी०)
मुजाधि/डब्ल्यू–243 इज्जतनगर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

गोमांस पकड़कर दबाया, पाकबड़ा थाना प्रभारी समिति 10 पुलिसकर्मी सस्पेंड

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- पुलिस वालों ने गाड़ी भी गायब की, एसपी ने की कड़ी कार्रवाई विभागीय जांच बैठाई

अमृत विचार: पाकबड़ा थाना पुलिस की बड़ी करतूत उजागर हुई है। गोमांस से भरी गाड़ी पकड़ने के बाद मांस को मिट्टी में दबा दिया और गाड़ी कहीं छिपा दी।

मामला सामने आने पर एसएसपी सतपाल अंतिल ने कड़ा एक्शन लेते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार, चौकी प्रभारी अनिल तोमर समेत 10 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर विभागीय जांच बैठा दी है। थाना पाकबड़ा क्षेत्र के उमरी सब्जीपुर के जंगल में सोमवार रात करीब 1:45 बजे एक होंडा सिटी कार गुजर रही थी। संदिग्ध कार को देख यूपी डायल 112 पीआरवी पुलिस वहां पहुंची तो कार सवार वहां से भाग निकले। जिसके बाद पीआरवी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने ग्रोथ सेंटर चौकी प्रभारी अनिल तोमर को मामले की जानकारी दी।

> थाना पाकबड़ा पुलिस द्वारा गोकशी के मामले में लापरवाही की सीओ से जांच कराई गई। जांच रिपोर्ट के आधार पर एसएचओ पाकबड़ा, ग्रोथ सेंटर चौकी प्रभारी समेत 10 पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया है। किसी भी पुलिसकर्मी की लापरवाही और अनुशासनहीनता बर्दास्त नहीं की जाएगी। जो भी ऐसे काम करेगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।
>
> –सतपाल अंतिल, एसएसपी

चौकी प्रभारी अपनी टीम के साथ पहुंचे और एसएचओ मनोज कुमार को सूचना दी। एसएचओ भी टीम के साथ पहुंच गए। थाने की सेंकेड मोबाइल टीम भी आ गई। सभी ने कार को चेक किया तो उसमें गोमांस लदा था। नियमानुसार पुलिस को कार को मांस समेत कब्जे में लेकर अधिकारियों को सूचना देना था लेकिन पाकबड़ा पुलिस ने ऐसा नहीं किया। पुलिसकर्मियों ने चुपचाप गड्ढा खुदवा कर मांस को दबा दिया। बाद में कार को भी थाने की बजाय कहीं और खड़ा कर दिया। आरोप है कि पुलिस ने इस मामले में सौदेबाजी भी शुरू कर दी। मंगलवार दोपहर किसी ने इस मामले की जनकारी एसएसपी सतपाल अंतिल को दे दी।

गोतस्करों की तलाश में एसओजी

पाकबड़ा में गोमांस लदी गाड़ी मिलने को एसएसपी सतपाल अंतिल ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने जांच कराई तो पता चला कि यह गोकशी अमरोहा के गजरौला क्षेत्र में कहीं हुई थी। वहां से गोमांस लेकर तस्कर कार से कुन्दरकी की ओर जा रहे थे। कार भी कुन्दरकी के मोहल्ला सादात निवासी किसी मोहम्मद शमी के नाम रजिस्टर्ड मिली है। इस मामले में एसएसपी ने एसओजी टीम को आरोपियों की तलाश के लिए लगा दिया है। थाने में मुकदमा भी दर्ज कराया गया है।

खाना बनाते समय सिलेंडर में लगी आग धमाके से मचा हड़कंप

बरेली, अमृत विचार : शीशगढ़ थाना क्षेत्र में एक घर में रसोई में खाना बनाते समय गैस सिलेंडर लीक होने से अचानक आग लग गई। आग लगते ही घर में मौजूद लोगों ने भाग कर अपनी जान बचाई। देखते ही देखते सिलेंडर की आग बढ़ती गई और ब्लास्ट हो गया।

मोहल्ला जाटवान निवासी घनश्याम राजपूत ने बताया कि उनकी पत्नी मंगलवार सुबह करीब 11 बजे खाना बना रही थीं। इसी दौरान भरे सिलेंडर से अचानक गैस लीक होने लगी और आग लग गई। आग लगने के थोड़ी देर बाद जोरदार धमाका हुआ। देखते ही देखते आग ने रसोई को अपनी चपेट में ले लिया। परिवार ने गीले कपड़े और बोरी डालकर आग बुझाने की कोशिश की, मगर लपटें इतनी तेज थीं कि काबू नहीं हो सका। इसी बीच सूचना पर पहुंची पुलिस और फायर की टीम ने आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। पुलिस की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया।

नशा मुक्ति केंद्र में युवक की गला रेतकर हत्या

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- आरोपी ने युवक को कमरे में बंदकर खिड़की का शीशा तोड़कर गला रेता
- मृतक बरेली का रहने वाला, 13 अगस्त को ही केंद्र में भर्ती किया गया था

अमृत विचार: सिविल लाइंस थाना क्षेत्र की रामगंगा बिहार केसरी कुंज कॉलोनी स्थित नशा मुक्ति केंद्र में मंगलवार की रात उस समय सनसनी फैल गई, जब एक युवक ने अपने ही साथी की गला रेतकर हत्या कर दी। वारदात के बाद कॉलोनीवासियों में दहशत फैल गई और उन्होंने नशा मुक्ति केंद्र को कॉलोनी से हटाने की मांग की।

सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता ने बताया कि हत्या आरोपी भानु प्रताप सिंह जिला अमरोहा का रहने वाला है और पिछले आठ महीने से उक्त नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती था। जबकि मृतक अरुण पटेल बरेली का रहने वाला था, जिसे 13 अगस्त को केंद्र में भर्ती किया गया था। मंगलवार को ही भानु प्रताप के पिता सत्यवीर सिंह मुलाकात करने आए थे और दवाइयां देकर लौट गए थे। रात लगभग 9 बजे भानु प्रताप ने अरुण पटेल को कमरे में बुलाया और दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। इसके बाद खिड़की का शीशा तोड़कर उसी से अरुण पटेल का गला रेत दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही सीओ कुलदीप कुमार गुप्ता पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है, वहीं आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। कॉलोनीवासियों ने नशा मुक्ति केंद्र की गतिविधियों से लगातार हो रही परेशानियों का हवाला देते हुए प्रशासन से मांग की है कि केंद्र को कॉलोनी से हटाया जाए।

बैंक में छापा मार सीबीआई ने मैनेजर को रिश्वत लेते पकड़ा

संभल/चंदौसी, अमृत विचार: चंदौसी के संभल गेट स्थित प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक में सीबीआई की टीम ने छापेमारी कर 30 हजार की रिश्वत लेते हुए बैंक प्रबंधक को पकड़ा है। टीम ने बैंक प्रबंधक व फील्ड ऑफिसर के घरों पर भी सघन तलाशी ली है। देर रात तक टीम कार्रवाई में जुटी रही।

मंगलवार को दोपहर 1:30 बजे बैंक के बाहर सीबीआइ की टीम घूमती रही। दोपहर बाद टीम ने बैंक में प्रवेश किया तो बैंक मैनेजर पिंकेश और फील्ड ऑफिसर को युवक से लोन स्वीकृत करने के नाम पर तीस हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। बैंक मैनेजर व फील्ड ऑफिसर द्वारा लोन मंजूर करने के बदले रिश्वत मांगने की शिकायत सीबीआई से की गई थी। बैंक में कार्रवाई से ही सीबीआई की टीम ने मैनेजर और फील्ड ऑफिसर के घर पर भी छापे मारे। देर रात तक दोनों से टीम पूछताछ करती रही। सीबीआई अधिकारी मीडिया से बात करने से बचते रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/आर.एस.पी, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–प्रापण निविदाएं आमंत्रित करते है।, **क्रम सं.:– 1., ई– प्रापण निविदा संख्या:**–NER-GKP-RSP-2025-18, **कार्य का नाम:**– पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के गोरखपुर–गोंडा – बाराबंकी खंड में एल.सी. संख्या 215/सी और एल. सी. संख्या 310/सी के स्थान पर दो एंड–टू– एंड लाइट रोड ओवर ब्रिज (एलआरओबी) का निर्माण, जिसमें पहुंच मार्गों में आरई वॉल/कम्पोजिट गर्डर और रेलवे हिस्से में आरडीएसओ के कैमल बैक ट्रस प्रकार के गर्डर का उपयोग शामिल है।, **अनुमानित निविदा मूल्य:**–471169333.12, **बयाना राशि:**–2505900.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू०):**– 0.00 शून्य, **कार्य पूर्ण करने की अवधि:**– 24 महीने, • बिड प्रारम्भ करने की तिथि–दिनांक 16.09.2025, • उपरोक्त ई–निविदा सबमिसन की अन्तिम तिथि–दिनांक 30.09.2025, 15:00 बजे तक, • उपरोक्त ई–निविदा खुलने की तिथि–दिनांक 30.09.2025, 15:00 बजे, • निविदा सूचना योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्ते वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है।, • निविदा सूचना में यदि हिंदी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

अधिशासी अभियन्सी/निर्माण/आर.एस.पी
मुजाधि/डब्लू–241 गोरखपुर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

अंजुमन शरीयत के दायरे में निकालें जुलूस

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: इस्लामी इतिहास का अहम महीना 1500 वां ईद मिलादुन्नबी इस बार बड़ी शानो-शौकत और रिवायती अंदाज में मनाया जाएगा। इस मौके पर शहर के पुराने और नए इलाकों में खूबसूरत सजावट की जाएगी। अंजुमनों के साथ-साथ जमात रजा-ए-मुस्तफा के पदाधिकारी भी कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

जमात रजा-ए-मुस्तफा के राष्ट्रीय महासचिव फरमान हसन खान फरमान मियां ने देशवासियों को ईद मिलादुन्नबी की दिली मुबारकबाद दी। उन्होंने कहा कि यह दिन हमारे लिए रहमतों और बरकतों से भरा हुआ है। उन्होंने जुलूस में आने वाली सभी अंजुमनों से अपील की कि वह किसी तरह के हथियार लेकर नहीं आए किसी भी तरह के शोर-शराबे के साथ अंजुमन जुलूस में शामिल न करें और अपने निर्धारित रास्ते पर जुलूस को ले जाएं। पैगंबर ए इस्लाम की मोहब्बत में सभी लोग सादगी के साथ दुरूद शरीफ पढ़ते हुए जुलूस में शामिल हों। सभी लोग भाईचारे, अमन और मोहब्बत का पैगाम आम करें।

सट्टा माफिया तन्नू का साम्राज्य होगा खत्म

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- गैंगस्टर एक्ट के मामले में कोर्ट में आत्मसमर्पण कर गया है जेल
- हत्या समेत एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं सट्टा किंग पर

अमृत विचार : बारादरी थाना क्षेत्र के गंगापुर निवासी सट्टा माफिया एवं गैंगस्टर जगमोहन उर्फ तन्नू के साम्राज्य को खत्म करने के लिए पुलिस ने उसकी संपत्ति जब्त करने के लिए चिह्नीकरण शुरू कर दिया है। तन्नू ने सोमवार को कोर्ट में आत्मसमर्पण किया था। उसपर हत्या समेत एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।

बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडे ने बताया कि गंगापुर निवासी सट्टा माफिया जगमोहन के खिलाफ 28 मई को गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की गई थी। गैंगस्टर एक्ट की विवेचना इज्जतनगर थाना प्रभारी बिजेन्द्र सिंह कर रहे हैं। इस गिरोह का लीडर विनय और सदस्य नितिन और राहुल जेल में हैं, जबकि भगवान स्वरूप उर्फ लाले कोर्ट से जमानत पर बाहर चल रहा है। गैंगस्टर मामले में सट्टा माफिया तन्नू ही वांछित चल रहा था। पुलिस की लगातार दबिश से वह सोमवार को कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने तन्नू समेत उसके परिवार के अन्य सदस्यों की संपत्ति चिह्नित करने का काम शुरू कर दिया है। जल्द ही संपत्ति चिह्नित कर जब्त की जाएगी। सट्टे के काम से उसके करोड़ों रुपयों की संपत्ति जुटाने की चर्चा है।

किराए के मकान में सट्टा, गली-गली फील्डर : जगमोहन जेल से छूटकर दोबारा से जुआ और सट्टे के धंधे में लिप्त हो गया था। आरोप है कि वह अपनी पत्नी और भाई के साथ मिलकर गंगापुर में सट्टा लगवा रहा था। पुलिस ने दबिश देकर मौके से दो लोगों को गिरफ्तार किया था। पुलिस के अनुसार तन्नू ने गंगापुर की संकरी गली में किराए पर मकान ले रखा था। यहां वह सट्टा व जुआ साथ में खिला रहा था। उसने मकान के आगे और पीछे दोनों ओर से घर के दरवाजे बंद कर लिए थे। केवल चुनिंदा लोगों को ही अंदर आने जाने की इजाजत मिलती थी। उसके पास 50 से अधिक फील्डर हमेशा रहते हैं। जो चौकी से लेकर थाने के बाहर तक सक्रिय रहते हैं। पुलिस की गाड़ी निकलने से लेकर कौन-कौन उस गाड़ी में है।

पोल पर चढ़े लाइनमैन की करंट लगने से मौत

बरेली, अमृत विचार : इज्जतनगर थाना क्षेत्र में साथियों के साथ बिजली पोल पर काम कर रहे बिजनौर के गांव भगौड़ा थाना चांदपुर निवासी सनी (27) को करंट लग गया और वह पोल से नीचे गिर गया। पुलिस ने उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

साथी दुकानदार की मौत से बाजार में आक्रोश

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- रोजगार छिनने से तनाव में चल रहा था दुकानदार

अमृत विचार: न्यू मॉडल कॉलोनी रेलवे कैंटीन बाजार में साथी दुकानदार कमलेश की सोमवार को मौत से व्यापारियों के बीच गहरी निराशा और आक्रोश है।

पूरे बाजार में मातम और असुरक्षा का माहौल है। दुकानदारों ने डीआरएम से जल्द निर्णय लेकर उन्हें राहत देने की गुहार लगाई है। उनका कहना है कि रोजगार पर मंडरा रहा संकट परिवारों को आर्थिक और मानसिक तौर पर तोड़ रहा है। मृतक दुकानदार पिछले कुछ समय से तनाव में थे। साथियों का कहना है कि प्रशासनिक अनिश्चितता और रोजगार छिनने के भय ने उनकी स्थिति बिगड़ गई थी। अब बाकी दुकानदार भी चिंता में डूबे हैं। किसी को बेटी की शादी करनी है, किसी को बीमार परिजन का इलाज कराना है, तो किसी पर परिवार की पढ़ाई-लिखाई की जिम्मेदारी है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, शाहजहॉपुर

पत्रांक : 3122/ई0–टेण्डर/4ए दिनांक: 27.08.2025

ऑन–लाइन अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, शाहजहॉपुर के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन लाइन ई–निविदा दिनांक 04.09.2025 से दिनांक 16.09.2025 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 16.09.2025 को ही अपरान्ह 12:30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्रम सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	निविदा की जमानत धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (टेण्डर फीस + स्टेशनरी चार्ज+जी0एस0टी0	कार्य पूर्ण करने का समय	फर्म/ठेकेदारों का आवश्यक पंजीकरण
		3	6	7	8	9
1	एम0डी0आर0–104सी के किमी0–13 से गढ़िया रंगीन (अन्य जिला मार्ग) मार्ग पर रोड सेफ्टी का कार्य।	32.30	3.24	944.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (रोड सेफ्टी कार्य हेतु)
2	एन0एच0–24 वाया ढकिया परवेजपुर हिसमाह, किशुरिहाई मार्ग से एस0एच0–29 तक (अन्य जिला मार्ग) मार्ग पर रोड सेफ्टी का कार्य।	24.40	2.44	944.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (रोड सेफ्टी कार्य हेतु)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.inपर लॉग ऑन किया जा सकता है।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0
शाहजहॉपुर

UP – 237380 **दिनांक:** 01/09/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

बरेली कॉलेज की प्रतिष्ठा बचाने को डीएम से गुहार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- डीएम को लिखे गए पत्र में बरेली कॉलेज की स्थिति को लेकर प्राचार्य का झलका दर्द

अमृत विचार : 188 साल के बरेली कॉलेज की आर्थिक हालत खराब है। नगर निगम ने 27 करोड़ रुपये का टैक्स जमा न करने पर कॉलेज के 38 बैंक खाते सीज करने से महाविद्यालय प्रबंधन की स्थिति और दयनीय हो गयी है। बिगड़ रही स्थिति पर प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश राय ने जिलाधिकारी अविनाश सिंह को तीन पेज की चिट्ठी लिखी है। डीएम से नगर निगम की ओर से आरोपित टैक्स को उत्तर प्रदेश शासन से माफ कराने और अंतिम निर्णय न होने तक कॉलेज के खातों पर लगाई रोक हटवाने की मांग की है।

बरेली कॉलेज के प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश राय ने जिलाधिकारी को लिखी चिट्ठी में कहा है कि सामाजिक एवं शैक्षिक कल्याण के लिए 1837 से बरेली कॉलेज संचालित है। नगर निगम ने 27 करोड़ रुपये के टैक्स बकाये में कॉलेज के 38 खाते कुर्क कर दिए हैं। निगम ने कॉलेज के सरल संचालन पर बिल्कुल भी विचार नहीं किया, जबकि उच्च न्यायालय इलाहाबाद ने अपने आदेश में साफ कहा है कि शासन-प्रशासन बरेली कॉलेज के सरल संचालन में व्यवधान उत्पन्न नहीं करेगा। इस बारे में महापौर और नगर आयुक्त से मिलकर टैक्स माफ करने का आग्रह भी किया गया, लेकिन इस पर कोई सुनवाई नहीं हुई।

प्राचार्य ने बताया है कि आजाद छात्रावास जर्जर हालत में है। इसकी मरम्मत कराने की आवश्यकता है। महाविद्यालय के पास धन का अभाव होने के कारण इसको संचालित नहीं किया जा रहा है। कॉलेज के वित्त पोषित और स्ववित्त पोषित पाठ्यक्रमों का शुल्क काफी कम है जो कॉलेज को संचालित करने का एकमात्र आय का स्रोत है। इस स्रोत से कॉलेज में संविदा पर कार्य करने वाले शिक्षकों, कर्मचारियों का वेतन जारी होता है।

अधिकांश भवन जर्जर छतें भी टपक रहीं

तरणताल और जिम्नेजियम चालू हालत में नहीं हैं। कॉलेज के पास खेल मद में इतनी धनराशि विद्यार्थियों से प्राप्त नहीं होती है कि तरणताल व खेल का मैदान, जिम्नेजियम का आधुनिकीकरण एवं रखरखाव अच्छे से किया जा सके। अधिकांश भवन जर्जर हालत में हैं। इन परिस्थितियों में भी सीमित आय और संसाधनों से ही कॉलेज के विभिन्न भवनों की कमजोर छतों की मरम्मत का कार्य करा रहे हैं। कॉलेज सभागार की भी मरम्मत कराने की आवश्यकता है।

अमृत विचार

बुधवार, 3 सितंबर 2025

दुनिया जैसी है वैसी ही है। जो लोग कुछ नहीं हैं, जो खुद को कुछ नहीं बनने देते, उनके लिए इसमें कोई जगह नहीं है।

–वीएस नायपॉल, ब्रिटिश लेखक

मारक बनता मानसून

मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिनों में सूबे के दर्जन भर से अधिक जिले अतिवृष्टि की चपेट में आएंगे। मानसून बीते तीन महीनों में सामान्य से पांच फीसदी अधिक बरस चुका है। ऐसे में यह घोषणा चिंताजनक है। सितंबर में पूरे देश में वर्षा का औसत आंकड़ा लगभग 168 मिलीमीटर होता है, पर इस बार इसके 109 फीसदी बढ़ जाने का अनुमान है। सामान्य परिस्थितियों में मानसून एक सुखद अनुभूति है, लेकिन वर्तमान विषम परिस्थितियों में इसकी अचानक बढ़त भयावह है। जलजमाव, खेती-किसानी की बर्बादी, भूस्खलन, फ्लैश फ्लड, बाढ़, जलजनित बीमारियां, सर्पदंश, मनुष्यों और मवेशियों की मौतें, दुर्घटनाएं, साथ ही भारी अवसंरचनात्मक और आर्थिक नुकसान, ये सब अतिवृष्टि की लगभग अनिवार्य परिणतियां हैं। प्रधानमंत्री ने इस पर गहरी चिंता जताते हुए कहा है कि इस मानसून सीजन ने देश की कठिन परीक्षा ली है, पर भारत एकजुट होकर इसका सामना करेगा। प्रश्न यह है, कैसे? दशकों से देश इसी तरह जूझता आ रहा है, पर संघर्ष के साधन वही पुराने हैं। मानसून को रोका नहीं जा सकता। अतिवृष्टि, क्लाउड बर्स्ट या फ्लैश फ्लड की बहुत पहले सूचना और नियंत्रण संभव नहीं। तो क्या हम इनके दुष्परिणामों को कम करने के उपलब्ध उपायों को ईमानदारी और तत्परता से लागू कर रहे हैं? यदि हां, तो हर बार यह प्राकृतिक आपदा गंभीर रूप में क्यों लौट आती है? और यदि नहीं, तो बचाव के उपाय अब कब लागू होंगे?

सभी नगर निगमों को 'स्टॉर्म वाटर मैनेजमेंट मास्टर प्लान' बनाना था। कब बनेगा? हर मकान और अपार्टमेंट में रूफटॉप रेनवॉटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य करना था। यह कब तक पूरी तरह लागू होगा? स्मार्ट सिटी परियोजना में ड्रेन मैपिंग और उनका डिजिटलीकरण होना था। भूमिगत नालों और जल निकासी प्रणाली को जीआईएस तकनीक पर मैप करना था, ताकि उनका अतिक्रमण रोका जा सके और समय रहते उनकी मरम्मत हो सके। प्रगति कहां तक पहुंची? नई कॉलोनियों में भूमिगत जलाशय बनाकर वर्षा जल को संचित करने, जलजमाव रोकने की योजना सराहनीय थी, पर उसका क्या हुआ? शहरों में नालों पर स्मार्ट सेंसर और इंटरनेट ऑफ थिंग्स आधारित निगरानी से खतरे की पूर्व चेतावनी मिलती। इस दिशा में कितना काम हुआ? शहरीकरण और सड़कों के जाल से सीमेंटेड सतह बढ़ जाने से वर्षा जल जमीन में नहीं जाता। ग्रीन बेल्ट, पार्क और छिद्रयुक्त सड़कों का विकास आवश्यक है। हमने इस पर कितना ध्यान दिया?

पहले नगरों में तालाब, बावड़ी, पोखर और नहरें हुआ करती थीं, ये सभी जलस्रोत ही नहीं बल्कि बाढ़-नियंत्रण और भूजल पुनर्भरण के साधन भी थीं। आज उनकी सबसे अधिक आवश्यकता महसूस की जाती है, वे लगभग गायब ही हो गई हैं। उन्हें फिर से नहीं लाया जा सकता, लेकिन विकल्पों पर कितना काम हुआ है? कंप्यूटर मॉडलिंग और डिजिटल हाइड्रोलॉजी तकनीक से जल जमाव का पूर्वानुमान लगाने का काम किस हद तक हो रहा है? यह भी स्पष्ट नहीं है। हम इन साधनों का उपयोग कर तो रहे हैं, सवाल यह है कि क्या यह पर्याप्त हैं? अतिवृष्टि सालाना समस्या बन चुकी है, जिसके दुष्परिणाम हर वर्ष और भी पीड़ादायक होते जा रहे हैं। अब इसका स्थायी समाधान तलाशना जरूरी हो गया है।

तियानजिन में भारत का संदेश और सफलता

विवेक सक्सेना

अयोध्या

शंघाई शिखर सम्मेलन में आतंकवाद पर भारत ने जिस मजबूती के साथ पक्ष रखा और सफलता पाई, उससे वैश्विक स्तर पर भारत की साख बढ़ी है।

चीनी बंदरगाह वाला शहर तियानजिन में आयोजित दो दिवसीय शंघाई शिखर सम्मेलन (एससीओ) में आतंकवाद पर भारत को बड़ी कूटनीतिक सफलता के रूप में देखा जा रहा है। आतंकवाद पर भारत के रुख का कूटनीतिक विरोध करने वालों को यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गौर से सुनना ही नहीं पड़ा, बल्कि शंघाई सहयोग संगठन ने आतंकवाद पर भारत के रुख का समर्थन करते हुए प्रस्ताव भी पारित किया। शंघाई शिखर सम्मेलन भारत के लिए आपदा में अवसर जैसा रहा, हालांकि इसके खतरे भी कई हैं, लेकिन खतरों की चिंता न करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कूटनीतिक मुद्दे के रूप में इसे मजबूती के साथ आगे बढ़ाने की कोशिश की।

यह अवसर अमेरिकी ट्रंप प्रशासन से भारत पर किए गए टैरिफ हमले से उत्पन्न हुआ। शंघाई शिखर सम्मेलन के नजरिए से देखा जाए तो फौरी तौर पर ही सही, लेकिन वैश्विक स्तर पर इन दिनों अमेरिका थोड़ा अलग पड़ गया है। सम्मेलन में वैश्विक नेताओं के साथ चीन, रूस और भारत का एक साथ खड़ा होना अमेरिका के खिलाफ एक नए मोर्चे जैसा है। वैश्विक स्तर पर यह नया ध्रुव भी हो सकता है, जो वैश्विक परिस्थितियों को अपने हिसाब से साध सकता है। यह तीनों देश किसी न किसी रूप में महाशक्तियां हैं। सबकी अपनी क्षमताएं हैं, लेकिन इसके लिए इन तीनों को अपने व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठना होगा, हालांकि यह बहुत आसान नहीं है।

शंघाई शिखर सम्मेलन में जो एकजुटकता दिखी, इसका जवाब अमेरिका देगा, विशेषज्ञ इसकी उम्मीद करते हैं। कब, कहां और कैसे देगा? इस पर अभी मंथन कर रहे हैं। इसके लिए भी इन तीनों प्रमुख देशों को तैयार रहना होगा। नई परिस्थिति में ट्रंप को व्यक्तिगत रूप से भी झटका लगा है। उनकी भारत से नोबेल पुरस्कार के लिए सहयोग की अपेक्षा खटाई में पड़ गई। वह नोबेल पुरस्कार के लिए पीएम मोदी से समर्थन की उम्मीद रखते थे।

ट्रंप के टैरिफ हमले के बाद भारत के पास दो विकल्प थे। पहला वह अमेरिका का पिछलग्गू बनकर टैरिफ हटवाने के लिए रूस से तेल न लेने की बात मान लेता, दूसरा वह विश्व को अपनी संप्रभुता का अहसास कराए। मोदी शासन ने दूसरा विकल्प चुना। परिस्थितियां किसी हद तक पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी सरकार के कार्यकाल की याद दिलाती है, जब मिसाइल मैन डॉ. एपीजे कलाम की अगुवाई में पोखरण परमाणु विस्फोट के बाद अमेरिकी प्रशासन ने भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगा दिया था। अंतर केवल इतना है कि उस समय अमेरिकी प्रशासन ने भारत को झुकाने के लिए विस्फोट के बाद प्रतिबंध लगाया था। इस बार व्यापारिक मुद्दे पर एक बार फिर तेजी से वैश्विक स्तर पर उभर रहे भारत को झुकाने के लिए अमेरिकी प्रशासन ने पहले टैरिफ हमला कर दिया, लेकिन भारत अटल नीति की नक्शे कदम पर आगे बढ़ने लगा। झुकेंगे नहीं, 140 करोड़ का देश जवाब देगा। अमेरिकी के टैरिफ हमले ने भारत को वैश्विक स्तर पर खुलकर कूटनीतिक चालें चलने का मौका जरूर दे दिया। अब भारत ने मित्रता, अर्थव्यवस्था से लेकर आतंकवाद पर कूटनीतिक चालें चलनी शुरू कर दी हैं। शंघाई उसका पहला पड़ाव रहा, जिसका भारत ने लाभ उठाया। टैरिफ हमले के बाद साफ हो गया कि भारत और मित्र देश रूस के साथ रिश्ते पहले जैसे हैं। शंघाई में इसे और मजबूती मिली। इससे पहले भारत को अमेरिका के बहुत करीब देखा जाने लगा था। भारत ने साफ कर दिया कि ऐसा नहीं है। रूस पहले भी सबसे करीबी मित्र था और अब भी है।

चीन पर भारतीय आसानी से विश्वास नहीं कर सकते है। दिल्ली भी यह बात समझती जरूर होगी। चीन जब भी भारत के करीब आता है, वह भारत पर पीछे से छिपा वार करने से नहीं चूकता। उदाहरण के तौर पर वर्ष 2020 में गलवान घाटी में दोनों देशों के सैनिकों के बीच हुआ द्वंद्व है। कई उदाहरण और भी हैं। वर्ष 2020 के पहले भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार भारत-चीन के रिश्ते मधुर बनाने की कोशिश की थी। इसके लिए देश में कई स्तरों पर पीएम मोदी को आलोचना झेलनी पड़ी थी। परिस्थितियों ने चीन को शंघाई में भारत के साथ खड़े होने के लिए मजबूर किया। इसमें चीन के अपने निजी स्वार्थ भी हैं। अमेरिकी व्यापार नीति के साथ एशिया में बढ़ती अमेरिकी सैन्य शक्ति दूसरा कारण है।

यह वही चीन है, जो आतंकवाद जैसी वैश्विक समस्या पर संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत के प्रस्ताव का विरोध करता रहा है। भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने बगैर मौका गंवाएं, शंघाई शिखर सम्मेलन में जम्मू कश्मीर के पहलगाम हमले के जरिए आतंकवाद पर चीन के साथ पाकिस्तान को घेरने की कूटनीतिक चाल चली। उनके घर में ही एक बार फिर उनके किए का अहसास कराने की कोशिश की। शंघाई में करीब आने के बावजूद भी चीन के प्रति भारतीय रूख को संजीदा रहने की जरूरत इसलिए भी है कि चीन का आंतकवाद पर रूख ठीक नहीं रहा।

चीन 25वें शंघाई शिखर सम्मेलन में साथ रहे देशों के प्रस्ताव पर अमल करेगा और वैश्विक आतंकवाद को रोकने में साथ देगा, परिस्थितिजन्य तो हो सकता है, लेकिन जब तक आतंकवाद पर आगे उसकी रणनीति साफ न हो जाए, विश्वास करना कठिन है। फिलहाल नई परिस्थिति में शंघाई शिखर सम्मेलन में आतंकवाद पर भारत ने जिस मजबूती के साथ पक्ष रखा और सफलता पाई, उससे वैश्विक स्तर पर भारत की साख बढ़ी है। भारत ने आतंकवाद के मुद्दे पर अमेरिका को भी अहसास करा दिया है कि वह अकेले भी अपने मुद्दों पर विश्व का ध्यान ही नहीं खींच सकता, चीन और पाकिस्तान जैसे देशों को उनकी पिच पर बोल्ड करने की कूवत भी रखता है।

सोशल फोरम

घर की सांकल खुली छोड़ देने की रिवायत

जय भोले नाथ

फेसबुक

बचपन में हम देखते थे कि घर के पुरुषों के बाहर जाने पर महिलाएं कभी भी तुरंत ही दरवाजे की किवाड़ बंद नहीं करती थीं। वह हमेशा सांकल को खुली छोड़ देती थीं। कभी-कभी पुरुष कुछ दूर जाकर लौट आते थे, ये कहते हुए कि कुछ भूल गया हूं और मुस्कुरा देते थे दोनों एक दूसरे को देखकर। एक बार एक बच्चे ने अपनी मां से पूछ लिया कि मां पापा के जाने के बाद कुछ देर तक दरवाजा क्यों खुला रखती हो? उसे बंद क्यों नहीं कर देती हो। मैं बंद करने जाता हूं तो भी आप मना कर देती हो। आखिर इसकी वजह क्या है?

तब मां ने बच्चे को वो गूढ़ बात बताई, जो हमारी सांस्कृतिक विरासत है। उन्होंने बच्चे से कहा कि किवाड़ की खुली सांकल किसी के लौटने की एक उम्मीद होती है। अगर कोई अपना हमसे दूर जा रहा है, तो हमें उसके लौटने की उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिए। उसका इंतजार जीवन के आखिरी पल तक करना चाहिए।

आस और विश्वास से रिश्तों की दूरी मिट जाती है, इसीलिए मैं दिल की उम्मीद के साथ दरवाजे की सांकल भी खुली रखती हूं, वह जब भी वापस आएं तो उन्हें दरवाजा खटकाने की जरूरत न पड़े, वो खुद मन के घर में आ जाएं।

जीवन में कुछ बातें हमेशा हमें सीख देती हैं कि कोई रिश्तों से नाराज कितना भी हो, उसके लिए दिल के दरवाजे कभी भी बंद मत करो। जब कभी उसे आपकी याद आएगी, उसे आपके पास आना हो तो वो आते हुए हिचके नहीं, मस्ती में पूरे विश्वास से बिना कुंडी खटकाए दिल के अंदर सीधे आ जाए।

प्रसंगवश

देश में बढ़ रहे हैं मोटे लोग

सितंबर माह भारत में राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जाता है और इस वर्ष के 8वें राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 79वें स्वतंत्रता दिवस का संदेश विशेष रूप से प्रासंगिक हो गया है। लाल किले से प्रधानमंत्री ने राजनीतिक बयानबाजी को दरकिनार करते हुए देश की एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती पर ध्यान केंद्रित किया। भारत में बढ़ती मोटापे की दर। प्रधानमंत्री की चेतावनी महज एक राजनीतिक बयान नहीं है, बल्कि यह कठोर वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित है।

उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि बदलती जीवनशैली, उच्च कैलोरी वाले आहार और निष्क्रिय व्यवहार मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग जैसी गैर-संचारी बीमारियों की एक खतरनाक लहर पैदा कर रहे हैं। इस चेतावनी की गंभीरता राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के आंकड़ों से स्पष्ट होती है, जिसके अनुसार 24 प्रतिशत भारतीय महिलाएं और 23 प्रतिशत पुरुष अब अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त हैं। ये आंकड़े पिछले सर्वेक्षण की तुलना में काफी बढ़े हुए हैं, जो दिखाता है कि यह समस्या तेजी से बढ़ रही है और इसका समाधान तत्काल आवश्यक है।

डॉ. सुनिधि मिश्रा

लेखिका

इस स्वास्थ्य संकट की व्यापकता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यह वृद्धि केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण मोटापे की दरें भी अब शहरी आंकड़ों के बराबर पहुंच रही हैं। यह दर्शाता है कि उच्च कैलोरी आहार और कम शारीरिक गतिविधि की समस्या पूरे देश में फैल गई है, जिससे भारत की पारंपरिक स्वस्थ जीवनशैली खतरे में पड़ गई है।

इस चिंताजनक स्थिति को और भी गंभीर बनाते हुए, आईसीएमआर-इंडिया अध्ययन-2023 के अनुसार 10.1 करोड़ भारतीयों को मधुमेह है और 13.6 करोड़ लोगों को प्रीडायबिटीज है, जिसकी एक प्रमुख वजह शरीर का अतिरिक्त वजन है। यह आंकड़ा स्पष्ट करता है कि मधुमेह भारत में महामारी का रूप ले रहा है और इसकी जड़ें गलत खान-पान की आदतों में गहराई से जमी हुई हैं।

समस्या यहीं नहीं रुकती, बल्कि यह हमारी भावी पीढ़ियों को भी प्रभावित कर रही हैं। एम्स के विभिन्न अध्ययनों में स्कूली बच्चों में 5 से 14 प्रतिशत तक मोटापा देखा गया है, जो भविष्य के लिए एक गंभीर चेतावनी है और दिखाता है कि यह समस्या अगली पीढ़ी में और भी गंभीर रूप ले सकती है। इस संकट की गंभीरता को समझते हुए, प्रधानमंत्री ने एक अत्यंत व्यावहारिक और मापने योग्य समाधान प्रस्तुत किया है। घरेलू खाना पकाने के तेल की खपत में 10 प्रतिशत की कटौती। यह सुझाव इसलिए वैज्ञानिक रूप से सही है, क्योंकि पोषण विशेषज्ञ लंबे समय से अत्यधिक तेल के सेवन, विशेष रूप से संतृप्त और ट्रांस वसा से भरपूर रिफाइंड तेलों को वजन बढ़ने, कोलेस्ट्रॉल बढ़ने और हृदय संबंधी जोखिमों से जोड़ते रहे हैं। समस्या यहीं नहीं रुकती, बल्कि यह हमारी भावी पीढ़ियों को भी प्रभावित कर रही हैं।

इस राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम छोटे दैनिक बदलाव करेंगे जो दीर्घकालिक स्वास्थ्य लाभ प्रदान करेंगे। तेल की खपत में 10 प्रतिशत की कटौती जैसे सरल कदम, यदि राष्ट्रव्यापी अपनाए जाएं, तो इसका अत्यधिक सकारात्मक सामूहिक प्रभाव हो सकता है। पारंपरिक भारतीय खाना पकाने के तरीकों को अपनाना, नियमित शारीरिक गतिविधि को अपने जीवन का हिस्सा बनाना, और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों से दूर रहना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं, जिनके लिए नाटकीय जीवनशैली परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

आमने

विपक्ष ने सिर्फ मेरी मां को नहीं, बल्कि इस देश की करोड़ों माताओं को गाली दी है। उन्हें छठी मैया से माफी मांगनी चाहिए। मैं लोगों से अपील करता हूं कि वे इंडिया गठबंधन के नेताओं का जहां भी दिखें, विरोध करें।

–नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

सामने

हम गांधी के अनुयायी हैं और इसलिए हिंसा का किसी भी रूप में समर्थन नहीं कर सकते हैं, जिस तरह की शाब्दिक हिंसा हुई है, उसका हम विरोध करते हैं। इस मुद्दे पर राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। राजनीति में शालीनता जरूरी है।

–राजेश राम

अध्यक्ष, बिहार कांग्रेस

आपदाओं से बढ़ती जीडीपी नहीं होती कल्याणकारी

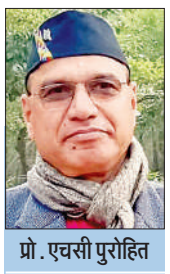

प्रो. एचसी पुरोहित

समन्वयक, हिंदू अध्ययन केंद्र, दून विश्वविद्यालय

केरल में बाढ़ के बाद पुनर्निर्माण में भारी निवेश हुआ। इससे निर्माण क्षेत्र और मजदूरी की मांग बढ़ी। आपदाओं से जीडीपी बढ़ सकती है, लेकिन यह वृद्धि विकास नहीं होती।

आज से लगभग 90 वर्ष पूर्व 1934 में अर्थशास्त्री साइमन कुजनेट्स ने 1930 की विश्वव्यापी मंदी के बाद आर्थिक विकास की गणना के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) तकनीकी को विकसित करते समय माना था कि जीडीपी को कभी भी विकास का सीधा माप नहीं मानना चाहिए, क्योंकि यह मानव कल्याण की दशा को व्यक्त नहीं करता। जॉन मेनार्ड केंस ने जीडीपी की उपयोगिता को बढ़ाने में अपना योगदान दिया।

पॉल क्रुगमैन ने जीडीपी के बारे में कहा कि यह आर्थिक गतिविधियों एवं उत्पादन को समझने का एक प्रमुख साधन है, लेकिन इसके अंतर्गत कल्याण और जीवन की गुणवत्ता का सीधा माप नहीं किया जाता, औद्योगिकीकरण से जन्मे बाजारवाद और उपभोक्तावाद के युग में उपभोक्ता की संप्रभुता बाजार को नियंत्रित कर रही है, जिसका प्रभाव न सिर्फ आर्थिक स्तर पर दिख रहा है, बल्कि यह सामाजिक मूल्यों को भी प्रभावित कर रहा है। आज समाज में समृद्धि का मापन उपभोक्ता की खर्च करने की क्षमता से आंका जाता है, जिसके कारण पूरे विश्व के उपभोक्ताओं में उपभोग की प्रतिस्पर्धा हो रही है और उपभोग पर खर्च करने की यह प्रवृत्ति जीडीपी को बढ़ाने में सहायक होती है।

अर्थशास्त्री रॉबिंस ने माना कि वस्तुओं के उपभोग के अलावा आध्यात्मिक शांति और प्राकृतिक सौंदर्य से आनंद लेना भी मनुष्य की आवश्यकता है। उपभोग के लिए बाजार में उपलब्ध वस्तुओं के अलावा मनुष्य की आवश्यकताएं प्रकृति द्वारा निःशुल्क प्रदत्त हैं, इसलिए इनका संरक्षण करने में ही शांति और आनंद प्राप्त होगा। विश्व की आर्थिक शक्तियां जीडीपी के साथ-साथ इकोलॉजी सेवाओं के मूल्यांकन से ही कल्याणकारी समाज की स्थापना कर सकती हैं। अमेरिका 30 ट्रिलियन से अधिक डॉलर के साथ विश्व की सर्वाधिक जीडीपी वाली अर्थव्यवस्था बन गया है और कार्बन उत्सर्जन में विश्व में दूसरे स्थान पर है। विश्व का लगभग 11 से 12 प्रतिशत उत्सर्जन अमेरिका के द्वारा हो रहा है। जनसंख्या की दृष्टि से प्रति व्यक्ति उत्सर्जन अनुपात में अमेरिका प्रथम स्थान पर है।

चीन 19 ट्रिलियन से अधिक डॉलर के साथ दूसरे स्थान की आर्थिक शक्ति है और अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार यह विश्व का लगभग 30 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जक देश है। हालांकि प्रति व्यक्ति उत्सर्जन अमेरिका से कम है। जीडीपी के आधार पर जर्मनी तीसरे और भारत चौथे स्थान पर है। कार्बन उत्सर्जन में भारत विश्व में तीसरे स्थान पर है, परंतु प्रति व्यक्ति उत्सर्जन की दृष्टि से इसका स्थान काफी पीछे है। विश्व के सभी देश इस दिशा में प्रगतिशील हैं कि उनकी जीडीपी कैसे बढ़े, क्योंकि आज अर्थव्यवस्थाएं पूंजीवादी रेखीय मॉडल पर आधारित हैं, जिसके अंतर्गत प्राकृतिक संसाधनों का अधिकतम दोहन कर उन्हें विभिन्न वस्तुओं में परिवर्तित एवं निर्मित करना है, जिससे वे उपभोक्ताओं के उपभोग के लिए उपलब्ध हों और उपयोग के पश्चात नष्ट कर दिए जाएं।

प्रदूषण और बीमारियों से स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च भी जीडीपी में वृद्धि माना जाता है। आपदा के बाद पुनर्वास और राहत कार्यों की गतिविधियां भी जीडीपी को बढ़ा रही हैं। इसे अर्थशास्त्र में 'क्रिएटिव डिस्ट्रक्शन' या 'रिबिल्डिंग इफेक्ट' कहा जाता है, क्योंकि आपदा के बाद सड़कों, पुलों, मकानों, बिजली और संचार जैसी अधोसंरचनाओं का बड़े पैमाने पर पुनर्निर्माण होता है। इसमें सरकार, निजी क्षेत्र और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियां भारी निवेश करती हैं, जिससे आर्थिक गतिविधियां तेज हो जाती हैं। पुनर्निर्माण कार्यों के लिए मजदूर, इंजीनियर और तकनीशियनों की मांग बढ़ जाती है। इससे निर्माण क्षेत्र और उससे जुड़े उद्योग (सीमेंट, ईंट, लकड़ी, स्टील, कांच उपकरण) को बढ़ावा मिलता है।

आपदा प्रभावित क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय मदद, बीमा कंपनियों का भुगतान और सरकारी राहत पैकेज अर्थव्यवस्था में नए पूंजी प्रवाह की तरह काम करते हैं। इस रेखीय आर्थिक मॉडल से उत्पादन क्षमता और उत्पादकता भी बढ़ सकती है, लेकिन जीडीपी बढ़ने का यह मतलब नहीं कि सब ठीक है। जापान में भूकंप और सुनामी के बाद बड़े पैमाने पर पुनर्निर्माण से जीडीपी में अस्थायी बढ़ोतरी देखी गई। केरल में 2018 की बाढ़ के बाद पुनर्निर्माण में भारी निवेश हुआ, जिससे निर्माण क्षेत्र और मजदूरी की मांग बढ़ी। आपदाओं से जीडीपी बढ़ सकती है, लेकिन यह वृद्धि 'विकास' नहीं होती, बल्कि नुकसान की भरपाई के लिए अस्थायी उछाल होती है। आपदाओं से जनित इस वृद्धि को कल्याणकारी नहीं माना जा सकता।

आपदा से निपटने के लिए हर देश द्वारा हर वर्ष करोड़ों रुपये व्यय किए जाते हैं, परंतु आपदाओं से जो मानसिक आघात पहुंचता है और जो जान-माल की क्षति होती है, उसकी प्रतिपूर्ति शायद ही कभी हो पाए। इसलिए आवश्यकता है कि प्राकृतिक आपदाओं पर नियंत्रण के लिए मानव समाज को संवेदनशीलता के साथ सामूहिक प्रयासों से नियंत्रित करना होगा। तभी आपदाओं के नियंत्रण का दीर्घकालीन समाधान संभव होगा और इसके लिए आर्थिक विकास को रेखीय मॉडल के बजाय चक्रीय (सर्कुलर) मॉडल पर मापना होगा।

सामयिकी

डिजिटल अरेस्ट: चार माह में 120 करोड़ की लूट

डिजिटल अरेस्ट के माध्यम से धोखाधड़ी के शिकंजे में आने की घटनाएं दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। खास बात यह है कि इन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए कोई ठोस उपाय अमल में नहीं आ पा रहा है। वीडियो कॉल के माध्यम से किया जाने वाला यह छल दिन प्रतिदिन अपने पांव पसारता जा रहा है। चिंताजनक बात तो यह है कि अच्छे-अच्छे बुद्धिजीवी लोग भी बंधक बनने के उपरांत अपना विवेक खो देते हैं और बलपूर्वक किए जाने वाले भयादोहन के शिकार हो जाते हैं। ये घटनाएं कहीं न कहीं इस बात की ओर भी इशारा करती हैं कि अभी हमारा साइबर सुरक्षा तंत्र पूर्णतया विकसित एवं सुदृढ़ आकार नहीं ले सका है। डिजिटल अरेस्ट को अंजाम देने वाले अपराधी प्रायः पुलिस की पकड़ में नहीं आते और सफलतापूर्वक अपने इस कुकृत्य को अंजाम देने के बाद गायब हो जाते हैं।

शिशिर शुक्ला

लेखक

आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2025 के आरंभिक चार महीनों में भारत में 120 करोड़ रुपये से भी अधिक की रकम केवल और केवल डिजिटल अरेस्ट के नाम पर लूटी जा चुकी है। जैसे-जैसे तकनीकी और इंटरनेट विकास के नए आयामों को स्पर्श कर रहे हैं, साइबर अपराध भी लगातार नए-नए रूपों को धारण करके लोगों को अपना शिकार बनाता जा रहा है। आंकड़े बताते हैं कि कुल वैश्विक डिजिटल लेनदेन का 46 फीसदी भारत में होता है। बीते हुए एक दशक में भारत में इंटरनेट का उपयोग करने वालों की संख्या 25 करोड़ से बढ़कर 95 करोड़ तक हो चुकी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास से जहां जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में हमें सुविधाओं का भंडार मिला है, वहीं अपराधों के लिए भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक मील का पत्थर साबित हुई है।

कितनी चिंताजनक बात है कि भारत में प्रतिदिन साइबर अपराधों की लगभग सात हजार शिकायतें दर्ज की जाती हैं। इन अपराधों में डिजिटल अरेस्ट एक गंभीर एवं अहम मुद्दा है। कारण यह है कि साइबर अपराधियों के लिए डिजिटल अरेस्ट सबसे आसान पैंतरा साबित हुआ है। यह साइबर अपराधियों के द्वारा अपनाई जाने वाली एक ऐसी अभिनव तकनीक है, जो बड़ी आसानी से लोगों को अपना शिकार बना लेती है। यद्यपि एक बात का उल्लेख करना उचित होगा कि डिजिटल अरेस्ट के मामलों में साइबर अपराधी कहीं न कहीं लोगों की कमजोर मानसिकता एवं दुर्बल आत्मविश्वास का भी लाभ उठाते हैं।

एक बार जब अपराधी अपने झूठे पैतरों के द्वारा व्यक्ति की मनोदशा पर हावी हो जाते हैं, तो फिर उसके बाद पीड़ित व्यक्ति उन्हीं के निर्देशों के अनुसार कदम उठाने को मजबूर हो जाता है। दूसरा महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि कई बार लोगों को अज्ञानता एवं महत्वपूर्ण जानकारी के अभाव में इस तरह की धोखाधड़ी का शिकार होने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि डिजिटल अरेस्ट की समस्या बेहद गंभीर रूप धारण कर चुकी है।

इससे निपटने के लिए किए जा रहे उपाय फिलहाल नाकाफी हैं। आवश्यकता है कि इस चुनौती से निपटने के लिए एक मजबूत साइबर सुरक्षा तंत्र विकसित किया जाए। इसके अतिरिक्त कुछ सावधानियां पीड़ित व्यक्तियों के द्वारा भी बरती जाएं, ताकि साइबर ठग डिजिटल अरेस्ट को सफलतापूर्वक अंजाम देने में नाकाम रहें। पहला तो यह कि किसी भी तरह की अनजान वीडियो कॉल आने पर उसका कोई उत्तर न दिया जाए। फिर भी यदि किसी कारणवश कॉल उठा ली गई है तो सामने वाले की बात पर आंख बंदकर भरोसा न किया जाए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

बेजोड़ कारीगरी की नायाब धरोहर कांच का मंदिर

कानपुर के कमला टावर क्षेत्र में माहेश्वरी मोहाल में स्थित कांच का मंदिर स्थानीय के साथ बाहरी पर्यटकों के लिए आकर्षण का बड़ा केंद्र है। श्री धर्मनाथ स्वामी जैन श्वेतांबर मंदिर के नाम से जाना और पहचाना जाने वाला यह दर्शनीय स्थल 155 वर्ष पुराना होने के साथ जैन धर्म का प्रमुख केंद्र है। कांच से बने इस मंदिर को जो भी देखता है, मुग्ध सा रह जाता है। इस मंदिर में कांच की बेजोड़ कारीगरी अकल्पित है। मंदिर में 15 वें तीर्थंकर धर्मनाथ स्वामी और सातवें तीर्थंकर सुपार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमाएं स्थापित हैं। इस मंदिर को कानपुर की ऐतिहासिक, धार्मिक और पौराणिक धरोहर का दर्जा प्राप्त है।

कांच की दीवारों पर राजस्थानी और ईरानी शैली की अद्भुत कला

जैन कांच मंदिर वास्तुकला और स्थापत्य कला का इतिहास बयान करता है। पूरा मंदिर कांच से बना है। इसे आगरा से आए कारीगरों ने तैयार किया था। कांच की दीवारों पर राजस्थानी और ईरानी शैली की अद्भुत कला का संगम दिखाई देता है। दीवारों पर बिहार के सम्मेद शिखर (जहां 20 तीर्थंकर को मोक्ष प्राप्त हुआ) की कलाकृति को आकर्षक तरीके से उकेरा गया है। मंदिर का फर्श सफेद संगमरमर से बना है। वास्तु और शिल्प का नायाब उदाहरण यह मंदिर शांतिपूर्ण वातावरण में कांच के जटिल काम और रंगीन चित्रों को प्रदर्शित करता है। कांच के टुकड़ों को तराश कर की गई मनमोहक चित्रकारी देखने वाली है। इसे श्री धर्मनाथ भगवान का कांच का जिनालय भी कहा जाता है। कांच और मीनाकारी की रंगबिरंगी कला का यह अद्भूत नमूना हर किसी के लिए दर्शनीय है। दीवारों पर तीर्थ स्थलों, योग के आसनों आदि का चित्रण किया गया है।

प्रस्तुतिः मनोज त्रिपाठी

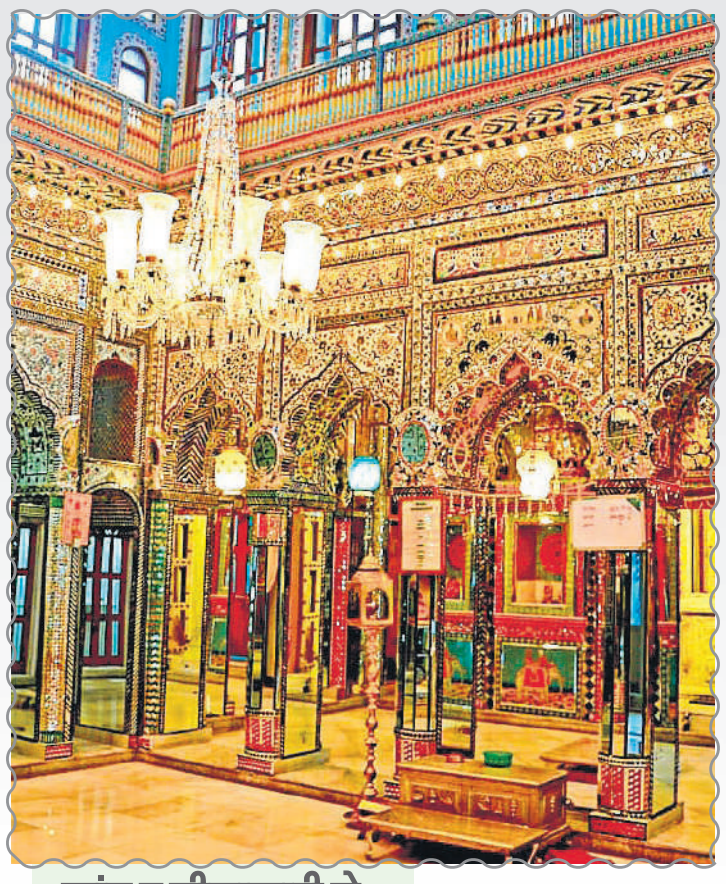

कांच व मीनाकारी से अलंकृत आभूषणों से की गई है सजावट

इस मंदिर का निर्माण प्राचीन और पारंपरिक संरचनात्मक शैली में किया गया है। मंदिर की दीवारों पर कांच और मीनाकारी से शानदार ढंग से अलंकृत व जटिल पैटर्न वाले आभूषण जड़े हुए हैं। मंदिर की पूरी संरचना कांच और मीनाकारी से निर्मित है, जो पारंपरिक स्थापत्य शैली का प्रतिनिधित्व करती है। मंदिर की दीवारें और छत उत्कृष्ट कलात्मक डिजाइनों में काटे गए दर्पणों से सुसज्जित हैं। दीवारों पर भित्ति चित्र रंगीन कांच से बने हैं। मंदिर में अलंकृत दर्पण कार्य के साथ भव्य शैली के मेहराब हैं।

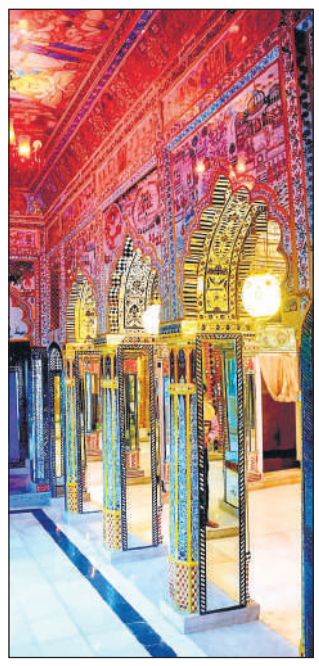

मंदिर प्रांगण में स्थित खूबसूरत बगीचा, संगमरमर की कृतियां

जैन कांच मंदिर जैन धर्मावलंबियों के लिए समर्पित है। इस मंदिर को देखने और दर्शन करने भगवान महावीर के अनुयायियों के साथ शेष 23 जैन तीर्थंकरों के अनुयायी बड़ी संख्या में आते हैं। मंदिर के सामने जहां एक धर्मशाला है, वहीं मंदिर के प्रांगण में खूबसूरत बगीचा पूरे स्थल को रमणीक बनाता है। बगीचे में संगमरमर को तराश कर कई कलाकृतियां स्थापित की गई हैं।

सुरमा बरेली वाला आंखों का है रखवाला

बरेली में सुरमा बनाने से लेकर बिकने की शुरुआत हाशमी परिवार ने की थी 'बरेली का सुरमा' किसी पहचान का मोहताज नहीं है। यह इस शहर का रिवाज और संस्कृति जैसा है, इसके चलते जो कोई बरेली आया, सुरमा साथ लेकर जरुर गया। यहां हाशमी परिवार से शुरु हुआ सुरमा बनाने का कारोबार अब पांचवी पीढ़ी संभाल रही है। बरेली में सुरमा लोगों को रेलवे स्टेशनों से लेकर बस अड्डों, बाजारों, गली-मोहल्लों की दुकानों तक पर आसानी से मिल जाता है। बड़ा बाजार, किला रोड, कुतुबखाना, पुराना शहर, सेटेलाइट हर कहीं सुरमा बिकता है। आला हजरत के उर्स में आने वाले देश-विदेश के जायरीन भी बरेली की निशानी के तौर पर सुरमा खरीदकर ले जाते हैं।-

-आसिफ अंसारी, बरेली

सुरमे का कारोबार

बरेली के सुरमा को ब्रांड बनाने वाले एम हसीन हाशमी का चार साल पहले निधन हो चुका है। एम हसीन हाशमी बरेली में सुरमा कारोबार को आगे बढ़ाने वाले हाशमी परिवार की चौथी पीढ़ी के सदस्य थे। उन्होंने 1971 में कारोबार संभालने के बाद इसे देश-विदेश तक शोहरत दिलाई। अब उनके बेटे हाजी शावेज हाशमी सुरमा का काम संभाल रहे हैं। बड़ा बाजार में सुरमा बेचने वाले व्यापारी मोहम्मद शमा हाशमी ने बताया कि सुरमा लगाने से आंखों की रोशनी बढ़ती है और सफाई भी हो जाती है। उनके पास दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरू समेत देश के कई हिस्सों से सुरमा की मांग आती है।

मीता ! पंचलैट वालेः गोधन और मुनरी की प्रेमकथा

असमानता, विपन्नता और कमतर होने से उपजे एहसास को कम करने का सफल प्रयास जब अपने चरम पर जाता है तब उपजती है कहानी 'पंचलाइट' फणीश्वरनाथ रेणु द्वारा लिखी गई कालजयी कहानी को नई नजर से मंच पर लाने का प्रयास निर्देशक लव तोमर और उनकी टीम ने किया है। नाटक का नाम- "मीता! पंचलैट वाले"। तीसरी कसम कहानी से महुआ घटवारन का प्रसंग भी कथा का हिस्सा है। यह अपने होने का सिंबॉलिज्म गोधन और मुनरी की प्रेमकथा में खोजता है, लेकिन सफल प्रेम के संदर्भ में। रचनात्मक स्वतंत्रता का प्रयोग करते हुए नाटक में कुछ घटनाएं, चरित्र और भावों का प्रयोग किया गया है, जो मूल कहानियों का हिस्सा नहीं हैं। *- फीचर डेस्क बरेली*

फणीश्वर नाथ रेणु की एक कहानी है। इस आंचलिक कहानी का का नाम है पंचलाइट। इसका समय-काल पुराना है। उन दिनों का जब गैसबत्ती या पंचलाइट को रात में रोशनी के लिए जलाया जाता था। उसे जलाना भी कमाल था। इसी को आधार बनाकर रेणु ने एक प्रेम कथा की रचना की है। उन्हीं की एक कहानी है तीसरी कसम। इन दोनों रचनाओं को मिलाकर एक नाटक रचा गया। नाम है मीता पंचलैट। अस्तिता फाउंडेशन, ड्रामा ड्रॉप आउट्स और वेग्माइन सिटी मॉल ने बरेली नाट्य महोत्सव के तहत प्रभावे ऑडिटोरियम, अर्बन हाट, बरेली में मंचन किया। नाटक में फणीरेश्वर नाथ रेणु जी की दो कहानियों पंचलाइट और तीसरी कसम को मिलाकर एक नया सिंबोलिक खोजकर नाटक को गढ़ा गया। इसमें पंचलाइट जो समस्या है वह तो है ही। साथ ही उसमें गोधन और मुनरी की प्रेम कहानी को भी स्थापित किया है। नाटक के मंचन में एक समय पंचलाइट का अभाव और प्रेम कहानी एक दूसरे के पूरक बन जाते हैं।

फणीरेश्वर नाथ रेणु की कहानी तीसरी कसम की महुआ घटवारन का प्रसंग भी जोड़ा गया। गोधन और मुनरी की प्रेम कहानी दोहराई गई है। प्यारे लाल कहानी चल रही होती है पंचलाइट के अभाव की। यहां पर इनका प्रेम पूरा होता है, जिसका कारण पंचलाइट बनती है। गांव व टोले वालों की इज्जत बच जाती है। कहानी के अनुसार गोधन गांव में रहता है, लेकिन गोधन को पंचायत से बाहर रखा और अंत में वही आगे पंचलाइट जलाता है। नाटक में गोधन को शहर भेज दिया जाता है। जहां वह अच्छे से अपना व्यापार जमा लेता है। फिर वहां से साल-डेढ़ साल बाद आकर गोधन गांव के मेले में ही पंचलाइट की दुकान खोलता है, जो कि गांव व मेले की सबसे बड़ी पंचलाइट की दुकान होती है।

पंचलाइट की आंचलिक कहानी

पंचलाइट रेणु जी की आंचलिक कहानी है। कहानी में बिहार के एक पिछड़े गांव के परिवेश का सुंदर चित्रण प्रस्तुत किया गया है। रामनवमी के मेले में महतो टोली के पंचों ने एक पेट्रोमैक्स खरीदा, जिसको गांव वाले पंचलाइट कहकर पुकारते थे। पंचलाइट खरीदने के बाद दस रुपये बचे थे, जिससे पूजा की सामग्री भी खरीदी गई। उसी में कीर्तन का आयोजन किया गया उस टोली के सभी लोग पंचलाइट देखने के लिए आ गए, लेकिन प्रश्न उठा कि इसको जलाएगा कौन ? क्योंकि खरीदने के पहले यह बात तो दिमाग में आए ही नहीं लोगों ने यह निर्णय लिया की दूसरी टोली के लोगों से नहीं जलाया जाएगा भले ही वही पड़ा रहे। आज किसी ने अपने घर ढिबरी भी नहीं जलाई थी। पंचलाइट न जलने से सभी के चेहरे उतर गए वही राजपूत टोली के लोग कहने लगे सभी लोग कान पकड़कर दस बार उठे-बैठे पंचलैट जल जाएगा, लेकिन ऐसा मजाक को भी धैर्यपूर्वक सहना पड़ा। वहीं पर गुलरी काकी की बेटी मुनरी बैठी थी। वह जानती थी कि गोधन पंचलाइट जलाना जानता है, लेकिन पंचायत ने गोधन का हुक्का पानी बंद कर रखा था, क्योंकि वह सलीमा का गाना गलियों में गाता रहता था और लड़कियों को छेड़ता रहता था। मुनारी गोधन से प्रेम करती थी। इसलिए वह अपने न कहकर अपनी सहेली कनेली को बताई। कनेली सरदार तक यह बात पहुंचा दी कि गोधन पंचलाइट जलाना जानता है, लेकिन सभी लोग सोच में पड़ गए कि गोधन को बुलाया जाए कि नहीं बुलाया जाए। अंत में लोगों ने निर्णय लिया कि उसे बुलाया जाए। सरदार ने छड़ीदार को भेजा, लेकिन उसने आने से मनाकर दिया। अंत में गुलरी काकी झोपड़ी में गई और उसे मनाकर ले आई। गोधन ने पंचलाइट में तेल भरा और पूछा स्प्रिट कहां है, सभी लोग उदास हो गए लेकिन गोधन होशियारी से गाड़ी की तेल की सहायता से पंचलाइट जला देता है। पंचलाइट के जलने से लोगों के मन में प्रसन्नता आ गई। मुनरी ने हसरत की निगाहों से उसे देखा दोनों की नजरें चार हो गई। गुलरी काकी ने शाम को उसे खाने पर बुलाया पंच भी अति उत्साहित होकर गोधन को कह देते हैं – 'तुम्हारा सात खून माफ, खूब गाओ सलीमा का गाना'।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	80,157.88	24,579.60
गिरावट	206.61	45.45
प्रतिशत में	0.26	0.18

सोना- 1,07,100 प्रति 10 ग्राम

चांदी- 1,25,500 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 3 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2600, राज श्री 1830, फॉर्चून कि. 2210, रविन्द्रा 2650, फॉर्चुन 13kg 1940, जय जवान 1960, सचिन 2040, सूरज 1960, अवसर 1865, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1880, क्लासिक (किग्रा) 2095, मोर 2150, चक्र टिन 2345, ब्लू 2110, आशीर्वाद मस्टर्ड 2460, स्वास्तिक 2540

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14500, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 400-600, मखाना 900-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छोटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9000-11100, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 10300, उड़द धोवा इंदौर 13000, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 6950, दाल चना 7500, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7000, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 9200, मोटा हीरा 11200, अरहर गोला मोटा 8500, अरहर पटका मोटा 8900, अरहर कोरा मोटा 9400, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4420, पीलीभीत 4340, सितारगंज 4300, धामपुर 4420

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 5300, मसूरी- 4100, बासमती- 9000, परमल- 3200

दाल दलहन : काला चना- 7400, साबुत चना दाल- 7100, मूंग साबुत- 9000, राजमा- 12100-14300, दाल उड़द- 9100, साबुत मसूर दाल- 7100, मसूर दाल- 7000, उड़द साबुत- 8200, काबुली चना- 10200, अरहर दाल- 11100, लोबिया/करमानी- 9200

जीएसटी सुधार से पारदर्शी बनेगी अर्थव्यवस्था

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण बोलीं- सुधार से अनुपालन बोझ में और कमी आएगी एवं छोटे व्यवसायों को होगा लाभ

चेन्नई, एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से खुला एवं पारदर्शी बनाएंगे। इससे अनुपालन बोझ में और कमी आएगी एवं छोटे व्यवसायों को लाभ होगा। तमिलनाडु स्थित सिटी यूनियन बैंक के 120वें स्थापना दिवस समारोह को केंद्रीय वितमंत्री ने संबोधित किया। कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहीं।

सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में अगली पीढ़ी के सुधारों के लिए एक कार्यबल के गठन की घोषणा की है। इसका स्पष्ट उद्देश्य नियमों को सरल बनाना, अनुपालन लागत कम करना तथा स्टार्टअप, सूक्ष्म, लघु व मझोले उद्यमों और उद्यमियों के लिए एक अधिक अनुकूल परिवेश का निर्माण करना है। इसके अतिरिक्त, अगले दो दिन होने वाली परिषद की बैठक के साथ अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों की योजनाबद्ध शुरुआत से आने वाले महीनों में अर्थव्यवस्था पूरी तरह से पारदर्शी होगी। अनुपालन बोझ में और कमी आएगी, जिससे छोटे व्यवसायों के लिए फलने-फूलना आसान हो जाएगा। स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में बड़े सुधारों की

● तमिलनाडु स्थित सिटी यूनियन बैंक के 120वें स्थापना दिवस समारोह को केंद्रीय वित मंत्री ने किया संबोधित

घोषणा की थी और नागरिकों के लिए दिवाली पर उपहारों का वादा किया था।

सीतारमण ने कहा कि देश के अपने विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण की ओर बढ़ते हुए बैंकों से न केवल ऋण का विस्तार करने बल्कि बुनियादी ढांचे के विकास को गति प्रदान करने, एमएसएमई के लिए समय पर और आवश्यकता-आधारित वित्तपोषण सुनिश्चित करने, बैंकिंग सेवाओं से वंचित लोगों को औपचारिक बैंकिंग के दायरे में लाने व विविध आवश्यकताओं को पूरा करने का आह्वान किया जाता है। इस लक्ष्य के लिए बैंकिंग क्षेत्र का समर्थन अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस परिवर्तन के मार्गदर्शक सिद्धांत विश्वास, प्रौद्योगिकी और पारदर्शिता होने चाहिए। 11 वर्ष में 56 करोड़ जन-धन खाते खोले गए हैं, जिनमें कुल जमा राशि 2.68 लाख करोड़ रुपये है। इनमें से अधिकतर महिलाएं हैं। सीतारमण ने बताया कि भारतीय अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों ने परिसंपत्ति गुणवत्ता में बड़ा सुधार दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने 18 वर्ष में पहली बार देश की दीर्घकालिक साख में सुधार किया है।

डिजिटल साक्षरता, वित्तीय जागरूकता को लेकर चुनौतियां अब भी बरकरार : मुर्मू

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि बैंकिंग क्षेत्र में प्रगति के बावजूद, लोगों को अब भी डिजिटल साक्षरता और वित्तीय जागरूकता के संदर्भ में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। राष्ट्रपति ने तमिलनाडु स्थित सिटी यूनियन बैंक के 120वें स्थापना दिवस समारोह में कहा कि किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सशक्तीकरण बैंकिंग क्षेत्र की प्राथमिकता होनी चाहिए। बैंक और वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियां वंचित समुदायों के लिए उनके अनुकूल मोबाइल एप्लिकेशन और बीमा उत्पाद प्रदान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भुगतान बैंक, डिजिटल वॉलेट और बैंकिंग प्रतिनिधियों ने वित्तीय सेवाओं को दूरदराज के गांवों के घर-घर पहुंचाया है। हालांकि, इस क्षेत्र में प्रगति के बावजूद, डिजिटल साक्षरता, इंटरनेट पहुंच और वित्तीय जागरूकता के संदर्भ में कई चुनौतियां अब भी बनी हुई हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि सभी पक्षों के संयुक्त प्रयासों से, लोगों को प्रौद्योगिकी, डिजिटल और वित्तीय साक्षरता के माध्यम से बैंकिंग सेवाओं के साथ बेहतर ढंग से एकीकृत किया जा सकता है। बैंक एमएसएमई को विकास के इंजन में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि समय पर और सस्ता कर्ज, वित्तीय साक्षरता प्रदान करके और कृषि-प्रौद्योगिकी उपायों को समर्थन देकर, बैंक कृषि को टिकाऊ और लाभदायक बनाने में मदद कर सकते हैं। इस मौके पर तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि, मंत्री गीता जीवन, सिटी यूनियन बैंक के चेयरमैन जी महालिंगम, बैंक के प्रबंध निदेशक एन कामकोडी उपस्थित थे।

मुनाफावसूली से सेंसेक्स और निफ्टी नुकसान में

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को शुरुआती तेजी कायम नहीं रह पायी और जीएसटी परिषद की बैठक से पहले बैंक और वाहन शेयरों में कारोबार के अंतिम घंटे में मुनाफावसूली से सेंसेक्स 207 अंक के नुकसान में रहा, जबकि एनएसई निफ्टी 45 अंक टूट गया।

तीस शेयरों वाला बीएसई का सेंसेक्स 206.61 अंक की गिरावट के साथ 80,157.88 अंक पर बंद हुआ। सूचकांक तेजी के साथ खुला और दोपहर तक बढ़त के साथ कारोबार करता रहा। हालांकि, कारोबार के अंत में मुनाफावसूली से यह दिन के उच्चतम स्तर 80,761.14 अंक से 752.64 अंक नीचे आ गया। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में 16 नुकसान में जबकि 14 लाभ में रहे। 50 शेयरों पर आधारित एनएसई का निफ्टी 45.45 अंक की गिरावट के साथ 24,579.60 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, एशियन पेंट्स, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा मोटर्स और लार्सन एंड टुब्रो प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में पावर ग्रिड, एनटीपीसी, टाटा स्टील और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल हैं।

● जीएसटी परिषद की बैठक से पहले बैंक-वाहन के शेयरों में बिकवाली

स्मॉल और मिडकैप लाभ में रहे

छोटी कंपनियों से जुड़ा बीएसई स्मॉलकैप 0.64% चढ़ा जबकि मझोली कंपनियों से संबंधित मिडकैप 0.27% के लाभ में रहा। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की बढ़त में रहे, जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था।

जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने से राज्य 'शुद्ध लाभार्थी' बने रहेंगे : एसबीआई रिसर्च

नई दिल्ली, एजेंसी

जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने के प्रस्ताव को अमल में लाने से राज्य 'शुद्ध लाभार्थी' बने रहेंगे और चालू वित्त वर्ष में उनका माल एवं सेवा कर राजस्व, जिसमें हस्तांतरण भी शामिल है, 14.10 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। मंगलवार को जारी एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

इसमें कहा गया कि 2018-19 में जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने की पिछली प्रक्रिया से स्पष्ट

है कि दरों में तत्काल कमी से मासिक संग्रह में लगभग 3-4% की अल्पकालिक गिरावट आ सकती है (5,000 करोड़ रुपये या वार्षिक 60,000 करोड़ रुपये)। आमतौर पर आगे चलकर राजस्व प्रति माह 5-6% की दर से बढ़ता है। केंद्र ने माल एवं सेवा कर के तहत दरों और स्लैब को युक्तिसंगत बनाने का प्रस्ताव दिया है। इसके तहत 5 और 18% की दो स्तरीय कर संरचना होगी और कुछ चुनिंदा वस्तुओं पर 40% की दर लागू की जाएगी। विपक्षी दलों के शासन वाले आठ राज्यों ने राजस्व क्षतिपूर्ति की मांग करते हुए कहा है कि प्रस्तावित बदलाव के बाद औसत राजस्व हानि लगभग 1.5-2 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। एसबीआई रिसर्च ने 19 अगस्त की रिपोर्ट में कहा था कि केंद्र-राज्यों को औसत वार्षिक जीएसटी राजस्व हानि 85,000 करोड़ हो सकती है।

भारत द्विपक्षीय समझौते पर अमेरिका से कर रहा बात : पीयूष

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत, अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत कर रहा है। उन्होंने उद्योग निकाय द्वारा स्थिरता पर आयोजित कार्यक्रम में कहा, अभी बहुत कुछ हुआ है, अभी बहुत कुछ होना बाकी है... हम बीटीए के लिए अमेरिका से बात कर रहे हैं।

भारत-अमेरिका मार्च से इस समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। अब तक पांच दौर की वार्ता हो चुकी है। 27 अगस्त से 50 प्रतिशत शुल्क लगाने के बाद अमेरिकी दल ने अगले दौर की वार्ता के लिए भारत का अपना दौरा स्थगित कर दिया है जो 25 अगस्त से शुरू होने वाली थी। अब तक छठे दौर की वार्ता के लिए कोई तारीख तय नहीं की गई है।

गोयल ने कहा कि भारत पहले ही ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात, मॉरीशस, ब्रिटेन और चार यूरोपीय देशों के समूह ईएफटीए के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर कर चुका है। भारत और अमेरिका के बीच तनाव के बीच, अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि अंत में दोनों महान देश इस समस्या का समाधान निकाल लेंगे। उन्होंने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) को भी काफी हद तक दिखावा बताया।

पटरी पर लौट रहे हैं भारत-चीन संबंध

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत-चीन संबंध धीरे-धीरे पटरी पर लौट रहे हैं। जैसे-जैसे सीमा मुद्दे सुलझते जाएंगे तनाव कम होता जाएगा। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनफिंन के बीच हुई बैठक में भारत-चीन सीमा मुद्दे के निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान की दिशा में काम करने पर सहमति बनी है। दोनों नेताओं ने वैश्विक व्यापार को स्थिर करने में एक-दूसरे की अर्थव्यवस्थाओं की भूमिका को मान्यता देते हुए व्यापार एवं निवेश संबंधों को बढ़ाने का संकल्प लिया। पीएन3 में ढील की गुंजाइश पर गोयल ने कहा कि शिखर सम्मेलन में सभी एससीओ सदस्यों ने भाग लिया। गलवान में हमारे सामने एक समस्या थी, जिससे हमारे संबंधों में थोड़ी तलखी आई थी। मुझे लगता है कि सीमा मुद्दों का समाधान होने के साथ ही स्थिति का सामान्य होना एक बहुत ही स्वाभाविक परिणाम है।

राष्ट्रीय

पेराई सत्र के लिए गन्ना सट्टा व आपूर्ति नीति जारी

गन्ना किसानों के हित में राज्य सरकार ने लिए बड़े फैसले

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार। पेराई सत्र-2025-26 के लिए मंगलवार को गन्ना विकास विभाग ने गन्ना सट्टा एवं आपूर्ति नीति जारी कर दी। इसमें गन्ना आपूर्ति नीति के संदर्भ में प्रदेश के गन्ना कृषकों को गन्ने की पर्चियों के निर्गमन समेत आपूर्ति के लिए विस्तृत निर्देश चीनी मिलों को दिये गये हैं। सट्टा एवं आपूर्ति नीति में कृषक हितों को ध्यान रखते हुए कई बदलाव किये गये हैं। लघु महिला किसानों को प्राथमिकता दी गई है।

गन्ना एवं चीनी आयुक्त प्रमोद कुमार उपाध्याय ने कहा कि प्रदेश की चीनी मिलों की पेराई क्षमता, किसानों की गन्ना आपूर्ति में सुविधा, लघु महिला किसानों को विशेष प्राथमिकता, गन्ना उत्पादन व चीनी मिलों को गन्ने की उपलब्धता में संतुलन बनाये जाने की आवश्यकता है। इससे चीनी मिलों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप पेराई के लिए गन्ना उपलब्धता के साथ किसानों का सभी पेराई योग्य गन्ने की आपूर्ति हो सकेगी।

उन्होंने बताया कि इस पेराई सत्र के लिए निर्गत नीति में पहली बार गन्ना समिति के नये कृषक सदस्यो का सट्टा पेराई सत्र 2024-25 में सम्बन्धित चीनी मिल की औसत गन्ना आपूर्ति या सम्बन्धित जिले की गन्ना उत्पादकता का 70 प्रतिशत, इनमें से जो भी अधिक हो, की सीमा तक गन्ना सट्टा का लाभ दिया जाएगा। राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप लघु महिला किसानों को विशेष प्राथमिकता दी गई है। छोटे गन्ना किसानों (81 कुंतल सट्टाधारक) की पेड़ी गन्ने की पर्चियां 1 से 3 पक्ष में और पौधे गन्ने की पर्चियां 7 से 9 पक्ष में जारी करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

● लघु महिला किसानों को राज्य सरकार ने दी प्राथमिकता, किसानों के हितों में कई बदलाव

13.12 लाख छोटे गन्ना कृषक लाभान्वित होंगे

गन्ना आयुक्त ने बताया कि नई नीति से प्रदेश के कुल 13.12 लाख छोटे गन्ना कृषक लाभान्वित होंगे। पहली बार अति लघु गन्ना किसानों (36 कुंतल या 4 पर्ची बेसिक मोड) और लघु महिला गन्ना किसान (81 कुंतल या 9 पर्ची बेसिक मोड) को पेड़ी पौधा को 52:48 के अनुपात से मुक्त रखते हुए अति लघु गन्ना किसानों को शत-प्रतिशत पेड़ी गन्ने की पर्चियां प्रथम पक्ष में, पौधे गन्ने की पर्चियां सातवें पक्ष में और लघु महिला गन्ना किसानों को शत-प्रतिशत पेड़ी गन्ने की पर्चियां 1 से 3 पक्ष में व पौधे गन्ना की पर्चियां 7 से 9 पक्ष में जारी की जाएंगी। इससे लगभग 3.75 लाख अति लघु गन्ना कृषक व 6268 लघु महिला गन्ना किसान लाभान्वित होंगी।

चीनी मिलों के परता में होगी वृद्धि

नई नीति से चीनी मिलों को चीनी परता में वृद्धि होगी। इससे कृषकों को शीघ्र गन्ना मूल्य भुगतान सुनिश्चित किया जा सकेगा। आयुक्त ने बताया कि ऐसे नये समिति सदस्यों जिनके पास पेड़ी या शरदकालीन पौधा है, उनकी पर्चियां पहली बार 5वें पक्ष से 12वें पक्ष में लगाये जानी की सुविधा दी गई है। जिनके पास पौधा गन्ना है, उनकी पर्चियां पिछले वर्ष की तरह 7वें पक्ष से लगेंगी। इस निर्णय से लगभग एक लाख नये गन्ना किसानों को लाभ होगा।

नए सदस्यों को गन्ना उत्पादकता का 70 प्रतिशत मिलेगा लाभ

गन्ना आयुक्त ने बताया कि पहली बार नये सदस्यों को पेराई सत्र 2025-26 में चीनी मिल की औसत गन्ना आपूर्ति अथवा संबंधित जिले की गन्ना उत्पादकता का 70 प्रतिशत, जो भी अधिक हो. की सीमा तक गन्ना सट्टा का लाभ दिया जाएगा। प्रदेश में प्रति वर्ष लगभग 2 लाख गन्ना किसान समितियों के नये सदस्य बनते हैं और इसका लाभ उठाते हैं। गन्ना शोध परिषद की ओर से जारी गन्ना किस्म को 15,023 की परिपक्वता के दृष्टिगत अति शीघ्र मानते हुए गन्ने की कैलेंडरिंग में प्राथमिकता दी गई है। इसमें मुख्यत: को. 15023 गन्ना प्रजाति को अगेती संवर्ग में शीघ्रतम परिपक्वता के कारण पेड़ी की पर्चियां 1 से 2 पक्ष में और पौधे की पर्चियां 7 से 8 पक्ष में अंकित की जाएंगी। इससे लगभग कुल 3.66 लाख किसान लाभान्वित होंगे।

मां के अपमान को मैं माफ कर दूं, जनता नहीं करेगी : मोदी

पटना, एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बिहार में कांग्रेस की हाल में हुई 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान उनकी मां को अपशब्द कहे जाने से उन्हें गहरा दुख हुआ है और इस घटना के लिए वह राष्ट्रीय जनता दल (राजद) एवं कांग्रेस को भले ही माफ कर दें, लेकिन बिहार की जनता इन दलों को माफ नहीं करेगी। मोदी ने दरभंगा में हाल में 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान मंच से उनकी दिवंगत मां को अपशब्द कहे जाने से पैदा हुए विवाद पर पहली बार प्रतिक्रिया देते हुए विपक्षी दलों पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि उनकी मां को अपशब्द कहना उन लोगों के लिए बड़ी बात नहीं है जो 'भारत माता' का अपमान करते हैं और ऐसे लोगों को दंडित किया जाना चाहिए। उन्होंने सवाल किया, मेरी दिवंगत मां का राजनीति से लेना-देना नहीं था, उनका दोष क्या है। उनके लिए अपशब्द क्यों कहे गए? प्रधानमंत्री ने कहा, मैं उन्हें माफ़ कर भी दूं, लेकिन बिहार की जनता मेरी मां का अपमान करने के लिए उन्हें कभी माफ नहीं करेगी। राज्य की जनता को कहना होगा कि आने वाले दिनों में वे इन पार्टियों के नेताओं को सज़ा देंगे।

उन्होंने कहा कि बिहार की जनता को राजद और कांग्रेस के नेताओं से जवाब मांगना चाहिए... हर गली-मोहल्ले में आवाज़ सुनाई देनी चाहिए - हम एक मां का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे, हम राजद का अत्याचार और कांग्रेस के हमले बर्दाश्त नहीं करेंगे'। प्रधानमंत्री ने बिहार में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के लिए नई सहकारी पहल के डिजिटल तरीके से उद्घाटन पर दिल्ली में सभा को संबोधित करते हुए ये टिप्पणियां कीं। मोदी ने कहा, बिहार मां जानकी की धरती है... यहां महिलाओं को हमेशा से सम्मान दिया गया है। यहीं छठ पूजा मनाई जाती है। उन्होंने कहा कि जो लोग माताओं एवं बहनों को अपशब्द कहते हैं वे महिलाओं को कमजोर समझते हैं। उनकी इसी मानसिकता से वे महिलाओं को शोषण एवं उत्पीड़न की वस्तु समझते हैं। जब भी महिला विरोधी मानसिकता वाले लोग सत्ता में आए, माताओं, बेटियों एवं बहनों को सबसे अधिक कष्ट सहना पड़ा... यह राजद के 'माफिया राज' के दौरान हुआ था। राजद के शासनकाल में बिहार में अपराध चरम पर थे और राज्य में हर दिन हत्या, रंगदारी और दुष्कर्म की घटनाएं होती थीं। राजद सरकार हत्यारों और दुष्कर्मियों को संरक्षण देती थी। महिलाओं को इसका खामियाजा भुगतना पड़ा... इसलिए उन्होंने ही राजद को सत्ता से बेदखल किया और अब यह क्षेत्रीय पार्टी महिलाओं से इसका बदला लेना चाहती है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सहकारी संघ को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

● मोदी ने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के लिए नई सहकारी पहल का किया उद्घाटन

भाजपा की महिला नेताओं ने अपशब्द पर विपक्ष पर बोला हमला

नई दिल्ली। भाजपा की कई महिला नेताओं ने बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत मां के लिए अपशब्द कहे जाने को लेकर विपक्ष पर हमला बोला तथा दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आरोप लगाया कि दो राजकुमारों राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने राजनीति को शर्मसार किया है। प्रधानमंत्री मोदी के पहली बार इस मुद्दे पर बोलने के बाद, भाजपा की महिला नेताओं ने विपक्षी दलों के नेताओं की आलोचना की।

भाजपा की राधिका खेड़ा ने दावा किया कि कांग्रेस ने ये दिखा दिया है कि उसमें भारतीय मूल्यों का अभाव है और आरोप लगाया कि पार्टी को विदेशी लोग चला रहे हैं। गांधी परिवार के तीनों सदस्य सोनिया, राहुल और प्रियंका गांधी इस मामले पर चुप्पी साधे हुए हैं। इससे बुरा कुछ नहीं हो सकता। भुवनेश्वर से भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी ने कहा कि विपक्षी गठबंधन को करारा जवाब देंगे। केवल कांग्रेस ही इतनी निम्न स्तर की राजनीति कर सकती है। पश्चिम बंगाल की भाजपा नेता लॉकेट चटर्जी ने कहा कि विपक्षी नेता मोदी को अपशब्द कहने के बाद अब उनकी मां पर निशाना साध रहे हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समेत विपक्षी नेता ने इस अपमानजनक टिप्पणी की आलोचना नहीं की।

दुष्कर्म के आरोपी आप विधायक गोलियों की बौछार की आड़ में पुलिस हिरासत से बच निकले

पटियाला। आप विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा को मंगलवार को उनके खिलाफ दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन वह अपने समर्थकों की ओर से की गोलीबारी और पथराव की आड़ में पुलिस हिरासत से बच निकले। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पठानमाजरा हरियाणा के करनाल जिले के डाबरी गांव में थे जहां पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने गई थी। पटियाला अपराध जांच एजेंसी (सीआईए) के प्रभारी ने बताया कि हमने हरियाणा में पठानमाजरा के आवास पर छापा मारा। उन्हें गिरफ्तार कर लिया, लेकिन ग्रामीणों के समूह और शरारती तत्वों ने पुलिस टीम पर पथराव किया और गोलियां चलाईं। सनौर के विधायक पठानमाजरा गोलियों और पथराव की आड़ में बच निकले। विधायक के साथी बलविंदर सिंह को तीन हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने कहा कि उसके पास से टोयोटा फॉर्च्यूनर जब्त की गई है। मामले में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार पठानमाजरा पर दुष्कर्म, धोखाधड़ी व आपराधिक रूप से डराने धमकाने के आरोप दर्ज किए गए हैं।

उत्तर भारत में बाढ़ से 29 की मौत, स्कूल बंद

पठानकोट/शिमला/गुरुग्राम/दिल्ली, एजेंसी

उत्तर भारत में लगातार हो रही भारी बारिश ने हालात बिगाड़ दिए हैं। पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और दिल्ली में सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। पंजाब के 12 जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है, जिससे 29 लोगों की मौत हो चुकी है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य तेज कर दिए हैं। पंजाब में पठानकोट, फिरोजपुर और आसपास के जिलों के 1312 गांवों में 2.56 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं।

भारी बारिश से हरियाणा के भिवानी, हिसार, सिरसा, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र और पंचकूला में कई स्कूलों को बंद रखना पड़ा। वहीं, गुरुग्राम में दफ्तरों को कर्मचारियों के लिए वर्क फ्रॉम होम का आदेश जारी किया गया है। बारिश और जलभराव से यातायात प्रभावित है। जगह-जगह सड़कें क्षतिग्रस्त होने से लोगों को परेशानियां हो रही हैं।

● बाढ़गस्त क्षेत्रों में प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य किए तेज, पंजाब के 1312 गांवों में 2.56 लाख लोग प्रभावित

दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान के ऊपर है। इससे ट्रांस-यमुना क्षेत्र की कई कॉलोनियों में पानी भर गया। यमुना बाजार, मयूर विहार और आसपास की बस्तियों में प्रशासन ने लोगों को जरूरी सामान लेकर सुरक्षित और राहत शिविरों में जाने की अपील की है। एनडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन की टीमें प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को निकाल रही हैं।

उत्तराखंड और हिमाचल में हालात बेहद गंभीर

उत्तराखंड में हालात बेहद गंभीर हैं। राज्य के सभी 13 जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद हैं। केदारनाथ मार्ग पर लैंडस्लाइड से दो लोगों की मौत हो गई और छह लोग घायल हुए। चार धाम यात्रा को 5 सितंबर तक स्थगित किया गया है। बारिश से पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन हो रहे हैं। प्रशासन ने लोगों को अनावश्यक यात्रा न करने की सलाह दी है।

हिमाचल प्रदेश में बारिश ने 76 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सामान्य से 68% ज्यादा (256.8 मिमी) बारिश दर्ज की गई, जो 1949 के बाद सबसे अधिक है। शिमला में 24 घंटे में लैंडस्लाइड और मकान गिरने की घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग ने हिमाचल के छह जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है और आठ जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद हैं। हालात को देखते हुए राज्य सरकार ने राहत और बचाव कार्यों के लिए अतिरिक्त टीमें तैनात की हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

पूर्व चेक पीएम बाबिस पर चुनावी रैली में हमला

प्राग। चेक गणराज्य के पूर्व प्रधानमंत्री आंद्रेज बाबिस पर सोमवार को एक चुनावी रैली के दौरान एक व्यक्ति ने उनके सिर पर किसी वस्तु से हमला कर दिया। चेक समाचार एजेंसी ने बाबिस की पार्टी एएनओ के एक प्रवक्ता के हवाले से बताया कि 2017 से 2021 तक चेक गणराज्य के प्रधानमंत्री रहे बाबिस घटना के बाद जांच के लिए अस्पताल गए। उन्हें आई चोटों की गंभीरता के बारे में अभी पता नही चल पाया है। यह हमला पूर्वी शहर डोबरा में हुआ। चेक पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि घटनास्थल पर मौजूद अधिकारियों ने हमले के तुरंत बाद उस व्यक्ति को हिरासत में ले लिया और मामले की जांच की जा रही है।

मनीला में घर में आग लगने से दो की मौत

मनीला। फिलीपींस की राजधानी मनीला में एक घर में आग लगने से दो लोगों की मौत हो गयी एवं छह साल की एक बच्ची गंभीर रूप से झुलस गई। अग्नि सुरक्षा विभाग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस हादसे में तीन साल की बच्ची और उसकी नानी की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि आग सोमवार रात करीब 11:55 बजे मेट्रो मनीला के मालाबोन शहर में लगी जिससे पीड़ित घर की दूसरी मंजिल पर फंस गए। उन्होंने बताया कि छह साल की बच्ची के हाथ, पैर और बाजू बुरी तरह जल गए हैं। उसका इलाज एक अस्पताल में चल रहा है।

वियतनाम ने राष्ट्रीय दिवस वर्षगांठ मनाई

हनोई। वियतनाम समाजवादी गणराज्य ने अगस्त क्रांति और राष्ट्रीय दिवस की 80वीं वर्षगांठ मनाई। वियतनाम समाचार एजेंसी के अनुसार राजधानी हनोई के बा दीन्ह स्क्वायर पर एक भव्य सैन्य परेड के साथ मंगलवार को अगस्त क्रांति और राष्ट्रीय दिवस की 80वीं वर्षगांठ समारोह को आयोजित किया गया। समारोह का आरंभ 21 तोपों की सलामी के साथ हुआ, जिसके बाद सशस्त्र बलों और पुलिस की टुकड़ियों के साथ एक सैन्य परेड हुई। परेड में सैन्य वाहनों, तोपों और हथियारों को बड़े पैमाने पर प्रदर्शित किया गया।

इंडोनेशिया में लापता हुए हेलीकॉप्टर की तलाश

जकार्ता। इंडोनेशिया के बोर्नेओ द्वीप से एक भारतीय नागरिक समेत आठ यात्रियों को लेकर रवाना हुए लापता हेलीकॉप्टर की तलाश मंगलवार को भी जारी रही। इंडोनेशियाई समाचार एजेंसी अंतरा के अनुसार सोमवार को एक पायलट, एक इंजीनियर और छह यात्रियों को लेकर रवाना हुआ एस्टिंडो एयर बीके 117 डी3 हेलीकॉप्टर का दक्षिण कालीमंतन प्रांत के मेन्टेवे में मंडिन दमार जलप्रपात के पास संपर्क टूट गया। खबर में कहा गया है कि हेलीकॉप्टर में भारतीय नागरिक संथा कुमार भी सवार थे।

अश्लील डीपफेक सामग्री बनाने वाले एप्स पर पाबंदी लगाएगा ऑस्ट्रेलिया

कैनबरा, एजेंसी

- नाबालिगों को ये एप्स और टूल्स सबसे ज्यादा बना रहे हैं निशाना

आस्ट्रेलिया की सरकार ने मंगलवार की घोषणा की है कि वह अपमानजनक पहुंच वाली तकनीकों को प्रतिबंधित करने जा रही है, इनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल भी शामिल हैं, जो अश्लील चित्र बनाने की क्षमता रखते हैं।

संचार मंत्री एनिका वेल्स ने कहा कि सरकार प्रौद्योगिकी उद्योग के साथ मिलकर काम करेगी, ताकि छिपे हुए ऑनलाइन स्टॉकिंग टूल्स और एआई ऐप तक पहुंच को प्रतिबंधित किया जा सके। ये टूल्स और ऐप्स स्पष्ट रूप से अश्लील डीपफेक सामग्री बना सकते हैं। वेल्स ने एक बयान में कहा कि आस्ट्रेलिया में एआई और वैध ट्रैकिंग तकनीक के लिए एक जगह है, लेकिन ऐसे किसी भी ऐप्स और तकनीकों के लिए कोई जगह नहीं है, जिनका उपयोग केवल लोगों, विशेषकर हमारे बच्चों को हानि पहुंचाने वाले, अपमानित करने और नुकसान पहुंचाने के लिए किया जाता है। अपमानजनक तकनीकें व्यापक रूप से और आसानी से उपलब्ध हैं और अब अपूरणीय क्षति का कारण बन रही हैं। संघीय सरकार की ई-सुरक्षा आयुक्त जूली इनमैन ग्रांट ने जून में कहा था कि पिछले 18 महीनों में 18 वर्ष से कम आयु के लोगों की डिजिटली बनाई गई अंतरंग तस्वीरों की घटनाओं की संख्या सात सालों की तुलना में दोगुनी हो गयी है।

अमेरिका-भारत: पिक्चर अभी बाकी है

वैश्विक कूटनीति अपने चरम पर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ताजा फैसलों से पूरे विश्व की राजनीति में भीषण उथल-पुथल है। एशिया में भारत जैसे अमेरिका के पुराने और प्रमुख सहयोगी को दुश्मनी के लंबे इतिहास के बाद भी चीन से हाथ मिलाने को विवश होना पड़ा है, लेकिन वैश्विक राजनीति के जानकारों का मानना है कि ताजा घटनाक्रम चाहे जो आशंकाएं पैदा कर रहा हो लेकिन भारत और अमेरिका के संबंधों का अंत नहीं है। एक तरफ अमेरिका में ही ट्रंप का जिस तरह विरोध हो रहा है, वह उम्मीद पैदा करता है कि दोनों देशों के बीच आई यह दरार ज्यादा लंबी नहीं खिंचेगी। दूसरी ओर, सीमा विवादों और व्यापार असंतुलन के कारण चीन के साथ भारत के संबंध हमेशा अविश्वास भरे रहे हैं। ऐसे में चीन की विस्तारवाद और व्यापारिक वर्चस्व की नीतियां भविष्य में ज्यादा लंबे समय तक नए संबंधों को बहाल रखेंगी, ऐसी कम ही उम्मीद है।

भारत-अमेरिकी संबंधों की बुनियाद

- भारत और अमेरिका साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और रणनीतिक हितों को साझा करते हैं, खासकर भारत-प्रशांत क्षेत्र में।
- अमेरिका सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार से भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा।
- दोनों देशों का रक्षा-सुरक्षा के क्षेत्रों में घनिष्ठ सहयोग, संयुक्त सैन्य अभ्यास और रक्षा प्रौद्योगिकियों का आदान-प्रदान शामिल।
- भारत अपने संबंधों को संतुलित करते हुए राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देने के साथ रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखता है।

चीन के साथ अविश्वास

- भारत और चीन के बीच कई दशकों से सीमा विवाद जारी हैं, जो संबंधों में तनाव का एक प्रमुख कारण हैं।
- चीन भारत का प्रमुख व्यापारिक भागीदार, लेकिन व्यापार में बड़ा असंतुलन, साथ में आर्थिक प्रतिस्पर्धा।
- चीन के क्षेत्रीय दावों और बढ़ता प्रभाव भारत की चिंताओं को बढ़ाता है, भारत को सावधान रहना पड़ता है।
- भारत अपनी विदेश नीति में लचीलापन बनाए रखता है, चीन के साथ अपने संबंधों को संतुलित करता है।

समानता और प्रतिस्पर्धा

- भारत-अमेरिका संबंध साझा मूल्यों व सहयोग पर केंद्रित, चीन से सीमा विवाद, आर्थिक प्रतिस्पर्धा रणनीतिक अविश्वास।
- अमेरिका से व्यापारिक संबंध संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभप्रद हैं, चीन के साथ व्यापार असंतुलन बड़ी चुनौती।
- अमेरिका भारत को एक रक्षात्मक साझेदारी प्रदान करता है जो उसे चीन की चुनौतियों का सामना करने में मदद करती है।
- चीन के साथ अपनी रक्षा क्षमताओं को विकसित करने के साथ रणनीतिक संतुलन बनाए रखना भारत के लिए संभव नहीं लगता।

प्रमुख मिशन

- भारत-अमेरिका के बीच अंतरिक्ष सहयोग मजबूत हुआ है। इसमें नासा-इसरो साझेदारी के तहत मानव अंतरिक्ष उड़ान और ग्रह अन्वेषण शामिल हैं। निसार और गगनयान जैसे मिशन पर भी सहयोग।
- भारत-अमेरिका रणनीतिक स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी के तहत दोनों देश स्वच्छ ऊर्जा के संक्रमण, नवीकरणीय ऊर्जा वित्तपोषण में सुधार और हरित बुनियादी ढांचे के निर्माण पर भी साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

संभावनाएं इसलिए बरकरार...

- हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संतुलन बनाने और चीन के प्रभाव को रोकने के लिए भारत-अमेरिकी साझेदारी अपरिहार्य।
- अमेरिकी कंपनियों का भारत में भारी निवेश, अमेरिका की चीन प्लस वन रणनीति में भारत प्रमुख विकल्प।
- अमेरिका से उच्चस्तरीय रक्षा तकनीक और ड्रोन, जेट इंजन, रक्षा संचार प्रणाली जैसे उपकरणों की आपूर्ति।
- भारत-अमेरिका के बीच खुफिया साझेदारी और सैन्य सहयोग को मजबूत करने के लिए कई प्रमुख समझौते।
- यूक्रेन युद्ध के बाद रूस चीन पर निर्भर हो गया है, इससे भारत रूस पर पूरी तरह भरोसा नहीं कर सकता।
- भारतीय छात्रों और पेशेवरों के लिए सबसे बड़ा गंतव्य, 20 लाख से ज्यादा भारतीय मूल के लोग अमेरिका में।

नवारो ने अब मोदी, पुतिन, जिनपिंग के गहरे होते संबंधों को बताया चिंताजनक

नवारो का नया निशाना. चीन से पुराने टकराव को अनदेखा करने की भूल कर रहा है भारत

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शीर्ष व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच घनिष्ठता को 'चिंताजनक' बताते हुए कहा कि मोदी को रूस के बजाय अमेरिका, यूरोप और यूक्रेन के साथ खड़ा होना चाहिए।

नवारो की यह टिप्पणी सोमवार को तियानजिन में एससीओ शिखर सम्मेलन से इतर तीनों नेताओं द्वारा घनिष्ठता प्रदर्शित किए जाने के बाद आई है। मोदी, शी और पुतिन के बीच 'एकजुटता के प्रदर्शन' के बारे में पूछे जाने पर नवारो ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा, यह चिंताजनक है, बहुत चिंताजनक है। इसका कोई मतलब नहीं है। टैरिफ पर ट्रंप की नीतियों के कारण वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच रिश्तों में गिरावट आने के बाद नवारो कुछ दिनों से लगातार भारत को निशाना बना रहे हैं। नवारो ने कहा, समझ नहीं आता कि मोदी के मन में क्या है, खासकर तब जब भारत पिछले कई दशकों से चीन के साथ कभी शीत युद्ध तो कभी सीधे संघर्ष की स्थिति में रहा है। उन्होंने कहा, भारत को हमारे साथ काम करना चाहिए। भारत को लगता है कि वो हमारे साथ जैसा चाहे वैसा कर सकता है लेकिन ट्रंप ऐसा होने नहीं देंगे।

तियानजिन में मोदी, पुतिन और जिनपिंग की मुलाकात से अमेरिका में है हलचल।

नवारो ने चलाए भारत पर तीर...

- भारत जनसंख्या के लिहाज से दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। इतिहास पर नजर डालें तो दशकों से भारत और चीन के बीच शीत युद्ध जारी रहा है। चीन ने पाकिस्तान की सेना को धन मुहैया कराया उसे परमाणु हथियार विकसित करने में मदद की है।
- चीन ने बार-बार भारत पर खासकर अक्साई चिन में हमला किया है। चीन ने भारत की जमीन पर कब्जा किया और अब भी उस पर कब्जा जमाए है। चीनी नौसेना हिंद महासागर के अंदर तक गश्त कर रही है और भारतीय संप्रभुता को चुनौती दे रही है।
- चीन के कारोबारी और तेल कंपनियां भारतीय व्यापारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, यह संबंध बहुत ही नुकसानदायक है। चीन भारत का इस्तेमाल ऐसी जगह के तौर पर कर रहा है जहां से वह अपना सामान दूसरे देशों में भेज सके और शुल्क से बच सके।

दोनों देश ये मुद्दा सुलझा लेंगे : अमेरिकी वित्त मंत्री

भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ को लेकर जारी तनातनी के बीच अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने कहा है कि दो महान देश अंतत: इस मुद्दे को सुलझा लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के मूल्य रूस के बजाय हमारे और चीन के अधिक करीब हैं। फॉक्स न्यूज़ को दिए साक्षात्कार में बेसेन्ट ने एससीओ को व्यापक तौर पर प्रदर्शनात्मक करार दिया। बेसेन्ट ने यह भी कहा कि ट्रंप प्रशासन रूस पर प्रतिबंधों पर विचार कर रहा है और सभी विकल्पों पर विचार किया जा रहा है।

पाकिस्तान के सेना प्रमुख मुनीर ने की शी जिनपिंग से मुलाकात

बीजिंग। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के संग मंगलवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ पहली बैठक की। इस दौरान दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय और क्षेत्रीय सहयोग पर व्यापक चर्चा की। मुनीर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के उस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं, जिसने तियानजिन में एससीओ सम्मेलन में भाग लिया। वह जापानी आक्रमण के खिलाफ चीनी जन प्रतिरोध युद्ध की 80वीं वर्षगांठ के लिए बुधवार को यहां होने वाली चीनी सेना की परेड में शामिल होंगे। फील्ड मार्शल का पदभार संभालने के बाद जुलाई में अपनी पहली चीन यात्रा के दौरान मुनीर ने उपराष्ट्रपति हान झेंग से मुलाकात की, लेकिन शी जिनपिंग से नहीं, जैसा उनके पूर्ववर्ती जनरल कमर जावेद बाजवा ने किया था। इस यात्रा से पूर्व मुनीर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ दोपहर के भोजन में शामिल हुए थे। मुनीर के शरीफ के साथ उस परेड को देखने जाने की संभावना है, जिसमें चीनी सेना हवाई, ज़मीनी, इलेक्ट्रॉनिक और मिसाइल प्रणालियों सहित सभी प्रकार के अपने सबसे आधुनिक हथियारों का प्रदर्शन करने की योजना बना रही है। ये हथियार प्रणालियां पाकिस्तानी सेना के लिए काफ़ी मायने रखती हैं, क्योंकि उसके 80 प्रतिशत से ज्यादा हथियार चीन से ही आते हैं।

लॉस एंजिलिस में नेशनल गार्ड की तैनाती के ट्रंप के आदेश को अदालत ने बताया अवैध

- आव्रजन प्रवर्तन के विरोध में प्रदर्शनों के दौरान की गई थी तैनाती, जज ने कहा- ये संघीय कानून का उल्लंघन

वाशिंगटन। अमेरिका के एक संघीय न्यायाधीश ने फैसला सुनाया है कि दक्षिणी कैलिफोर्निया में आव्रजन प्रवर्तन के विरोध में प्रदर्शनों के दौरान ट्रंप प्रशासन द्वारा नेशनल गार्ड सैनिकों का इस्तेमाल करना अवैध है। न्यायाधीश चार्ल्स ब्रेयर ने मंगलवार को फैसला सुनाया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने आव्रजन कार्रवाई के दौरान संघीय एजेंटों के साथ सैनिकों को भेजकर संघीय कानून का उल्लंघन किया। हालांकि, वाशिंगटन की अदालत में पदस्थ न्यायाधीश ने वहां से सैनिकों को वापस बुलाने का निर्देश नहीं दिया। इस संबंध में दायर मुकदमे में कहा गया है कि गर्मियों के मौसम में लॉस एंजिल्स भेजे गए सैनिक उस कानून का उल्लंघन कर रहे हैं जो सेना द्वारा घरेलू कानूनों को लागू किये जाने पर रोक लगाता है।

शिकागो सबसे खतरनाक शहर और हत्याओं की वैश्विक राजधानी: ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि हत्याओं के मामले में शिकागो विश्व का सबसे बड़ा आपराधिक शहर है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, शिकागो हत्या की वैश्विक राजधानी है। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा कि सप्ताहांत में शिकागो में कम से कम 54 लोगों पर गोलीबारी की गई जिसमें आठ लोग मारे गए जो पिछले दो सप्ताहांतों की तरह है। ट्रंप ने कहा, शिकागो विश्व का अब तक का सबसे ख़राब एवं ख़तरनाक शहर है। इलिनोइस के गवर्नर जेबी प्रित्जकर को मदद की सख्त आवश्यकता है लेकिन उन्हें अभी तक इसका अंदाज़ा नहीं है। मैं अपराध की समस्या का जल्द ही समाधान करूंगा, ठीक वैसे ही जैसे मैंने वाशिंगटन डीसी में किया था। शिकागो जल्द ही फिर से सुरक्षित होगा। इससे पहले दिन में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा था कि ट्रंप आज पेंटागन से संबंधित एक रोमांचक बयान देंगे। सोमवार को सीएनएन ने कहा था कि शिकागो में संघीय एजेंटों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है क्योंकि ट्रंप प्रशासन यहां आव्रजन पर कार्रवाई शुरू करने वाला है।

सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग आज से भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर

सिंगापुर। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग मंगलवार से भारत की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा शुरू करेंगे, जिसका उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता को दोहराना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर वोंग की यह यात्रा दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ के मौके पर हो रही है। उनके कार्यालय ने बताया कि यह यात्रा संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के लिए सिंगापुर और भारत की परस्पर प्रतिबद्धता को भी दोहराती है। वोंग नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करेंगे। मोदी सिंगापुर के प्रधानमंत्री के सम्मान में एक भोज का भी आयोजन करेंगे। वोंग स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री जयशंकर और एनएसए अजीत डोभाल से भी मुलाकात करेंगे।

नेपाल में दो बार भूकंप के झटके

काठमांडू। नेपाल में कम तीव्रता वाले भूकंप के दो बार झटके महसूस किए गए आए, लेकिन इसमें किसी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, गोरखा जिले में सुबह 6.15 बजे चार तीव्रता का भूकंप आया था। भूकंप का केंद्र काठमांडू से 150 किमी पश्चिम में गोरखा के हंसपुर में स्थित था। नेपाल में अपराह्न 3.15 बजे एक और भूकंप आया जिसकी तीव्रता 4.1 मापी गई, जिसका केंद्र दोलखा जिले के लापिलांग में स्थित था।

इजराइल ने गाजा पर हमले तेज करने को शुरू की अतिरिक्त सैनिकों की मोर्चाबंदी

दीर अल-बलाह, एजेंसी

- इजराइल की सेना उत्तरी और मध्य गाजा में अब ज्यादा स्थानों को बना रही है निशाना

इजराइल ने गाजा में हमलों का दायरा बढ़ाने की अपनी योजना के तहत मंगलवार को हजारों आरक्षित सैनिकों को लामबंद और मोर्चाबंद करना शुरू कर दिया। इस योजना की इजराइल और विदेश में निंदा की जा रही है।

इजराइल ने पिछले महीने आरक्षित सैनिकों को लामबंद करने की घोषणा की थी। सैनिकों को ऐसे समय में लामबंद किया जा रहा है जब थल और वायुसेना उत्तरी और मध्य गाजा में और अधिक स्थानों को निशाना बना रही हैं। इनमें पश्चिमी गाजा शहर से सटे दो स्थान जैतून और शिजइया शामिल हैं। हमास के खिलाफ 23 महीने से जारी युद्ध में इजराइल इन दोनों स्थानों पर कई बार आक्रमण कर चुका है। इजराइली सेना ने पिछले महीने कहा था कि आरक्षित सैनिकों को बुलाने की प्रक्रिया चरणबद्ध होगी और कुल 60 हजार सैनिकों को बुलाया जाएगा। इसके अलावा पहले से तैनात ऐसे 20 हजार सैनिकों की सेवा अवधि भी बढ़ाई जाएगी। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि अगस्त में भुखमरी के कारण कुल 186 लोगों की मौत हुई है। यह किसी एक महीने में भुखमरी से जान गंवाने वालों की सबसे अधिक तादाद है। मंत्रालय के अनुसार युद्ध में कुल 63,557 फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है जबकि 160,660 लोग घायल हुए हैं।

करतारपुर गलियारा मरम्मत के कारण श्रद्धालुओं के लिए बंद

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में स्थित पवित्र सिख तीर्थस्थल पर मरम्मत कार्य के कारण करतारपुर गलियारा परिसर, श्रद्धालुओं के लिए बंद है। हाल में यह परिसर बाढ़ में जलमग्न हो गया था।

पाकिस्तानी सेना और नागरिक प्रशासन ने पिछले सप्ताह बाढ़ से प्रभावित करतारपुर स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब में मरम्मत कार्य जारी रखा है। पिछले सप्ताह, पंजाब सरकार ने दावा किया था कि करतारपुर साहिब गलियारा और गुरुद्वारा दरबार साहिब से बाढ़ का पानी हट गया है और इस सप्ताह की शुरुआत में इसे खोल दिया जाएगा। सेना प्रमुख असीम मुनीर ने दरबार साहिब का दौरा किया था। पंजाब की वरिष्ठ मंत्री मरयम औरंगजेब ने शुक्रवार को एक बयान में दावा किया था, पंजाब की मुख्यमंत्री मरयम नवाज के निर्देश पर करतारपुर साहिब में मरम्मत का काम कराया गया है।

लगातार रूसी सेना के हमलों के बीच सुरक्षा के लिए कीव (यूक्रेन) के एक मेट्रो स्टेशन में बैठे लोग।

रूसी सेंटर ग्रुप के हमले में मारे गए 385 यूक्रेनी सैनिक

दहशतजदा लोग बंकरों में

मॉस्को। रूसी रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि रूसी सुरक्षा बलों के 'सेंटर' समूह के हमले में पिछले 24 घंटे में 385 यूक्रेनी सैनिक मारे गये हैं। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस हमले में यूक्रेनी सशस्त्र बलों को 385 सैनिकों, पांच बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों, चार मोटर वाहनों और तीन तोपों का नुकसान हुआ है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि रूस के जैपद (पश्चिम) ग्रुप के सैनिकों ने 240 से अधिक यूक्रेनी सैनिकों को मार गिराया है तथा वोस्तोक (पूर्व) ग्रुप के साथ लड़ाई में विरोधी पक्ष के 225 सैनिक मारे गये। बयान में कहा गया कि इसके साथ ही रूस के युग (दक्षिण) ग्रुप के सैनिकों ने पिछले दिनों 205 से अधिक यूक्रेनी सैनिकों को मार गिराया।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 3 सितंबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-शुक्ल पक्ष, एकादशी 4 सितंबर 04.21 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

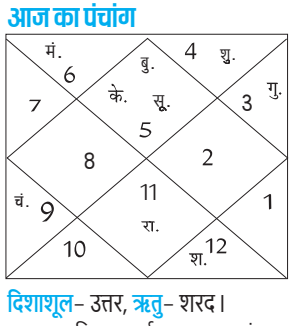

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल-मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-पूर्वाषाढ़ा 23.08 तक तत्पश्चात उत्तराषाढ़ा।

मेष — आज व्यवसाय में आप पार्टनरशिप को अत्यधिक महत्व देंगे। लेन-देन के मामले में आप अत्यंत भाग्यशाली रहेंगे। अध्यात्मिक चर्चाओं में भाग ले सकते हैं। अधूरे पड़े कार्यों को पूरा करने का दबाव रहेगा। घर की व्यवस्था उचित बनी रहेगी।

वृष — आज का दिन काफी उतार-चढ़ाव वाला हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य को लेकर अत्यधिक सचेत रहने की आवश्यकता है। प्रबंधन कार्यों से जुड़े लोगों को अपनी कमियों पर विशेष तौर पर सुधार करना चाहिए।

मिथुन — आज विदेश में व्यापार कर रहे लोगों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। पूर्व में की गई मेहनत का सार्थक परिणाम प्राप्त होगा। दिखावे से आपको दूर रहना चाहिए। तकनीकी क्षेत्र से जुड़े लोगों को अच्छे अवसर मिल सकते हैं।

कर्क — आज दिनचर्या व्यवस्थित और अनुशासित रखें। स्वास्थ्य समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। प्रतिस्पर्धा के वातावरण में आप विरोधियों पर भारी पड़ेंगे। किसी को चुभने वाले वक्तव्य न दें। आय के साधन बढ़ सकते हैं।

सिंह — आज बातचीत करते हुए शब्द चयन सही प्रकार से करें। आपको आपके किसी पुराने निर्णय को लेकर काफी परेशानी उठानी पड़ सकती है। उच्च शिक्षा में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस दबाव के कारण घर में कलह भी हो सकती है।

कन्या — आज दोपहर के बाद आपका मन कुछ अप्रसन्न हो सकता है। जल्दबाजी में किए गए कार्यों के कारण आपको परेशानी होगी। रक्तचाप और शुगर के रोगियों को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिये। इलेक्ट्रानिक उपकरणों में खराबी आ सकती है।

तुला — आज उच्चाधिकारियों के साथ अपने संबंध अच्छे रखें। कारोबार में सुधार कर सकते हैं। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में आशा के अनुरूप परिणाम मिलेंगे। आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। अपनी प्रतिभा को लेकर अति-आत्मविश्वास में रहेंगे।

वृश्चिक — आज स्वभाव के कारण आपसे परिजन नाराज हो सकते हैं। आंखों में जलन और इंफेक्शन की शिकायत हो सकती है। अपनी बातों को दूसरों पर थोपने से बचें। जीवनसाथी के साथ मिलकर घर के कार्यों में हाथ बंटा सकते हैं।

धनु — आज नए व्यवसाय की शुरुआत करना चाह रहे हैं तो सफलता मिलेगी। धर्म-कर्म के प्रति आपकी आस्था बढ़ेगी। घर में भाई-बहनों के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। अविवाहित लोगों को विवाह के रिश्ते मिल सकते हैं।

मकर — आज किसी को धन उधार में न दें अन्यथा आपको नुकसान हो सकता है। महिलाओं को घर में बहुत अधिक काम हो सकता है। नकारात्मक विचारों से बचने का प्रयास करें। प्रेम संबंधों को लेकर विचलित न हों। प्रेमीजन की भावनाओं का सम्मान करें।

कुंभ — आज प्रेम-संबंधों में भावनात्मक निकटता बढ़ेगी। वैवाहिक संबंध मधुर रहेंगे। उधार दिया हुआ धन वापस मिल सकता है। आपकी छवि में काफी सुधार आएगा। संतान की शिक्षा पर आप अत्यधिक ध्यान देंगे। नए विचारों को अपनाने में आप संकोच नहीं करेंगे।

मीन — आज किसी पुराने लीगल मामले का निपटारा हो सकता है। विदेश से जॉब के ऑफर मिलने की संभावना बन रही है। करियर से जुड़े मामलों के लिए दिन बहुत शुभ रहने वाला है। भविष्य की योजनाओं को आप समय देंगे।

सुडोकू-88

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	7				4	2		
	8				5		1	
						6		9
	5			3	2	1		
6								8
		1	7	9			2	
2							6	
	9		1				7	
	6	7					4	

सुडोकू - 87 का हल

9	3	2	6	7	8	1	5	4
6	7	4	5	3	1	9	8	2
1	8	5	4	9	2	3	7	6
8	5	7	3	2	4	6	1	9
2	9	6	1	5	7	4	3	8
4	1	3	9	8	6	5	2	7
5	2	1	8	6	9	7	4	3
7	4	9	2	1	3	8	6	5
3	6	8	7	4	5	2	9	1

मैं अपने खिलाड़ियों को एशिया कप में भारत के खिलाफ अपनाई जाने वाली योजना को अभी बता दूं तो मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि 19 सितंबर तक वे इसे जरूर भूल जाएंगे। हमारी टीम मजबूत टीमों के खिलाफ चौंकाने वाला प्रदर्शन करेगी।
-सुलक्षण कुलकर्णी, ओमान के डिप्टी कोच

स्टेडियम

बरेली, बुधवार, 3 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन।

लवलीना भारतीय टीम की अगुवाई करेंगी

बेंगलुरु : टोक्यो 2020 की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और निखत जरीन 4 सितंबर से इंग्लैंड में शुरू होने वाली विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में 20 सदस्यीय भारतीय दल का नेतृत्व करेंगी। इस खेल की नवगठित वैश्विक शासी संस्था, विश्व मुक्केबाजी द्वारा आयोजित इस चैंपियनशिप का पहला संस्करण एम एंड एस बैंक एरिना में होगा और 14 सितंबर को समाप्त होगा। 65 से अधिक देशों के 550 से अधिक मुक्केबाज, जिनमें 17 पेरिस 2024 ओलंपिक पदक विजेता शामिल हैं, 20 भार वर्गों (10 पुरुष और 10 महिला) में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं।

दिल्ली में होगी टेबल टेनिस चैंपियनशिप

नई दिल्ली : मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन दीया चितले और राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता जी साथियान और हरमीत देसाई सहित कई शीर्ष भारतीय खिलाड़ी सात सितंबर से यहां शुरू हो रहे यूटीटी राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। राष्ट्रीय स्तर के इस महत्वपूर्ण टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए अभी तक विभिन्न आयु वर्गों के 2958 खिलाड़ियों ने आवेदन किया है। दिल्ली राज्य टेबल टेनिस संघ (डीएसटीटीए) 2008 के बाद पहली बार किसी राष्ट्रीय रैंकिंग टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है, हालांकि भारतीय टेबल टेनिस महासंघ ने हरियाणा के सहयोग से 2012 में राष्ट्रीय राजधानी में एक टूर्नामेंट का आयोजन किया था। यह टूर्नामेंट सात से 14 सितंबर तक त्यागराज स्टेडियम में खेला जाएगा।

आर्यमन ने संभाली एमपीसीए की कमान

इंदौर : केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बेटे महान आर्यमन सिंधिया ने मंगलवार को मध्यप्रदेश क्रिकेट संघ (एमपीसीए) के अध्यक्ष का पदभार संभाल लिया और कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के युवा खिलाड़ियों और महिला खिलाड़ियों को बढ़ावा देना उनकी प्राथमिकताओं में शुमार है। एमपीसीए चुनावों में अध्यक्ष सहित कार्यकारिणी के सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ है और पूरी कार्यकारिणी सर्वसम्मति से चुनी गई है। इंदौर के होलकर स्टेडियम में आयोजित एमपीसीए की वार्षिक साधारण सभा (एजीएम) में नवनिर्वाचित कार्यकारिणी पर अंतिम मुहर लग गई।

विलियम्स, टेलर की जिम्बाब्वे टीम में वापसी

हरारे : जिम्बाब्वे ने श्रीलंका के खिलाफ आगामी तीन मैचों की टी20 अंतर्राष्ट्रीय (टी20) सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, जिसमें अनुभवी खिलाड़ी सीन विलियम्स और ब्रेंडन टेलर की वापसी मुख्य आकर्षण है। अनुभवी ऑलराउंडर विलियम्स मई 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी बार खेलने के बाद सबसे छोटे प्रारूप में वापसी कर रहे हैं। उनके साथ अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज टेलर भी शामिल हैं, जिन्होंने हाल ही में आईसीसी प्रतिबंध के बाद टेस्ट और वनडे प्रारूप में वापसी की है। विलियम्स और टेलर के साथ-साथ ब्रैड इवांस और तदिवानाशे मारुमानी ने भी टीम में जगह बनाई है।

न्यूजीलैंड ने मैकमिलन को कोच बनाया

वेलिंगटन : आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप जीतने की कोशिश में न्यूजीलैंड ने अपने कोचिंग कौशल को मजबूत किया है और क्रेग मैकमिलन को पूर्णकालिक आधार पर कोच नियुक्त किया है। मैकमिलन पिछले साल अंशकालिक अनुबंध पर टीम में शामिल हुए थे और उन्होंने व्हाइट फर्न्स को यूएई में महिला टी-20 विश्व कप में सफलता दिलाने में मदद की थी। ब्लैक कैप्स के पूर्व ऑलराउंडर मुख्य कोच बेन सॉयर के नेतृत्व में महिला टीम को बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण, दोनों विभागों में सहयोग देंगे।

मिचेल स्टार्क ने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

ब्रिस्बेन, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टेस्ट और वनडे प्रारूप में अपने कैरियर को विस्तार देने के लिए टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया।

ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख तेज गेंदबाजी तिकड़ी (पैट कमिंस और जोश हेजलवुड के साथ) के अहम सदस्य स्टार्क ने आगामी एशेज, भारत में होने वाली टेस्ट सीरीज और 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप और आईपीएल जैसे बड़े आयोजनों की तैयारी को ध्यान में रखते हुए खेल के सबसे छोटे अंतर्राष्ट्रीय प्रारूप से संन्यास की घोषणा की। अपनी तेज गति, कमाल की स्विंग, घातक यॉर्कर और खतरनाक बाउंसरों के लिए मशहूर स्टार्क ने 65 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 79 विकेट लिए है। वह एडम जाम्पा (103 मैचों में 130 विकेट) के बाद इस प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया के दूसरे सबसे सफल गेंदबाज है।

पैंतीस वर्ष के स्टार्क ने 65 टी20 मैचों में 79 विकेट लिए हैं। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट उनकी प्राथमिकता है और अगले दो साल के व्यस्त अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए उन्हें तैयार रहना है। न्यूजीलैंड के खिलाफ एक अक्टूबर से शुरू हो रही तीन मैचों की श्रृंखला के लिए मंगलवार को घोषित आस्ट्रेलियाई

- **तेज गति, कमाल की स्विंग, घातक यॉर्कर और खतरनाक बाउंसरों के लिए मशहूर हैं स्टार्क**

टी20 टीम में स्टार्क और टेस्ट कप्तान पैट कमिंस के नाम नहीं हैं। उन्होंने कहा मैने आस्ट्रेलिया के लिए हर टी20 मैच के हर मिनट का मजा लिया है। खासकर 2021 विश्व कप क्योंकि जीत के साथ हमने पूरे सफर का आनंद लिया। बायें हाथ के इस गेंदबाज ने कहा भारत में होने वाली टेस्ट श्रृंखला, एशेज और 2027 विश्व एकदिवसीय विश्व कप के लिए खुद को तरोताजा और फिट रखने के लिए मुझे लगता है कि यह सही फैसला है। स्टार्क ने कहा मेरे संन्यास से हमारी गेंदबाजी समूह को टी20 विश्व कप की तैयारी के लिए भी समय मिल जाएगा। टी20 विश्व कप का आयोजन अगले साल भारत और श्रीलंका में होगा। आधुनिक दौर के सबसे बेहतरीन गेंदबाजों में एक स्टार्क की आईपीएल में हमेशा से काफी मांग रही है।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2024 में उन्हें 24.75 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड कीमत पर खरीदा गया था। उन्होंने केकेआर की खिताबी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। दबाव की परिस्थितियों में अकेले दम पर मैच का रुख बदलने की उनकी क्षमता को देखते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें आईपीएल 2025 के लिए 11.75 करोड़ रुपये में शामिल किया। स्टार्क उन कुछ विदेशी खिलाड़ियों में से एक थे जिन्होंने भारत-पाकिस्तान सीमा विवाद के बाद भारत लौटने का फैसला नहीं किया था। भारत और पाकिस्तान में सैन्य टकराव के कारण आईपीएल को एक सप्ताह के लिए स्थगित करना पड़ा था। स्टार्क की घोषणा मंगलवार सुबह हुई जब ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 विश्व कप की तैयारी के लिए अक्टूबर में न्यूजीलैंड में होने वाली श्रृंखला के लिए टीम की घोषणा की।

65
टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 79 विकेट लिए है इस सफल गेंदबाज ने।

मिचेल स्टार्क।

भारतीय हॉकी टीम को सुपर 4 में बेहतर प्रदर्शन की जरूरत

हॉकी एशिया कप में कोरिया के खिलाफ आज होगा मुकाबला

राजगीर, एजेंसी

पूल चरण में अपराजेय रहने के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय हॉकी टीम को एशिया कप सुपर 4 चरण के मुकाबले में बुधवार को पांच बार की चैंपियन और पिछली विजेता कोरिया के खिलाफ अपने खेल में सुधार करना होगा। भारतीय टीम पूल ए में सारे मैच जीतकर सुपर 4 में पहुंची है। उसने चीन को 4-3 से, जापान को 3-2 और कजाखस्तान को 15-0 से हराया।

जीत के बावजूद भारत का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा है। चीन और जापान के खिलाफ औसत प्रदर्शन के बाद उसने टूर्नामेंट में दूसरी ही बार खेल रही कजाखस्तान टीम पर बड़े अंतर से जीत दर्ज की। दूसरी ओर कोरियाई टीम भी अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं है । वह पूल बी में मलेशिया के बाद दूसरे स्थान पर रही और मलेशिया ने उसे 4-1 से हरा दिया था। तेज गर्मी और भारी उमस के बीच टीमें संघर्ष करती नजर आई लेकिन सुपर 4 के मैच शाम को होंगे जिससे प्रदर्शन बेहतर रहने की उम्मीद है।

भारतीय टीम ने सोमवार को हर क्षेत्र में बेहतर खेल दिखाया चाहे गोलकीपिंग हो, डिफेंस , मिडफील्ड या आक्रमण। फॉरवर्ड पंक्ति का प्रदर्शन तारीफ के काबिल रहा जिसमें अभिषेक ने चार गोल दागे । सुखजीत सिंह ने भी हैट्रिक लगाई और फ्लैंक से उनकी ड्रिबलिंग और 'डी' के भीतर शांतचित्त रवैया जबर्दस्त था। भारत की फॉरवर्ड पंक्ति में एकमात्र कमजोर कड़ी दिलप्रीत सिंह रहे जिन्होंने गोल तो किया लेकिन एक आसान मौका गंवाया भी । अभी तक टूर्नामेंट में वह जूझते ही नजर आये हैं और अब उन्हें प्रदर्शन में सुधार करना होगा। भारत के कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा सुपर 4 चरण से पहले स्ट्राइकर्स का लय में रहना जरूरी है। मनप्रीत सिंह की अगुवाई में मिडफील्ड का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है और कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने डिफेंस की कमान बखूबी संभाल रखी है। पहले दो मैचों में औसत प्रदर्शन के बाद गोलकीपर कृशन बहादुर पाठक के प्रदर्शन में भी सुधार हुआ है।

पूल चरण में शानदार प्रदर्शन कर अपराजेय रही भारतीय टीम। एजेंसी

असल टूर्नामेंट अब शुरू हुआ है : कोच फुल्टोन

- कोच फुल्टोन ने हालांकि कहा कि असल टूर्नामेंट अब शुरू हुआ है जिसमें पिछले नतीजे मायने नहीं रखते। हमारी टीम आत्मविश्वास से भरी है। खिलाड़ी लय में है और हम यही चाहते हैं। कजाखस्तान के खिलाफ हरमनप्रीत, जुगराज सिंह , संजय और अमित रोहिदास चारों ने पेनल्टी कॉर्नर तब्दील किए। जुगराज ने हैट्रिक लगाई। सुपर 4 चरण हालांकि सभी टीमों (भारत, कोरिया, चीन और मलेशिया) के लिए नई शुरूआत होगी। सभी टीमें एक दूसरे से खेलेंगी और शीर्ष दो रविवार को फाइनल में जगह बनाएंगी।

समय : शाम 7:30 से

महिला विश्व कप की पुरस्कार राशि देखकर दिग्गज खिलाड़ी हतप्रभ

दुबई : अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के लिए पुरस्कार राशि में भारी वृद्धि की घोषणा की है। यह विश्व कप इस महीने के अंत में भारत और श्रीलंका में आयोजित होने वाला है। इस प्रतिष्ठित आयोजन की कुल पुरस्कार राशि बढ़कर 13.88 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई है, जो 2022 में न्यूजीलैंड में आयोजित पिछले संस्करण की तुलना में 297 प्रतिशत की भारी वृद्धि है।

इसके साथ ही, कुल पुरस्कार राशि पुरुषों के विश्व कप से भी अधिक हो गई है, जिसकी पुरस्कार राशि 2023 में 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर थी। पूर्व भारतीय दिग्गज झूलन गोस्वामी आईसीसी हिंदी इंस्टाग्राम चैनल पर अपनी पहली उपस्थिति के दौरान द आईसीसी रिव्यू पर इस घोषणा से बेहद खुश थीं, जहां वह टूर्नामेंट से पहले नियमित रूप से दिखाई देंगी। गोस्वामी ने इस ऐतिहासिक घोषणा पर कहा मेरे रोंगटे खड़े हो रहे हैं। बढ़ी हुई पुरस्कार राशि] बहुत अच्छी बात है। मैं अपनी तरफ़ से आईसीसी का शुक्रिया अदा करना चाहूंगी। जिस तरह से उन्होंने इस बारे में सोचा है, मुझे लगता है कि इससे महिला क्रिकेट को जरूर काफी बढ़ावा मिलेगा। और नवोदित महिला क्रिकेटरों के माता-पिता के लिए भी।

बीसीसीआई ने टाइटल के लिए बोलियां आमंत्रित कीं

नई दिल्ली, एजेंसी

- **ड्रीम 11 के हाथ खींचने के बाद नई कंपनी की तलाश**
- **भारतीय टीम एशिया कप में बिना मुख्य प्रायोजक के खेलेगी**

फैंटेसी स्पोर्ट्स की दिग्गज कंपनी ड्रीम 11 के हाथ खींचने के बाद बीसीसीआई ने मंगलवार को भारतीय क्रिकेट टीम के टाइटल प्रायोजन अधिकारों के लिए बोलियां आमंत्रित की जिसमें वास्तविक धन गेमिंग और क्रिप्टोकरेंसी में काम करने वाली कंपनियों पर रोक लगाई गई है क्योंकि सरकार ने ऐसी कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया है।

भारतीय टीम नौ सितंबर से यूएई में शुरू होने वाले एशिया कप में बिना मुख्य प्रायोजक के खेलेगी क्योंकि बोर्ड ने बोली जमा करने की अंतिम तिथि 16 सितंबर तय की है। ड्रीम 11 ने हाल ही में 'ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम 2025 के प्रचार और विनियमन' के कारण अपने वास्तविक धन वाले गेम बंद कर दिए हैं। अधिनियम में कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति ऑनलाइन मनी गेमिंग सेवाओं की पेशकश, सहायता, उकसाना, प्रेरित, लिप्त या संलग्न नहीं होगा और न ही किसी ऐसे विज्ञापन में शामिल होगा जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी व्यक्ति को कोई भी ऑनलाइन मनी गेम खेलने के लिए प्रोत्साहित करता हो।

ड्रीम 11 और माय 11 सर्कल के साथ बीसीसीआई का भारतीय क्रिकेट टीम और इंडियन प्रीमियर लीग के लिये 1000 करोड़ रूपये के करीब टाइटल प्रायोजन करार था। बीसीसीआई की एक विज्ञप्ति में कहा गया बोली लगाने वाला, जिसमें उसके समूह की कोई भी कंपनी शामिल है उसे भारत में या दुनिया में कहीं भी ऑनलाइन मनी गेमिंग, सट्टेबाजी या जुआ या इसी तरह की सेवाओं में संलग्न नहीं होना चाहिए, भारत में किसी भी व्यक्ति को कोई ऑनलाइन मनी गेमिंग, सट्टेबाजी या जुआ या इसी तरह की सेवाएं प्रदान नहीं करनी चाहिए और भारत में सट्टेबाजी या जुए में संलग्न किसी भी व्यक्ति में कोई निवेश या स्वामित्व हित नहीं होना चाहिए।

आखिरी तारीख है 12 सितंबर

- आईईओआई खरीदने की आखिरी तारीख 12 सितंबर है और बोली के दस्तावेज जमा करने की आखिरी तारीख 16 सितंबर है। इसमें आगे कहा गया बोली लगाने वाला या उसके समूह की कोई भी कंपनी किसी भी तरह की ऐसी गतिविधि या व्यवसाय में शामिल नहीं होनी चाहिए जिसकी आनलाइन गेमिंग अधिनियम 2025 के तहत अनुमति नहीं है। इसके अलावा तंबाकू, शराब और ऐसी कोई भी चीज जो सार्वजनिक नैतिकता को ठेस पहुंचाती हो, इसके पात्र नहीं हैं।

जैनिक सिनर एकतरफा जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में

न्यूयॉर्क, एजेंसी

इस प्रमुख सीजन में जैनिक सिनर ने कमजोरी के संकेत कम ही दिखाए हैं। यूएस ओपन के तीसरे दौर के मैच के दौरान, एक पल के लिए, इतालवी खिलाड़ी फ्री-स्विंगिंग डेनिस शापोवालोव के सामने जोखिम में दिखे, जिन्होंने पहला सेट जीतकर तीसरे सेट में 3-0 की बढ़त बना ली थी। उस मुकाबले में संघर्ष करने के बाद, एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 खिलाड़ी ने सोमवार को शानदार वापसी की और शानदार प्रदर्शन करते हुए 23वीं वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर बुब्लिक को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। शानदार सिनर ने कजाकिस्तान के खिलाड़ी को 6-1, 6-1, 6-1 से हराकर अपने ख़िताब की रक्षा की तरफ मजबूती से कदम बढ़ाया। सिनर ने कहा कुल मिलाकर मैं बहुत-बहुत खुश हूँ। इस साल पहली बार मैं यहां नाइट मैच खेल पा रहा हूँ और इससे बहुत बड़ा फर्क़ पड़ता है। मैं सभी का आने और उत्साहवर्धन करने के लिए शुक्रिया अदा करना चाहता हूँ। यह हम खिलाड़ियों के लिए एक बहुत ही ख़ास मौक़ा है, इसलिए आप सबका बहुत-बहुत शुक्रिया।

गॉफ को हराकर ओसाका अंतिम आठ में

- **न्यूयॉर्क :** नाओमी ओसाका ने सोमवार को कोको गॉफ को 6-3, 6-2 से हराकर यूएस ओपन के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, जिससे घरेलू दर्शकों के सामने अमेरिकी खिलाड़ी का सफर खराब हो गया। ओसाका ने कहा मैं बस यहां आकर खेलने का मौका चाहती थी। यह दुनिया का मेरा पसंदीदा कोर्ट है, और यहां वापस आना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। पोलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियाटेक ने एकातेरिना एलेक्ज़ेंड्रोवा को 6-3, 6-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। महिला युगल में एलेक्ज़ेंड्रोवा और चीन की झांग शुआई को अमेरिका की वीनस विलियम्स और कनाडा की लेयला फर्नांडीज की जोड़ी ने 6-3, 6-4 से हरा दिया।

इटली के जैनिक सिनर चौथे दौर में अलेक्जेंडर बुब्लिक को शॉट लौटाते हुए। एजेंसी

रायफल शूटिंग प्रतियोगिता में वंशिका ने फहराया परचम

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। राजस्थान में चल रही 48वीं यूपी स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता 2025 में जनपद की 12 वर्षीय बेटी वंशिका पाल ने राष्ट्रीय स्तर की प्री- प्रतियोगिता में स्थान पक्का कर लिया है। पहले ही राउंड में प्रतिभागी ने 263 का स्कोर बना लिया।

ब्लॉक सदर क्षेत्र के गांव शरीफापुर निवासी अनिल पाल की पुत्री वंशिका पाल हाल निवासी शहर के डाक बंगला रोड कन्नौज की हैं। वंशिका पाल दिल्ली पब्लिक स्कूल सरायमीरा में कक्षा 7 की छात्रा हैं। 10 से 20 वर्ष वाले प्रतिभागियों की प्रतियोगिता में जनपद की बेटी ने 10 मीटर रायफल शूटिंग 400 में से 263 का स्कोर बनाया, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाग करने के लिए 255 स्कोर की जरूरत थी।

- **263 स्कोर बनाकर प्री- नेशनल प्रतियोगिता में पक्का किया स्थान**
- **राजस्थान में चल रही है यूपी की 48वीं स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप**

उनके पिता अनिल पाल ने बताया कि उन्होंने भी इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया और 253 का स्कोर लाकर मेडल पाया। 07 सितंबर तक यह प्रतियोगिता राजस्थान शूटिंग रेंज जगतपुरा जयपुर में चलेगी। वंशिका ने सबसे पहले शहर के पुलिस लाइन में बैडमिंटन व शूटिंग प्रतियोगिता में प्रति अब वंशिका प्री-नेशनल में शूटिंग में निशाना लगाएंगी।

कांस्य पदक जीतने से ओलंपिक की भरपाई कर दी : चिराग

नई दिल्ली : भारतीय पुरुष युगल बैडमिंटन टीम के सदस्य चिराग शेट्टी ने कहा कि हाल में पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने से एक साल पहले इसी शहर में ओलंपिक खेलों में पोडियम तक नहीं पहुंच पाने की काफी हद तक भरपाई कर दी।

चिराग और लंबे समय से उनके साथी सात्विक साईराज रंकीरेड्डी ने पिछले सप्ताह विश्व चैंपियनशिप में पुरुष युगल का कांस्य पदक जीता। दुनिया की नौवें नंबर की इस जोड़ी ने क्वार्टर फ़ाइनल में मलेशिया के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता आरोन चिया और सोह वूई यिक को हराकर विश्व चैंपियनशिप में अपना दूसरा पदक हासिल किया। भारत की इस जोड़ी का पहली बार विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने का सपना सेमीफाइनल में चीन की जोड़ी से हार के साथ टूट गया।

एशिया कप | इरफान पठान ने एशिया कप में शुभमन गिल के चयन को टीम के हित में करार दिया

गिल आक्रामक क्रिकेट खेलना चाहेंगे

मुंबई, एजेंसी

पूर्व हरफनमौला इरफान पठान ने एशिया कप के लिए टी20 टीम में शुभमन गिल की वापसी और उन्हें उपकप्तान बनाने के फैसले को टीम के हित में करार देते हुए मंगलवार को कहा कि वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से खुद को साबित करने की कोशिश करेंगे। टेस्ट कप्तान के तौर पर इंग्लैंड में अपनी पहली सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले गिल की लंबे समय के बाद टी20 टीम में वापसी हुई है।

पठान ने कहा कि गिल के उपकप्तान होने से मौजूदा कप्तान सूर्यकुमार यादव पर भी कोई दबाव नहीं आयेगा।

पठान ने 'सोनी स्पोर्ट्स' द्वारा आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा सूर्यकुमार की सहमति के बिना शुभमन गिल को उप-कप्तान नहीं चुना गया होगा। पठान ने कहा उनकी (सूर्यकुमार) जिम्मेदारी सिर्फ अपना प्रदर्शन करना या टीम को संभालना नहीं है।

इरफान पठान। एजेंसी

युवा खिलाड़ी में नेतृत्व कौशल विकसित करना और टीम को भविष्य के लिए तैयार करना भी है। इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा लोगों को शायद ऐसा लग रहा होगा कि इससे सूर्यकुमार पर दबाव पड़ेगा लेकिन वह जो कर रहे हैं वह वास्तव में भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए बहुत अच्छा है। यह सूर्यकुमार यादव को ऐसे कप्तान के तौर पर स्थापित करेगा जिनका क्रिकेट जगत में काफी सम्मान है। पठान ने कहा कि गिल अपने चयन और उपकप्तान के तौर पर नियुक्ति को सही साबित करना चाहेंगे। उन्होंने कहा हमने इस सत्र में देखा है, वह शानदार लय में हैं। उन्होंने पिछले कुछ आईपीएल में काफी रन भी बनाये हैं। उनके पास आक्रामक बल्लेबाजी करने की क्षमता है। मुझे नहीं लगता कि गिल के लिए आक्रामक भूमिका निभाने और टीम की जरूरत को पूरा करने में कोई समस्या होगी।

वरुण साबित होंगे एक्स-फैक्टर

- इरफान पठान ने कहा 2021 टी20 विश्व कप के दौरान यूएई में निराशाजनक प्रदर्शन करने वाले वरुण चक्रवर्ती एशिया कप में भारत के लिए 'एक्स-फैक्टर (अपने दम पर मैच का रुख पलटने वाले खिलाड़ी)' होंगे। आप हमेशा सोचते हैं कि ऑलराउंडर एक्स फैक्टर होते है लेकिन मैं वास्तव में यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि वरुण चक्रवर्ती कैसा प्रदर्शन करते हैं क्योंकि आपको पता होना चाहिए कि यह एक वापसी की प्रेरणादायक कहानी हो सकती है। मेरी नजरें उन पर पर होंगी क्योंकि उनमें बहुत आत्मविश्वास है और एक्स-फैक्टर साबित हो सकते हैं।